रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail.com

हर खबर पर पहली नजर

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:73 | बुधवार,19 नवम्बर | ₹5

ब्रीफ न्यूज

बीजेपी ने केशव प्रसाद मौर्य को बनाया बिहार पर्यवेक्षक

एजेंसी

पटनाः बिहार चुनाव में अप्रत्याशित जीत के बाद सरकार बनाने की कवायद तेज हो चुकी है। इसी कड़ी में बीजेपी ने यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को बिहार का पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। उनके साथ अर्जुन राम मेघवाल, साध्वी निरंजन ज्योति को सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।

चिली की पूर्व राष्ट्रपति मिशेल को इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार

एजेंसी

नई दिल्ली : चिली की पूर्व राष्ट्रपति एवं प्रमुख मानवाधिकार कार्यकर्ता मिशेल बेचेलेट को शांति, निरस्त्रीकरण और विकास के लिए 2024 का इंदिरा गांधी पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। पुरस्कार समारोह बुधवार को यहां जवाहर भवन राजेंद्र प्रसाद रोड में आयोजित किया जाएगा। पुरस्कार के तहत 25 लाख रुपए की राशि और प्रशस्तिपत्र दिया जाता है।

मोदी नीतीश मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण समारोह में हो सकते हैं शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली : बिहार विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की ऐतिहासिक जीत के बाद प्रदेश में सरकार के गठन और शपथ ग्रहण को लेकर तैयारियां चरम पर है। सूत्रों के अनुसार 20 नवंबर को गांधी मैदान में होने वाले इस शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हो सकते हैं। भाजपा सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि बुधवार शाम तक पार्टी के बड़े नेता दिल्ली से पटना पहुंच जायेंगे'

दिल्ली ब्लास्ट केस : आमिर अली को हिरासत में भेजा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की अदालत ने लाल किले के पास हुए कार ब्लास्ट मामलेमें ड्राइवर उमर मोहम्मद उर्फ उमर उर नबी के सहयोगी आमिर राशिद अली को 10 दिन की एनआईए हिरासत में भेजा है। आमिर को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने रविवार को दिल्ली से गिरफ्तार किया था। एनआईए ने सोमवार को दिल्ली की अदालत में आमिर राशिद अली को पेश किया और उसकी कस्टडी मांगी। इस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने एनआईए को 10 दिन की कस्टडी सौंपी। आमिर राशिद अली से पूछताछ के दौरान एनआईए को कई अहम कड़ियों को जोड़ने में मदद मिल सकती है। आमिर राशिद अली जम्मू-कश्मीर के पंपोर के संबूरा का रहने वाला है। सूत्रों के अनुसार, एनआईए की जांच से पता चला है कि आमिर ने उमर उन नबी के साथ मिलकर आतंकी हमला करने की साजिश रची थी। एक बयान में कहा गया, आमिर कार की खरीद में मदद करने के लिए दिल्ली आया था,

जनता के बीच फिर जाएगी हेमंत सरकार, पंचायत स्तर पर शुरू होगा 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम

एजेंसी

रांची। राज्य में एक बार फिर आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम की शुरूआत हो रही है. हेमंत सरकार के द्वारा पूर्व में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में काफी सफलता मिलने के बाद एक बार फिर सरकार ने जनता के बीच जाने का निर्णय लिया है. मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने इस संबंध में सभी अपर मुख्य सचिव, सरकार के सभी प्रधान सचिव, सभी सचिव, सभी प्रमंडलीय आयुक्त और सभी उपायुक्तों को दिशा निर्देश जारी किया है. उन्होंने पंचायत स्तर पर शिविर लगाकर आम ग्रामीणों से आवेदन प्राप्त करने तथा जांच के बाद उन्हें स्वीकृत कर योजना का लाभ स्थल पर ही लाभार्थी को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं. कार्यक्रम में इन योजना के आवेदन को दी जाएगी प्राथमिकता आगामी 21 नवंबर से 15 दिसंबर 2025 तक आयोजित होने वाले आपकी योजना-आपकी सरकारआ पके द्वार कार्यक्रम में आम लोगों से जुड़े छोटी-मोटी समस्याओं के समाधान के साथ-साथ जाति/ आवासीय/आय प्रमाण पत्र, स्वास्थ्य सुरक्षा योजना, किसान

क्रेडिट कार्ड, लैंप्स पैक्स सदस्य अभियान, सार्वजनिक पेंशन योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, हरा राशन कार्ड, बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना और अबुआ आवास योजना के तहत प्राप्त आवेदन को प्राथमिकता के आधार पर लिए जाएंगे. राज्य के हर जिलों में पंचायत स्तर पर आयोजित होने वाले विशेष शिविरों का जायजा लेने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद जिलों का दौरा करने वाले हैं. आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम की शुरूआत होने से पहले इस पर राजनीति शुरू हो गई है. विपक्षी दल भाजपा ने पिछले आपके द्वार कार्यक्रम की तरह आम लोगों के आवेदनों को कूड़ेदान में डालने की बात कहते हुए इसकी आलोचना की है. पार्टी के मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक ने कहा कि जिस तरह से पिछले आपके द्वार कार्यक्रम में लोगों के आवेदन लेकर उसका समाधान नहीं किया गया, उसी तरह से एक बार फिर लोगों को भ्रमित करने के लिए सरकार द्वारा यह कोशिश की जा रही है,

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की याचिका को किया खारिज

झारखंड विस नियुक्ति घोटाले में अभी नहीं होगी सीबीआई जांच

एजेंसी

सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की खंडपीठ में हुई सुनवाई

- कोर्ट ने पूछा- एजेंसी की मशीनरी का इस्तेमाल राजनीतिक लड़ाई के लिए क्यों
- विधानसभा की ओर से एडवोकेट कपिल सिब्बल बोले- राजनीति से प्रेरित है मामला
- सीबीआई की ओर से एसवी राजू ने कपिल सिब्बल की बातों का किया विरोध
- दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद बेंच ने इंक्वायरी शुरू करने की नहीं दी अनुमति

रांची:मंगलवार को सुप्रीम कोर्टमें झारखंड विधानसभा नियुक्ति घोटाला मामले में सीबीआई जांच पर रोक हटाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई हुई। अब इस मामले में अभी सीबीआई जांच नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई द्वारा जांच शुरू करने की मांग को लेकर दायर याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने सुनवाई करते हुए सीबीआई से पूछा कि उसका इस्तेमाल राजनीतिक लड़ाई लड़ने के लिए क्यों किया जा रहा है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) बीआर गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की खंडपीठ ने झारखंड विधानसभा द्वारा झारखंड हाईकोर्ट केसितंबर 2024 के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका परसुनवाई की।

यह गंभीर मामला : राजू

सुनवाई के दौरान विधानसभा की ओर से एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कहा कि मामला राजनीति से प्रेरित है। जब भी इस तरह का मामला सामने आता है, सीबीआई बीच में चली आती है। विधानसभा की ओर से दायर याचिका को स्वीकार किया जा चुका है।सीबीआई की ओर से एसवी राजू ने कपिल सिब्बल की बातों को विरोधकिया।

गौरतलब है कि झारखंड विधानसभा में हुए नियुक्ति घोटाले में सीबीआई जांच की मांग को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की गईथी।

जांच के लिए दायर की गई थी जनहित याचिका

हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर झारखंड के अधिकारियों को विधानसभा में अवैध नियुक्तियों के संबंध में जांच आयोग के 30 संदर्भ बिंदुओं के क्रियान्वयन के संबंध में तत्कालीन राज्यपाल द्वारा तत्कालीन स्पीकर को 2018 में दिए गए निर्देश को लागू करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता शिवशंकर शर्मा ने कथित अवैध नियुक्तियों की सीबीआई द्वारा जांच की भी मांग की थी। सितंबर 2024 में हाईकोर्ट ने याचिका स्वीकार कर ली और निर्देश दिया कि विधानसभा में अवैध नियुक्ति व पदोन्नति के मामले में हुई कथित अनियमितताओं की प्रारंभिक जांच सीबीआई द्वारा की जाए।

पूर्व डीजीपी अनुराग गुप्ता के खिलाफ शिकायत

सबसे बड़े आपराधिक संगठन का संचालन करने का आरोप

एजेंसी

रांचीः झारखंड के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता के खिलाफ ऑनलाइन एफआईआर दर्ज करने के लिए आवेदन दिया गया है। झारखंड हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव कुमार ने झारखंड पुलिस की वेबसाइट पर आवेदन दिया है। आवेदन यह आरोप लगाया गया है कि पूर्व डीजीपी अनुराग गुप्ता ने अपने कार्यकाल के दौरान झारखंड के कुख्यात अपराधी सुजीत सिन्हा आदि से मिलकर कोयलांचल शांति समिति (केएसएस) नामक संगठन का गठन किया। राज्य में कोयला व्यवसायियों, ठेकेदारों, ट्रांसपोर्टरों व डॉक्टरों से करोड़ों की वसूली की है। अनुराग गुप्ता डीजीपी पद पर रहते हुए भी अपरोक्ष रूप से झारखंड के सबसे बड़े आपराधिक संगठन का संचालन कर रहे थे। एक अपराधी के कहने पर जेल में बंद अपराधी अमन साहू की तथाकथित मुठभेड़ करवाई थी। ये आरोप नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने लगाया है। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ये खुलासा किया है कि कोयलांचल शांति समिति को पाकिस्तान से प्राप्त हथियार मुहैया कराया गया है। यह खुलासा न सिर्फ झारखंड के लिए खतरा का विषय है, बल्कि पूरे देश की सुरक्षा के लिए चिंता की बात है। राजीव कुमार ने अपने आवेदन में लिखा है कि अनुराग गुप्ता ने अपने पद और पवर का दुरुपयोग कर जहां करोड़ों की उगाही की, वहीं एसीबी और सीआईडी के महानिदेशक के पद पर रहते हुए अपने चहेते की मदद से अपने विरोधियों के खिलाफ फर्जी एफआईआर दर्ज कराई।

सऊदी अरब में उमराह के लिए गए सड़क हादसे में 42 भारतीयों की मौत

पीएम मोदी ने व्यक्त किया दुख, सऊदी अरब सड़क हादसे पर इरफान अंसारी ने जताया शोक, हेल्पलाइन नंबर जारी

एजेंसी

रियाद। सऊदी अरब में मदीना के पास हुए भीषण सड़क हादसे में कम से कम 42 भारतीयों की मौत हो गई है। ये सभी लोग भारत से उमराह करने के लिए सऊदी अरब गए थे। इन लोगों को लेकर जा रही बस एक डीजल टैंकर से टकरा गई, जिसके चलते बस में आग लग गई। इससे 42 लोगों की बस के अंदर ही जलने से मौत हो गई। इस हादसे में सिर्फ एक युवक बचा है, जिसे एक चमत्कार की तरह देखा जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, मक्का से मदीना जा रही बस के डीजल टैंकर से टकराने के समय 24 वर्षीय मोहम्मद अब्दुल शोएब कथित तौर पर ड्राइवर के पास बैठे थे।

शोएब हैदराबाद के निवासी हैं और बस में सवार अकेले मुसाफिर हैं, जिनकी मौत नहीं हुई है। उन्हें फिलहाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सऊदी अरब में मदीना के पास हुए हादसे के बाद भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने एक हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। टोल फ्री नंबर 8002440003 है। भारतीय दूतावास ने कहा कि 24 घंटे चलने वाला एक कंट्रोल रूम भी बनाया गया है। हादसेका शिकार ज्यादातर लोग भारत के हैदराबाद शहर के रहने वाले थे।यह दुर्घटना मदीना से 160 किलोमीटर दूर मुहरास के पास हुई। हादसे के समय ज्यादातर यात्री सो रहे थे। इससे टक्कर के बाद बस में आग लगने पर उनके बचने का कोई रास्ता नहीं बचा। घटना के बाद पहुंचे बचाव दल ने बताया कि बस पूरी तरह से जलकर खाक हो चुकी थी। स्थानीय प्रशासन ने कहा है कि बस के साथ यात्रियों के शव और सामान भी बुरी तरह जल चुका है। शव इस हालत में नहीं है कि उनकी पहचान की जा सके। शवों की पहचान के लिए आगे प्रक्रिया की जाएगी। रियाद स्थित भारत के दूतावास ने सऊदी अधिकारियों से संपर्क साधा है।

मलेशिया व श्रीलंका के सांसदों ने कल्पना सोरेन से की मुलाकात

संवाददाता

रांची : विधायक और महिला एवं बाल विकास समिति की सभापति कल्पना सोरेन से मंगलवार को मलेशिया और श्रीलंका के प्रतिनिधिमंडल ने औपचारिक मुलाकात की। मुख्यमंत्री आवास में हुई इस मुलाकात में मलेशिया के सांसद और मलेशियन-इंडियन कांग्रेस के वाइस प्रेसिडेंट एम. सरवनन, श्रीलंका के सांसद एस. श्रीथारन तथा श्रीलंका के पूर्व राज्यपाल और वर्तमान में सीलोन वर्कर्स कांग्रेस के अध्यक्ष सेंथिल थोंडमन शामिल थे। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद महुआ माजी भी मौजूद रहीं।

पहल

जन्म-मृत्यु के बाद 21 दिनों के भीतर संबंधित अस्पताल करेगा आवेदन

घर बैठे मिलेगा बर्थ-डेथ सर्टिफिकेट, नगर निगम ने की तैयारी

संवाददाता

रांचीःअगर आप भी बर्थ और डेथ सर्टिफिकेट बनाने को लेकर परेशान रहते हैं, तो टेंशन लेने की जरूरत नहीं है। रांची नगर निगम ने इस प्रक्रिया को आसान बना दिया है। इसके तहत आपको घर बैठे ही बर्थ और डेथ सर्टिफिकेट मिल जाएगा। इसके लिए नगर निगम का चक्कर लगाने की भी जरूरत नहीं है। इसके लिए बस संबंधित हॉस्पिटल से ही ऑनलाइन आवेदन कर देना होगा। इसके बाद सर्टिफिकेट सीधे आपको ई-मेल पर मिल जाएगा। नगर प्रशासक सुशांत गौरव की मानें तो नई व्यवस्था का उद्देश्य लोगों को बेवजह कार्यालय का चक्कर लगाने से मुक्त करना और सेवा को पूरी तरह डिजिटल व पारदर्शी बनाना है। उन्होंने बताया कि अब न तो लाइन में लगने की जरूरत है और न ही किसी प्रकार की फिजिकल वेरिफिकेशन के लिए निगम कार्यालय पहुंचने की। पूरी प्रक्रिया घर बैठे आराम

से पूरी की जा सकेगी। प्रशासक ने बताया कि शहर के लोगों को समय पर सेवा देना ही हमारी प्राथमिकता है। हमारा प्रयास है कि रजिस्ट्रेशन से जुड़े प्रत्येक आवेदन को जल्द से जल्द निपटाया जाए, ताकि लोगों को बिना देरी सर्टिफिकेट मिल सके। उन्होंने बताया कि फिलहाल हमारा लक्ष्य सभी पुराने लंबित मामलों को खत्म कर सिर्फ चालू आवेदनों को प्रक्रिया में रखना है। इससे संबंधित विभाग की कार्यप्रणाली तेज हो सकेगी।एक अधिकारी ने बताया कि अब यह सुनिश्चित किया गया है कि राइट टू सर्विस एक्ट के तहत शहर के लोगों को तय समयसीमा के भीतर सेवा मिले।प्रशासन का मानना है कि यदि रजिस्ट्रेशन समय पर किया जाए तो किसी भी मामले में देरी नहीं होगी। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि जन्म या मृत्यु की घटना कारजिस्ट्रेशन 21 दिनों के भीतर करा ले। बिचौलियों से रहें सावधान प्रशासक ने लोगों से यह भी अपील की है कि वे किसी भी तरह के बिचौलियों से सावधान रहे। अगर नगर निगम में आवेदन कर रहे है तो सभी जरूरी दस्तावेज ठीक से अटैच करें। गलत या अधूरे दस्तावेज के कारण प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न हो सकती है। इसके अलावा शहर के सभी अस्पतालों से भी अनुरोध किया गया है कि वे जन्म और मृत्यु से संबंधित डेटा सही समय पर और बिल्कुल सटीक दर्ज करें। जिससे कि सर्टिफिकेट जारीकरने में कोई गड़बड़ी न हो।

आवेदक के ई-मेल पर सीधे भेज दिया जाएगा प्रमाण

राइट टू सर्विस एक्ट को किया जा रहा फॉलो

एक अधिकारी ने बताया कि अब यह सुनिश्चित किया गया है कि राइट टू सर्विस एक्ट के तहत शहर के लोगों को तय समयसीमा के भीतर सेवा मिले।प्रशासन का मानना है कि यदि रजिस्ट्रेशन समय पर किया जाए तो किसी भी मामले में देरी नहीं होगी। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि जन्म या मृत्यु की घटना कारजिस्ट्रेशन 21 दिनों के भीतर करा ले।

बिचौलियों से रहें सावधान प्रशासक ने लोगों से यह भी अपील की है

कि वे किसी भी तरह के बिचौलियों से सावधान रहे। अगर नगर निगम में आवेदन कर रहे है तो सभी जरूरी दस्तावेज ठीक से अटैच करें। गलत या अधूरे दस्तावेज के कारण प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न हो सकती है। इसके अलावा शहर के सभी अस्पतालों से भी अनुरोध किया गया है।

गुजरात : एंबुलेंस में लगी भीषण आग नवजात और डॉक्टर समेत 4 लोगों की मौत

एजेंसी

अरवल्ली (एजेंसी) : गुजरात के अरवल्ली जिले के मोडासा के पास सोमवार-मंगलवार मध्यरात्रि एक दिल दहला देने वाली दुर्घटना हुई। यहां अहमदाबाद जा रही एक एम्बुलेंस अचानक आग की लपटों में घिर गई, जिसमें नवजात बच्चा, उसके पिता, डॉक्टर और नर्स की जलकर मौत हो गई। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। मोडासा नगर पालिका के फायर अधिकारी हेमराज वाघेला ने बताया कि मध्यरात्रि 1:40 बजे कॉल मिली कि एक एम्बुलेंस में आग लगी है। फायर टीम ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। बाद में नवजात के पिता की मौत की पुष्टि हुई। अरवल्ली जिलाधिकारी प्रशस्ति पारीक ने बताया कि आग लगने का प्राथमिक कारण एम्बुलेंस में रखा ऑक्सीजन सिलेंडर फटना हो सकता

है। उन्होंने बताया किनवजात को बेहतर उपचार के लिए अहमदाबाद के ओरेंज हॉस्पिटल रेफर किया गया था। पुलिस के अनुसार, लुणावाडा निवासी जिज्ञेशभाई महेशभाई मोची के नवजात बच्चे को मोडासा के रिच हॉस्पिटल से बेहतर उपचार के लिए एम्बुलेंस से अहमदाबाद ले जाया जा रहा था। मोडासा से 2 किमी दूरी पर एम्बुलेंस में अचानक आग लग गई। इसमें नवजात समेत चार लोगों की जलकर मौत हो गई, जबकि तीन व्यक्ति नवजात की दादी, नवजात के काका औरएम्बुलेंस चालक झुलस गए। इनका इलाज चल रहा है। एसपी मनोहरसिंह जाडेजा ने बताया कि एम्बुलेंस में कुल 7 लोग सवार थे। उन्होंने बताया कि मामले की जांच जारी है। दुर्घटना में झुलसे रिश्तेदार गौरांग मोची ने बताया कि उन्हें ओरेंज हॉस्पिटल अहमदाबाद ले जाने के लिए वहीं से एम्बुलेंस भेजी गई थी।

पूर्व डीजीपी अनुराग गुप्ता के खिलाफ ऑनलाइन एफआईआर, लगाए गए कई गंभीर आरोप

रांची, संवाददाता ।

झारखंड के पूर्व डीजीपी अनुराग गुप्ता के खिलाफ ऑनलाइन एफआईआर दर्ज करने के लिए आवेदन दिया गया है. झारखंड हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव कुमार के द्वारा आवेदन दिया गया है.

क्या है आवेदन में

अपने आवेदन में अधिवक्ता राजीव कुमार ने लिखा है कि मैं राजीव कुमार, पिता- सत्यदेव राय, गौरी शंकर नगर, डोरंडा, रांची का निवासी हूं और झारखंड हाईकोर्ट में अधिवक्ता हूं. मैं न्यायालय के माध्यम से जनहित की लड़ाई लड़ता हूं. मैं झारखंड के जिम्मेदार नागरिक होने के नाते आपका ध्यान विनम्रता पूर्वक एक महत्वपूर्ण विषय की ओर आकृष्ट कराना चाहता हूं. मीडिया स्त्रोतों तथा मुझे उपलब्ध जानकारी के अनुसार पूर्व डीजीपी अनुराग गुप्ता ने अपने कार्यकाल के दौरान झारखंड के कुख्यात अपराधी सुजीत सिन्हा आदि से मिलकर कोयलांचल शांति समिति नामक संगठन का गठन कर पूरे राज्य भर में कोयला व्यवसायी, ठेकेदारों, ट्रांसपोर्टरों, डॉक्टरों, बिजनेसमैन आदि से करोड़ों की वसूली की है. पूर्व डीजीपी अनुराग गुप्ता डीजीपी पद पर रहते हुए भी अपरोक्ष रूप से झारखंड के सबसे बड़े आपराधिक संगठन का संचालन कर रहे थे और एक अपराधी के कहने पर जेल में बंद अपराधी अमन साहू की तथाकथित मुठभेड़ करवाया था. ये आरोप नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने लगाया है. नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ये खुलासा किया है कि कोयलांचल शांति समिति को पाकिस्तान से प्राप्त हथियार मुहैया कराया गया है. ये खुलासा ना सिर्फ झारखंड के लिए खतरा का विषय है बल्कि पूरे देश की सुरक्षा के लिए चिंता का विषय है. राजीव कुमार ने अपने आवेदन में लिखा है कि अनुराग गुप्ता ने अपने पद और पवर का दुरुपयोग कर जहां करोड़ों की उगाही की, वहीं एसीबी और सीआईडी के महानिदेशक के पद पर रहते हुए अपने चहेते डीएसपी और पुलिस पदाधिकारियों मोहम्मद परवेज आलम, मोहम्मद नेहाल, अनिमेष नैथानी की मदद से अपने विरोधियों के खिलाफ फर्जी एफआईआर दर्ज कराई और कुछ सरकारी अफसर, इंजीनियर को भी फर्जी शिकायत पर नोटिस जारी कर उगाही की है, जिसमें सीआईडी और एसीबी के अमर कुमार पांडेय, गणेश प्रसाद इंस्पेक्टर, अनुज महतो सिपाही, चंदन कुमार सिपाही, प्रभात दुबे सिपाही, बीरेंद्र कुमार महतो, सिपाही, दीपक मेहता, सिपाही, महादेव महतो, सिपाही, रंजीत राणा, सिपाही आदि ने साथ दिया. अतः आपसे निवेदन है कि पूर्व डीजीपी के आपराधिक व भ्रष्ट कृत्य की जांच करते हुए उनपर और उनके सहयोगियों पर सुसंगत धाराओं में एफआईआर करने की कृपा करें. यह झारखंड की हित में और देश के हित में अत्यंत जरूरी है.

स्वास्थ्य मंत्री ने रिम्स ओपीडी में मरीजों का किया इलाज, प्राइवेट प्रैक्टिस करने वालों को चेताया, कहा- जल्द भरे जाएंगे रिक्त पद

रांची, संवाददाता ।

राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स का औचक निरीक्षण करने पहुंचे सूबे के स्वास्थ्य मंत्री आज डॉक्टर की भूमिका में नजर आए. उन्होंने ओपीडी में मरीजों का इलाज किया. दवाईयां लिखी. उन्होंने कहा कि शायद मैं देश का पहला स्वास्थ्य मंत्री हूं, जो खुद ओपीडी में बैठकर मरीजों का इलाज कर रहा है. यह कदम पारदर्शिता, जवाबदेही और जनता के विश्वास को बढ़ाने के लिए है. स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था को सुधारने के लिए उन्होंने राज्य के सभी सदर अस्पतालों में क्रमवार ओपीडी में बैठने का फैसला लिया है. इससे मरीजों के साथ सीधा संवाद होगा और डॉक्टर्स का भी मनोबल बढ़ेगा. नया ओपीडी रोस्टर जल्द जारी होगा. डॉक्टरों की उपस्थिति, समय पालन और सेवा-भाव की सख्त मॉनिटरिंग होगी.

प्राइवेट प्रैक्टिस करने वाले छोड़ दें रिम्स

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने दो टूक कहा कि रिम्स में सेवारत डॉक्टर्स प्राइवेट प्रैक्टिस भी करेंगे तो ये नहीं चलेगा. वैसे डॉक्टर्स को खुद रिम्स छोड़ देना चाहिए. उनकी जगह दूसरे अच्छे डॉक्टर्स लाए जाएंगे. रिम्स की व्यवस्था को खराब करने नहीं दिया जाएगा. उन्होंने कहा कि रिम्स में बड़ी संख्या में मैनपावर की कमी है. इसका आकलन कर जल्द पदों को भरा जाएगा. उन्होंने कहा कि छह महीने में एक्सपायर होने वाली दवाइयों का स्टॉक भी मिलने पर कार्रवाई होगी. उसी का नतीजा है कि एक्सपायरी दवाइयां फेंकी हुई मिल रही हैं. स्वास्थ्य विभाग के इस पहल की तारीफ की जानी चाहिए. कई आउटसोर्सिंग कंपनियों को ब्लैकलिस्ट किया जा चुका है. मामले कोर्ट में लंबित हैं. नई, विश्वसनीय कंपनियों को चयनित करने की प्रक्रिया जल्द पूरी होगी.

बहुत जल्द 208 एंबुलेंस की होगी खरीददारी

उन्होंने माना कि सरकारी एंबुलेंस की स्थिति लचर है. एक-एक एंबुलेंस 8-8 लाख किमी चली हुई है. एंबुलेंस की खराब हालत देखकर तकलीफ होती है. बहुत जल्द 208 नए एंबुलेंस की सौगात मिलने जा रही है. सभी हाईटेक एंबुलेंस होंगे. निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य मंत्री से मिलकर कई मरीजों ने अपने परेशानी साझा की. किसी ने कहा कि व्हील चेयर नहीं मिलता है. किसी ने स्ट्रेचर का रोना रोया. उन्होंने निदेशक से कहा कि सीटी स्कैन, एमआरआई सहित सभी डायग्नोस्टिक सेवाएं तुरंत दुरुस्त हों. दवाओं की कमी दूर की जाए. खराब मशीनें अविलंब ठीक हों. रिम्स के निदेशक डॉ. राजकुमार ने कहा कि मैनपावर को भरने की कवायद चल रही है. फिलहाल रिम्स के अलग-अलग विभाग में करीब सवा सौ वेंटिलेटर्स फंक्शनल हैं. अभी 75 और वेंटिलेटर्स की खरीदारी की जा रही है. उसी अनुपात में मैनपावर भी सुनिश्चित करने की व्यवस्था की जा रही है. उन्होंने कहा कि पूर्व में ओपीडी में डॉक्टर गैर-हाजिर रहते थे.

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी का फैसला: हर जिले के सदर अस्पताल में जाकर खुद ओपीडी में बैठेंगे

सूबे के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने खुद फैसला किया है कि वे हर जिले में जाकर वहां के सदर अस्पताल में नियमित रूप से ओपीडी में बैठेंगे. सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि देश में पहली बार कोई स्वास्थ्य मंत्री स्वयं डॉक्टर की भूमिका निभाते हुए नियमित रूप से ओपीडी में बैठेंगे. डॉ. अंसारी पूरे झारखंड का जिलावार भ्रमण करेंगे और हर जिले के सदर अस्पताल में जाकर खुद ओपीडी संचालित करेंगे. इसी दौरान वे अस्पतालों की वास्तविक स्थिति देखकर नया रोस्टर तैयार करने का काम भी खुद करेंगे. झारखंड की जनता के स्वास्थ्य के साथ-साथ, किसानों की खुशहाली मेरी प्राथमिकता है. मैं ठान चुका हूं—जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के साथ-साथ, किसानों को मालामाल करूंगा और झारखंड को अपने पैरों पर मजबूती से खड़ा कर रहा हूं.

खादगढ़ा बस टर्मिनल में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान, महिलाओं-बच्चों की सुरक्षा पर खास ध्यान

रांची, संवाददाता ।

खादगढ़ा स्थित भगवान बिरसा मुंडा बस टर्मिनल रोजाना हजारों यात्रियों, खासकर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों का प्रमुख सफर केंद्र है. इनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रांची नगर निगम ने आज बड़ा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया.

महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सबसे पहले

प्रशासक सुशांत गौरव ने बताया कि टर्मिनल पर हर दिन काफी संख्या में महिलाएं और बच्चे आते हैं. अवैध ठेले, दुकानें या भीड़ बढ़ाने वाले किसी भी ढांचे से उनकी सुरक्षा को खतरा हो सकता है. इसलिए परिसर को साफ, खुला और सुरक्षित रखने के लिए विशेष सफाई और निगरानी की गई. अभियान के दौरान कई अवैध संरचनाएं और ठेला-गुमटी पाए गए. महिलाओं और बच्चों की सुरक्षित आवाजाही में बाधा मानते हुए इन्हें तुरंत हटाने का आदेश दिया गया. टर्मिनल और आसपास मौजूद अड्डेबाजों और मनचलों को हटाया गया. निगम ने साफ कहा कि किसी भी तरह की अवैध गतिविधि टर्मिनल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी.

कुल जुर्माना रु16,000

गंदगी फैलाने पर : रु 10,000

अतिक्रमण पर : रु 6,000

जब्त सामान

आयरन काउंटर - 9

आयरन बेंच - 5

आयरन बोर्ड - 2

प्लास्टिक चेयर - 4

फ्लेक्स बोर्ड - 8

ठेला - 6

बांस/बल्ली

झारखंड एड्स कंट्रोल सोसाइटी ने दो-दिवसीय तकनीकी कार्यशाला आयोजित की

रांची, संवाददाता ।

झारखंड स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी के तत्वावधान में 17 और 18 नवंबर को नामकुम स्थित आईपीएच सभागार में नेशनल एड्स कंट्रोल प्रोग्राम मॉड्यूल पर दो-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला सफलतापूर्वक आयोजित की गई. परियोजना निदेशक डॉ. नेहा अरोड़ा के निदेशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न आईसीटीसी केंद्रों से आए लैब टेक्नीशियन ने भाग लिया. राज्य यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. कमलेश प्रसाद ने प्रशिक्षण के दौरान विंडो पीरियड और रिस्क असेसमेंट की अनिवार्यता पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि एचआईवी जांच से पहले रोगी का विंडो पीरियड और रिस्क असेसमेंट करना जरूरी है. इससे अगर रिपोर्ट नेगेटिव आती है, तो दोबारा जांच का सही समय निर्धारित किया जा सकता है. डॉ. प्रसाद ने यह भी बताया कि नियमित प्रशिक्षण से लैब टेक्नीशियन और काउंसलर नवीनतम परीक्षण विधियों (लेटेस्ट टेस्टिंग मेथड्स) से अवगत होते रहेंगे, जिससे एचआईवी की शुरूआती पहचान और रोकथाम में सुधार होगा. झारखंड स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी के उप-परियोजना निदेशक डॉ. एस.एस. पासवान ने जांच किट के रख-रखाव के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी. उन्होंने बताया कि सरकारी और केंद्रीय एचआईवी जांच किट को 2 त्ङ से 8 त्ङ के तापमान पर स्टोर (संग्रहीत) करना बहुत आवश्यक है, तभी जांच के परिणाम सटीक मिलेंगे. कार्यशाला में लैब तकनीक और उपकरणों पर व्यावहारिक सत्र (हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण) भी आयोजित किए गए. एमजीएम मेडिकल कॉलेज की एसआरएल लैब से डॉ. सुमंगला, रिम्स रांची की एसआरएल लैब से सुश्री सुमी महतो और डॉ. सुधीर कुमार ने यह सत्र संचालित किए. इस अवसर पर झारखंड स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी के अपर परियोजना निदेशक डॉ. एस.एस. पासवान, उप-निदेशक सत्य प्रकाश प्रसाद सहित कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे.

शराब घोटाला में जमशेदपुर डीसी कर्ण सत्यार्थी से पूछताछ करेगी एसीबी

रांची। झारखंड शराब घोटाले मामले में एसीबी की जांच का दायरा बढ़ते जा रहा है. एसीबी ने तत्कालीन उत्पाद आयुक्त और वर्तमान में जमशेदपुर डीसी के पद पर पदस्थापित कर्ण सत्यार्थ को तलब किया है. एसीबी ने उन्हें गुरुवार को पूछताछ में शामिल होने के लिए नोटिस भेजा है. इससे पहले एसीबी इस मामले में आईएएस मुकेश कुमार और मनोज कुमार एवं रामगढ़ के डीसी फैज अक अहमद से पूछताछ कर चुकी है. इस पूछताछ में कई अहम और चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं. उल्लेखनीय है कि झारखंड में हुए शराब घोटाला मामले में एसीबी ने उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग तत्कालीन सचिव विनय चौबे सहित 13 लोगों पर नामजद एफआईआर कराया गया है. इस केस में पहली गिरफ्तारी वरीय आईएएस अधिकारी विनय चौबे की हुई थी. एसीबी की एफआईआर में कहा गया है कि दो प्लेसमेंट एजेंसियों की फर्जी बैंक गारंटी की अधिकारियों ने जांच तक नहीं की, जिसकी वजह से 38.44 करोड़ का शराब घोटाला हुआ है. बैंक गारंटी के संबंध में संबंधित बैंक के प्रबंधक द्वारा बताया गया कि यह बैंक गारंटी न तो बैंक द्वारा निर्गत की गई है और न ही इस पर प्रयुक्त लेटर हेड, सिग्नेचर बैंक से संबंधित है.

सीयूजे में जीआईएस के बढ़ते महत्व पर विशेषज्ञ व्याख्यान

रांची, संवाददाता ।

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) के मानव विज्ञान और जनजातीय अध्ययन विभाग (डीएटीएस) में मंगलवार को ‟सामाजिक मानव विज्ञान में जीआईएस क्यों महत्वपूर्ण है‟ विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया. इस अवसर पर प्रसिद्ध जीआईएस विश्लेषक प्रो. मुमु डे मुख्य वक्ता रहीं. प्रो. डे ने अमेरिका के आईओएन जियोफिजिकल, मेवरिक नेचुरल रिसोर्सेज और फोर्ट बेंड काउंटी आईटी विभाग में लंबे समय तक कार्य किया है. कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्कृति अध्ययन संकाय के डीन और विभागाध्यक्ष प्रो. रवींद्रनाथ शर्मा ने की. विभाग के कई संकाय सदस्य–प्रो. सुचेता सेन चौधरी, डॉ. रजनीकांत पांडे, डॉ. टी. नीशोनिंग कोइरेंग और डॉ. एम. रामकृष्णन भी उपस्थित रहे. व्याख्यान के दौरान प्रो. मुमु डे ने बताया कि भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) आज सामाजिक विज्ञान अनुसंधान का एक अनिवार्य हिस्सा बन चुका है. उनके अनुसार, जीआईएस स्थानिक पैटर्न को समझने, जनसांख्यिकीय रुझान पहचानने और सांस्कृतिक प्रक्रियाओं को अधिक सटीक ढंग से व्याख्यायित करने में अहम भूमिका निभाता है.उन्होंने जनजातीय संसाधन उपयोग, प्रवासन, बस्तियों के विकास और पर्यावरणीय जोखिमों से जुड़े शोध मं जीआईएस के प्रभावी उपयोग के कई उदाहरण साझा किए. प्रो. डे ने बताया कि सहभागी जीआईएस आज कई समुदायों के लिए निर्णय लेने का सशक्त माध्यम बन रहा है. तंजानिया की मासाई जनजाति और कनाडा के स्वदेशी समुदायों के उदाहरण देते हुए उन्होंने समझाया कि कैसे स्थानीय ज्ञान और तकनीक के संयोजन से भूमि अधिकार, सांस्कृतिक विरासत संरक्षण और पर्यावरण प्रबंधन जैसे मुद्दों पर ठोस शोध तैयार किया जा सकता है.

आईएटीएफ दुबई में झारखंड के वस्त्र व परिधान क्षेत्र ने दमदार उपस्थिति दर्ज की

रांची, संवाददाता ।

दुबई में आयोजित इंटरनेशनल अपैरल एंड टेक्सटाइल फेयर 2025 में झारखंड सरकार के उद्योग विभाग ने अपने परिधान और वस्त्र क्षेत्र की मजबूत क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया. उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव ने झारखंड राज्य पवेलियन का उद्घाटन किया, जहां राज्य की पारंपरिक कला, जैविक परिधान मॉडल और स्थानीय कारीगरों की दक्षता ने अंतरराष्ट्रीय खरीदारों और निवेशकों का ध्यान खींचा. कार्यक्रम में झारखंड के जीआई टैग वाले तसर रेशम, खादी, बांस आधारित उत्पाद, जूट क्राफ्ट, सोहराई और रांची व आसपास की जनजातीय कलाओं की बेहतरीन झलक पेश की गई. झारक्राफ्ट की ओर से कौशल विकास, आधुनिक उत्पादन सुविधाओं और महिला तथा जनजातीय कारीगरों की सहभागिता पर आधारित नवाचार भी प्रदर्शित किए गए. इससे राज्य की एकीकृत कपड़ा नेटवर्क क्षमता जिसमें सिल्क पार्क, बुनाई क्लस्टर, डिजाइन इकाइयां और परिधान निर्माण शामिल हैं को वैश्विक मंच मिला. उद्घाटन समारोह में एमएसएमई झारखंड के प्रतिनिधि, जजटियात कल्याण आयुक्त, उद्योग विभाग के संयुक्त सचिव तथा झारक्राफ्ट से जुड़े अधिकारी उपस्थित रहे. सभी ने झारखंड के परिधान और वस्त्र क्षेत्र को मजबूत दिशा देने के सरकारी प्रयासों पर संतोष जताया. राज्य का लक्ष्य आईएटीएफ के ई-नेटवर्किंग, बिजनेस मीटिंग और सोर्सिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से स्थानीय एमएसएमई और कारीगर समूहों को अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से जोड़ना है. झारखंड पूर्वी भारत का मुख्य कपड़ा केंद्र बनने की दिशा में कार्यरत है, जिसमें रेशम और तसर उत्पादन को अधिक विस्तार देना प्रमुख लक्ष्य है. दुबई में बनी संभावनाओं ने इस यात्रा को और गति दी है. मंत्री ने वैश्विक डिजाइनरों, ब्रांडों और निवेशकों को झारखंड में अवसर खोजने तथा दीर्घकालिक सहयोग के लिए आमंत्रित किया.

सीईओ ने की समीक्षा बैठक, पैरेंटल मैपिंग में तेजी लाने का निर्देश

रांची, संवाददाता ।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने राज्यभर के ईआरओ और उप निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की. इस दौरान उन्होंने 2003 के मतदाता सूची से वर्तमान मतदाता सूची की पैरेंटल मैपिंग करने में तेजी लाने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि पैरेंटल मैपिंग का कार्य निर्वाचन आयोग की प्राथमिकता है और इसे हर हाल में समय पर पूरा किया जाना जरूरी है. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि कई विधानसभा क्षेत्रों में पैतृक मैपिंग का कार्य 70% तक पूरा हो चुका है, जिससे आगामी मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के दौरान इन्यूमरेशन फॉर्म भरने की प्रक्रिया और आसान हो जाएगी.वहीं जिन क्षेत्रों में यह कार्य अभी धीमा है, उन्हें वोटर आउटरीच प्रोग्राम चलाकर गति बढ़ाने के निर्देश दिए गए. के. रवि कुमार ने स्पष्ट कहा कि मैपिंग कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. साथ ही राजनीतिक दलों से संवाद बढ़ाते हुए, बीएलए की नियुक्ति प्रक्रिया में तेजी लाने का भी आग्रह किया गया, ताकि पुनरीक्षण कार्य अधिक निष्पक्ष एवं पारदर्शी हो सके. बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज कुमार ठाकुर सहित सभी जिलों के निर्वाचन पदाधिकारी उपस्थित रहे.

राज्य में जल्द होगी 3451 विशेष शिक्षकों की नियुक्ति, हाईकोर्ट के आदेश का छात्रों ने किया स्वागत

रांची, संवाददाता ।

राज्य में मई 2026 तक 3451 विशेष शिक्षकों की नियुक्ति कर ली जाएगी. झारखंड कर्मचारी चयन आयोग जल्द ही विज्ञापन निकालकर आवेदन आमंत्रित करेगा. इसके बाद चयन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी. अगले मार्च में परीक्षा लेने के बाद मई तक रिजल्ट जारी कर चयन प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी. झारखंड हाई कोर्ट से मिली हरी झंडी के बाद प्रशिक्षित विशेष सहायक शिक्षकों की नियुक्ति मामले में आ रही बाधा दूर हो गई है.

शुरू की जाएगी विशेष शिक्षकों की चयन प्रक्रिया

इधर, झारखंड कोर्ट के आदेश के बाद जेएसएससी जल्द ही विज्ञापन जारी करने की तैयारी में है. आयोग का मानना है कि हाईकोर्ट के फैसले के अनुरूप विशेष शिक्षकों की चयन प्रक्रिया शुरू की जाएगी. इधर, इस नियुक्ति परीक्षा में शामिल होने की तैयारी कर रहे शिक्षकों में खुशी देखी जा रही है. छात्र नेता सत्यनारायण शुक्ला कहते हैं कि राज्य में छात्रों के लिए सबसे बड़ी परेशानी समय पर चयन परीक्षा का न होना है. ऐसे में यदि जेएसएससी हाईकोर्ट को दी गई जानकारी के अनुसार ससमय चयन प्रक्रिया पूरी कर लेती है तो यह बड़ी बात होगी.

आयोग पर हो सकता है अवमानना का केस

झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य में 3451 पदों पर विशेष शिक्षकों की नियुक्ति की अनुमति दी है. जबकि अन्य शिक्षकों की नियुक्ति पर रोक बरकरार रखी है. अदालत ने कर्मचारी चयन आयोग को मार्च 2026 तक परीक्षा आयोजित करने का निर्देश दिया है. यदि समय पर यह नहीं होता है तो आयोग पर कोर्ट अवमानना का केस चलेगा. सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि नियुक्ति प्रक्रिया पूरी नहीं किए जाने पर अवमानना का मामला भी सरकार पर चलाया जा सकता है.

नियुक्ति प्रक्रिया में कितना समय लगेगा

कर्मचारी चयन आयोग की ओर से अदालत को बताया गया कि राज्य सरकार की ओर से नियुक्ति के लिए अधिसूचना भेज दी गई है लेकिन कोर्ट के आदेश के कारण विज्ञापन जारी करने का कार्य रोक दिया गया है. इस पर अदालत ने आयोग से पूछा कि पूरी नियुक्ति प्रक्रिया में कितना समय लगेगा. आयोग के अधिवक्ता संजय पिपरावाल और प्रिंस कुमार सिंह ने आश्वासन दिया कि मार्च 2026 तक प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी. गौरतलब है कि इसके माध्यम से दिव्यांग स्कूलों में शिक्षकों की कमी को दूर किया जाएगा. इन स्कूलों में लंबे समय से शिक्षकों की नियुक्ति नहीं हुई है.

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पिस्का स्टेशन का पुनर्विकास, भारतीय रेल की एक महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक पहल

रांची, संवाददाता ।

अमृत भारत स्टेशन योजना भारतीय रेल द्वारा अपनी अवसंरचना को आधुनिक बनाने और लाखों यात्रियों के यात्रा अनुभव को बेहतर करने के लिए किए जा रहे संगठित प्रयास का प्रतीक है। यह एक दीर्घकालिक योजना है, जिसका उद्देश्य पूरे भारत में रेलवे स्टेशनों को चरणबद्ध तरीके से विकसित करना है। दक्षिण पूर्व रेलवे के कुल 72 स्टेशनों का विकास इस योजना के तहत किया जा रहा है। प्रत्येक स्टेशन के लिए विस्तृत योजनाएँ तैयार की गई हैं और वहाँ की आवश्यकता के अनुसार कार्य चरणों में किए जा रहे हैं। इस योजना का मुख्य लक्ष्य स्टेशनों को अधिक स्वच्छ, सुविधाजनक और यात्री-हितैषी बनाना है।

रांची मंडल के अंतर्गत झारखंड के रांची जिले में स्थित पिस्का रेलवे स्टेशन भी अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किए जाने वाले स्टेशनों में शामिल है। पुनर्विकास का उद्देश्य इस साधारण स्टेशन को अधिक यात्री-केंद्रित सुविधाओं से सुसज्जित करते हुए आधुनिक रूप देना है। पिस्का रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास रांची तथा आसपास के क्षेत्रों के हजारों दैनिक यात्रियों को लाभान्वित करेगा। उन्नत सुविधाएँ और बेहतर संपर्क व्यवस्था क्षेत्र में आर्थिक विकास को गति देंगी, निवेश को आकर्षित करेंगी तथा झारखंड में पर्यटन को भी प्रोत्साहित करेंगी।

पिस्का स्टेशन में पुनर्विकास के दौरान जो सुविधाएँ जोड़ी जा रही हैं, वे इस प्रकार हैं

- नया स्टेशन भवन
- नया सकुर्लेटिंग एरिया
- नया पार्किंग एरिया
- नए लिफ्ट
- 12 मीटर चौड़ा नया फुट ओवर ब्रिज
- बेहतर एप्रोच रोड
- वेलकम गेट

दिव्यांगजन सुविधाएँ – रैम्प, बुकिंग काउंटर, वाटर बूथ, पार्किंग एरिया, शौचालय, टैक्टाइल टाइल आदि

- नया प्लेटफॉर्म शेल्टर
- प्लेटफॉर्म सर्फेसिंग
- वाटर बूथ
- नया बुकिंग काउंटर
- प्रतीक्षालय (वेटिंग रूम)
- स्थानीय कला एवं संस्कृति थीम से सुसज्जित स्टेशन परिसर
- बैठने की बेहतर व्यवस्था

स्वास्थ्य मंत्री के रिम्स में निरीक्षण के दौरान सामने कई खामियां मिली, अब हर सप्ताह खुद ओपीडी में बैठेंगे मंत्री

संवाददाता । रांची

रांची। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारीने मंगलवार को रांची स्थित रिम्स अस्पताल का औचकनिरीक्षण किया। यह कदम खास इसलिए था क्योंकिडॉ. अंसारी ने घोषणा की कि वे अब खुद ओपीडी में बैठकर मरीजों का इलाज करेंगे।यह पहल झारखंड में पहली बार देखने को मिल रही है, जिसमें एक मंत्री सीधे अस्पतालों में मरीजों से संवाद करेगा और चिकित्सा सेवाओं की वास्तविक स्थिति का जायजा लेगा।रिम्स में निरीक्षण के दौरान डॉ. अंसारी ने कई मरीजों की जांच कर खुद दवा दी।इसके अलावा भर्ती मरीजों का हालचाल भी लिया। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य सिर्फ अस्पतालों की प्रशासनिक स्थिति को देखना नहीं, बल्कि मरीजों की समस्याओं को नजदीक से समझना है। वे आने वाले दिनों में झारखंड के हर जिले का दौरा करेंगे और अस्पतालों के ओपीडी में बैठकर मरीजों से सीधा संपर्क करेंगे। इस कदम से न केवल अस्पताल की सेवाओं में सुधार होगा, बल्कि मंत्री मरीजों की समस्याओं के समाधान में भी सक्रिय रूप से शामिल होंगे। मंत्री ने दवाइयों की कमी, सफाई और अन्य व्यवस्थाओं पर उठाये सवाल निरीक्षण के दौरान ट्रॉमा सेंटर से लेकर ओपीडी, ब्लड बैंक तक कई विभागों का जायजा लिया गया। मरीजों ने जहां इलाज की गुणवत्ता और सुविधाओं पर संतोष जताया, वहीं कुछ ने दवाइयों की कमी और अन्य समस्याओं को लेकर शिकायतें कीं। डॉ. अंसारी ने इन समस्याओं पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए रिम्स प्रशासन को तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए। व्हीलचेयर की कमी और एंबुलेंस व्यवस्था पर कड़े निर्देश मंत्री ने अस्पताल में व्हीलचेयर की कमी पर नाराजगी जताई और निदेशक को संख्या बढ़ाने का आदेश दिया। इसके अलावा, उन्होंने आपातकालीन सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए जल्द ही 208 नई एंबुलेंस खरीदने का फैसला लिया। निजी प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों के खिलाफ होगी कड़ी कारवाई मंत्री ने स्पष्ट किया कि यदि किसी डॉक्टर की निजी प्रैक्टिस करने की शिकायत मिली तो उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, अस्पतालों में कर्मचारियों की कमी को दूर करने के लिए भी कदम उठाए जाएंगे, ताकि मरीजों को समय पर और बेहतर सेवाएं मिल सकें। डॉ. इरफान ने यह भी बताया कि अस्पतालों के कामकाज में सुधार के लिए नए रोस्टर तैयार किए जाएंगे। डॉक्टरों और नर्सों के शिफ्ट्स और ड्यूटी टाइम को फिर से देखा जाएगा, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार हो।

मंत्री ने दवाइयों की कमी, सफाई और अन्य व्यवस्थाओं पर उठाये सवाल

मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती पर रांची विश्वविद्यालय में भव्य सेमिनारः शिक्षा और धर्मनिरपेक्षता के प्रतीक की स्मृति में योगदान पर विस्तृत चर्चा

संवाददाता । रांची

रांची, 18 नवंबर 2025: स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री और प्रखर राष्ट्रवादी विचारक मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती के अवसर पर रांची विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग के सभागार में एक महत्वपूर्ण सेमिनार का आयोजन किया गया।इस समारोह ने न केवल मौलाना आजाद के जीवन और संघर्षों को याद किया, बल्कि उनके द्वारा भारत के शैक्षिक और सामाजिक विकास में दिए गए अमूल्य योगदान पर गहन विमर्श भी किया। सेमिनार में उपस्थित विद्वानों, शिक्षाविदों और सामाजिक कार्यकताओं ने मौलाना आजाद को एक ऐसे दूरदर्शी नेता के रूप में चित्रित किया, जिन्होंने शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की नींव रखी और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत को मजबूती प्रदान की।सेमिनार के मुख्य अतिथि रांची विश्वविद्यालय के उपकुलपति डॉ. धर्मेंद्र सिंह थे, जिन्होंने अपनी प्रेरणादायक भाषण के माध्यम से मौलाना आजाद की जीवनी पर विस्तार से प्रकाश डाला।मंच की अध्यक्षता उर्दू

विभाग के प्रमुख डॉ. रिजवान अंसारी ने की, जबकि विशिष्ट अतिथियों में माही (सह-संयोजक), झारखंड राज्य सुन्नी वक्फ बोर्ड के सदस्य इबरार अहमद, इतिहास विभाग की पूर्व डीन डॉ. सुजाता सिंह, प्रोफेसर वंदना तथा झारखंड विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष दिनेश उरांव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इन अतिथियों की उपस्थिति ने सेमिनार को एक व्यापक मंच प्रदान किया, जहां विभिन्न दृष्टिकोणों से मौलाना आजाद के विचारों की चर्चा हुई।डॉ. धर्मेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा, मौलाना आजाद न केवल एक विद्वान थे, बल्कि भारत के विकास की आधारशिला थे। उनके योगदान शिक्षा क्षेत्र में विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) जैसे संस्थानों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और स्वतंत्र भारत में शिक्षा नीति की रूपरेखा तैयार की।ह उन्होंने मौलाना आजाद के प्रयासों को सराहते हुए उन्हें 'दूरदर्शी' कहा और जोर दिया कि आज के दौर में उनके विचार युवा पीढ़ी के लिए प्रासंगिक बने हुए हैं। उपकुलपति ने यह भी उल्लेख किया कि मौलाना आजाद ने शिक्षा को केवल साक्षरता तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे सामाजिक समानता और राष्ट्रीय एकता का माध्यम बनाया। उनके नेतृत्व में स्थापित शिक्षण संस्थानों ने लाखों छात्रों को सशक्त बनाया, जो आज भी देश के विकास में योगदान दे रहे हैं।सेमिनार के एक अन्य प्रमुख वक्ता, इबरार अहमद ने भारत विभाजन के दर्दनाक इतिहास को चित्रित करते हुए मौलाना आजाद को 'सच्चा देशभक्त' और 'धर्मनिरपेक्षता का प्रखर अगुवा' बताया। उन्होंने कहा, ₹मौलाना आजाद ने विभाजन के काले अध्याय को रोकने के लिए अंतिम प्रयास किया। उन्होंने मुसलमानों के पलायन को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और साबित किया कि सच्ची देशभक्ति धर्म या समुदाय की सीमाओं से परे होती है।₹ इबरार अहमद ने विभाजन के दौरान हुए मानवीय संकटों का जिक्र करते हुए बताया कि मौलाना आजाद ने कांग्रेस के माध्यम से एकता की अपील की और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष किया। उनका यह योगदान आज भी भारत की बहुलतावादी संस्कृति का प्रतीक है।

भाजपा के आरोप हताशा की उपज, झारखंड की प्रगति को पचा नहीं पा रही भाजपा : विनोद पांडेय

संवाददाता । रांची

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह द्वारा लगाए गए आरोपों को झारखंड की बदली हुई जमीनी हकीकत और हेमंत सरकार की बढ़ती लोकप्रियता से उपजी घबराहट बताया है। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने डेढ़ दशक के शासन के दौरान झारखंड को जिस बदहाल स्थिति में छोड़कर गई, वही आज उनके आरोपों की असल वजह है। दूसरी तरफ माननीय हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड विकास से समृद्धि की राह पर चल पड़ा है।

महासचिव पांडेय ने कहा कि भाजपा नेताओं को हेमंत सरकार की उपलब्धियाँ दिख ही नहीं सकतीं, क्योंकि उनकी राजनीति आदिवासी, मूलवासी, गरीब विरोधी है। भाजपा की नीति झूठ और भ्रम फैलाने पर टिकी है। ह्लअरुण सिंह जी बताएं, क्या भाजपा के डेढ़ दशक के शासन में आदिवासीझमूलवासी समाज को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, जमीनझजंगलझजल पर अधिकार मिला?क्या पूरे राज्य में अधूरे पुल, रुकी सड़कें और बंद फैक्टरियाँ झूठ थीं? हेमंत सरकार ने 5 साल में जितना काम किया है, उतना भाजपा डेढ़ दशक में नहीं कर पाई न ही कभी कर पाएगी।

महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि

1. भ्रष्टाचार का आरोप भाजपा को शोभा नहीं देता

ह्लजिस पार्टी ने पूरे देश में भ्रष्टाचार का नया इकोसिस्टम खड़ा किया—ईडीराज और नोटबंदी से लेकर सरकारी उपक्रमों की बिक्री तक—वह झारखंड पर आरोप लगाने से पहले आईने में खुद को देखे। हेमंत सरकार ने पारदर्शिता बढ़ाई, निरीक्षण मजबूत किया।

सरकार के संकल्प का उल्लंघन कर आंदोलनकारियों को मंत्री एवं प्रशासन अपमानित कर रहे हैंः पुष्कर महतो

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से स्वत :संज्ञान लेने की अपील

संवाददाता । रांची

(जिस दिन माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सरकार को इस बात का पता चलेगा कि राज्य के निमार्ता दिशोम गुरु शिबू सोरेन, दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री एवं झामुमो के महासचिव विनोद कुमार पांडेय ,प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य , स्वर्गीय रामदास सोरेन ही नहीं जिन लोगों ने झारखंड अलग राज्य आंदोलन को गतिमान बनाए वैसे महानायक भी शिबू सोरेन की तरह चिन्हितीकरण के नाम यह अन्याय संगीतकार गायक निदेशक नंदलाल नायक और पदम श्री महावीर नायक के साथ भी हुआ है. उस दिन शर्म से यह सरकार ढकनी पानी में डूब मरेगी)

रांचीः झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने कहा कि सरकार के संकल्प का उल्लंघन करके झारखंड आंदोलनकारियों को सम्मान पत्र या प्रमाण पत्र देकर अपमानित कर रहे हैं और राज्य के मंत्री गण उससे भी बड़ा अपराध कर रहे हैं. अपने ही सरकार

के द्वारा जारी संकल्प 1938 , 30 अप्रैल 2021 का उल्लंघन कर रहे हैं. इस संकल्प के आलोक में चिन्हित सभी झारखंड आंदोलनकारी को राजकीय मान सम्मान के तहत सम्मान पत्र या प्रमाण पत्र के साथ प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित उपायुक्त के माध्यम से किया जाना है. लेकिन ऐसा नहीं किया जाना आंदोलनकारी का ही अपमान नहीं राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को शर्मसार करना है. इसके अलावा गृह विभाग के माध्यम से पत्र संख्या 14 विविध 19 2024, 3108 झारखंड सरकार गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग झारखंड के अपर सचिव अनिल कुमार तिर्की (भा प्र से) राज्य के सभी उपायुकों को लिखकर आंदोलनकारियों को सम्मानित करने हेतु पत्र प्रेषित किया जिसका पालन नहीं किया जाना राज्यादेश का उल्लंघन जैसा कृत्य है .श्री महतो ने आज एक प्रेस बयान जारी करते हुए उक्त बातें कही. उन्होंने कहा कि सरकार आंदोलनकारियों को न्याय के साथ सम्मान एवं समाज में स्वाभिमान से जीने का अधिकार दे . लेकिन जिला प्रशासन ने झारखंड आंदोलनकारी को सम्मानित नहीं करके राज्य के लोकप्रिय माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को अपमानित करने का काम किया है. इस पत्र के माध्यम से प्रत्येक आंदोलनकारी को उपायुक्त के माध्यम से राजकीय सम्मान के साथ सम्मानित किया जाना चाहिए था लेकिन जिला प्रशासन ने ऐसा नहीं करके सिर्फ आंदोलनकारियों की भावनाओं से खिलवाड़ नहीं किया बल्कि माननीय मुख्यमंत्री की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया है. माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को इस पर स्वतः संज्ञान लेना चाहिए.सीआंदोलनकारियों के प्रति मंत्री गण व जिला प्रशासन कितने संवेदनशील हैं ।

संजय सेठ दुबई में आयोजित एयर शो में हुए शामिल

संवाददाता । रांची

रांची। दुबई में आयोजित एयर शो में केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ सम्मिलित हुए। भारतीय जाबांजों ने स्वदेशी एयरोस्पेस क्षमताओं का प्रदर्शन किया। इसके साथ ही भारत के उच्च -सटीक , समन्वित हवाई युद्वाभ्यास का प्रदर्शन दुनिया के कई देशों ने देखाा। खुले और नीले आसमान में यह सिर्फ भारतीय वायुसेना के विमानों का प्रदर्शन नहीं था, बल्कि यह हर भारतीय की वह आकांक्षा है, जो आज खुले आसमान में उन्मुक्त होकर अपने सपनों को आकार देरही है। भारत के इस प्रदर्शन को दुनिया कई देशों की सराहना मिली ।रांची। दुनिया के किसी भी देश में रह रहे भारतवंशी, उस देश में भारत के ब्रांड एंबेसडर होते हैं। केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ दुबई में रहने वाले भारतीय से मुलाकात की और उसके साथ संवाद किया। इस अवसर पर श्री सेठ ने कहा कि भारतीय वसुधैव कुटुंबकम्-को आत्मसात करते हुए, अपना योगदान देते हैं। आज नए भारत के निर्माण में दुनिया भर के भारतवंशी से अपना सहयोग दे रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से हर उस देश के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं, जिस देश में वे रहते हैं, जिस देश में वे रहते हैं।दुबई में भारतवंशियों से संवाद बहुत सुखद अनुभूति देने वाला रहा। यहां रहने वाले भारतवंशी यूएई के प्रति भी और अपनी जन्मभूमि भारत के प्रति भी अपने कर्तव्यों का बेहतर निर्वहन कर रहे हैं। अपनी विदेश यात्राओं के दौरान इन परिवारजनों से मिलकर ,उनके विचारों को जाना, भारत के विकास में उनके सुझावों को सुना।

निगम मजदूरों के अक्टूबर माह के बकाया वेतन का भुगतान इसी सप्ताहः प्रशासक

संवाददाती

रांची। झारखंड नगर निकाय मजदूर यूनियन के अध्यक्ष भवन सिंह की अगुवाई वाले प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को नगर निगम के सहायक प्रशासक से मुलाकात की। मौके पर सहायक प्रशासक को विगत 24 सितंबर को हुए समझौते को लागू करने का आग्रह करते हुए एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में दिए गए कई मांगों को प्रशासक ने जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया है। वहीं अध्यक्ष भवन सिंहघ ने सभी दैनिक और स्वच्छता कापोर्रेशन लिमिटेड के मजदूर स्थ्यायीकरण की मांग के लिए एक होने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि जिस तरह से सुपरवाइजरों ने स्थ्यायीकरण के लिए एकता दिखायी है। उसी प्रकार सभी मजदूर भी एक होकर स्थायीकरण के लिए संघर्ष करें। भवन सिंह ने बताया कि मुलाकात के दौरान प्रशासक ने युनियन को आश्वासन देते हुए बताया कि जिन लोगों का वेतन अक्टूबर माह का नहीं मिल सका था उसे इसी सप्ताह में भेज दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पर्व त्योहार में आठ दिनों तक काम करने के बदले में छूट्टी देने और मातृत्व अवकाश को लेकर आदेश निकाला जाएगा। प्रशासक ने कहा कि जिन मजदूरों को ईएसआई बनाकर नहींमिला है उसकी जांच करने के दिया।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी ईआरओ एवं उप निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

वोटर आउटरीच प्रोग्राम चलाते हुए 2003 के मतदाता सूची से वर्तमान मतदाता सूची की पैतृक मैपिंग में लाएं तेजी झके . रवि कुमार, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी।

संवाददाती

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री के. रवि कुमार ने कहा है कि राज्य में वर्तमान मतदाता सूची के मतदाताओं का 2003 के मतदाता सूची से पैतृक मैपिंग का कार्य प्रगति पर है। इसे प्रमुखता में रखते हुए यथा शीघ्र पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कुछ विधानसभा क्षेत्र में मतदात सूची के पैतृक मैपिंग के कार्य 70% पूरी कर ली गई है इन क्षेत्र के मतदाताओं के मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के क्रम में अधिक सुगमता हो सकेगी। वहीं जिन विधानसभा क्षेत्र के मतदाता सूची की पैतृक मैपिंग अभी भी कम है वे इस कार्य में कार्य में तीव्रता लाने हेतु वोटर आउटरीच प्रोग्राम चलाएं एवं पैतृक मैपिंग में तेजी लाएं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मंगलवार को निर्वाचन सदन से सभी जिलों के ईआरओ एवं उप निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा है कि मैपिंग के कार्य में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। इसे ससमय पूरा करना अनिवार्य है । उन्होंने कहा कि इसके साथ साथ राजनीतिक दलों के साथ बैठक करते हुए उनके द्वारा बीएलए के नियुक्ति में तेजी लाने हेतु आग्रह करें।इससे भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य में आगामी मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में और अधिक निष्पक्षता आ सके।इस अवसर पर संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सुबोध कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी श्री धीरज कुमार ठाकुर सहित सभी जिलोंके ईआरओ एवं उप निर?

ब्रीफ न्यूज

एफएसओ और सीडीपीओ परीक्षा हुए बीत गए दो साल, पर अब तक रिजल्ट जारी नहीं : बाबूलाल

संवाददाता ।

रांची : रांची : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने जेपीएससी की ओर से आयोजित फूड सेफ्टी ऑफिसर (एफएसओ) और सीडीपीओ परीक्षाओं के परिणामों के लंबित रहने पर चिंता व्यक्त की है। मरांडी ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि इन परीक्षाओं को आयोजित हुए लगभग दो साल हो चुके हैं, लेकिन परिणाम अब तक जारी नहीं किए गए हैं। बाबूलाल ने कहा कि परीक्षार्थी लगातार परिणाम जारी करने की मांग कर रहे हैं, मगर ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार युवाओं को रोजगार देने के प्रति गंभीर नहीं है। मरांडी ने आरोप लगाया कि झामुमो कोटे से जेपीएससी में शामिल सदस्यों मे नियुक्ति में धांधली की प्रवृति को बढ़ावा दिया है, जिसके कारण नियुक्ति प्रक्रिया में अनियमितताओं की आशंका बढ़ी है और आयोग की विश्वसनीयता भी प्रभावित हुई है। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आग्रह किया कि युवाओं के भविष्य की सौदेबाजी छोड़कर उक्त दोनों परीक्षाओं का रिजल्ट शीघ्र जारी कराएं।

हथियार के साथ तीन अपराधी गिरफ्तार, आभूषण बरामद

संवाददाता ।

जमशेदपुर : गुप्त सूचना के आधार पर अपराध की योजना बना रहे तीन अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके पास से अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई चोरी की घटनाओं से जुड़े कई सामान बरामद किए हैं। सिटी एसपी कुमार शिव आशीष ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि गोविंदपुर थाना क्षेत्र के काली मंदिर के पास कुछ युवक किसी आपराधिक वारदात की योजना बनाने के लिए एकत्रित हुए हैं। इस पर टीम ने कार्रवाई करते हुए सैय्यद अजहर इमाम, मोहम्मद असदुल्लाह और समीर खान को मौके से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के पास से एक देसी कट्टा, एक जिंदा गोली, सोने-चांदी के आभूषण और तीन हजार रुपए नकद जब्त किया है। जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार सैय्यद अजहर इमाम एक कुख्यात और वांछित अपराधी है। उसके खिलाफ पूर्व में 11 आपराधिक मामले दर्ज हैं और वर्तमान में 5 मामलों में वह पुलिस की तलाश में था। पुलिस ने तीनों आरोपियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मामले कीजांच जारी है।

गौशाला की जरूरतों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाएगा : राजीव रंजन

संवाददाता ।

कोडरमा : झारखंड गो सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद अपने एक दिवसीय दौरे पर कोडरमा पहुंचे। दौरे के दौरान उन्होंने श्री कोडरमा गौशाला परिसर का भ्रमण किया और यहां संचालित विभिन्न गतिविधियों व चल रहे विकास कार्यों का विस्तार से निरीक्षण किया। गौशाला परिसर पहुंचने पर श्री कोडरमा गौशाला समिति के उपाध्यक्ष महेश दारूका ने अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर आयोग अध्यक्ष का स्वागत किया। इसके पश्चात आयोग द्वारा स्वीकृत 40 लाख रुपये की लागत से बने तीन बहुदेशीय हॉल में से दो नवनिर्मित भवनों का उन्होंने विधिवत उद्घाटन किया। बताया गया कि तीन में से एक हॉल का उद्घाटन पूर्व में ही आयोग अध्यक्ष द्वारा किया जा चुका था। निरीक्षण के दौरान आयोग अध्यक्ष ने गौशाला में संरक्षित गौवंश, उनके रखरखाव, चारे-पानी की व्यवस्था, उपचार केंद्र, निर्माणाधीन ढांचों सहित अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने संस्था द्वारा संचालित योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि सरकार की क्रियाकलापों और संवेदनशीलता का सामंजस्य कोडरमा गौशाला में साफ दिखाई देता है। भविष्य में भी गौशाला की जरूरतों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाएगा। इस अवसर पर श्री कोडरमा गौशाला समिति के कार्यकारी सचिव जितेंद्र कुमार अरुण ने गौशाला की वर्तमान गतिविधियों, योजनाओं, उपलब्धियों और भविष्य की आवश्यकताओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। कार्यक्रम में समिति के जिला पशु पालन पदाधिकारी डॉ अरविंद सिन्हा, महासचिव ओमप्रकाश खेतान, संजय अग्रवाल, मनोज केडिया, पवन चौधरी, सज्जन शर्मा, जामित खेतान, अनंत चंद्रा, सौरभ कुमार, रजनीश कुमार समेत समिति के कई पदाधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रक्तदान शिविर निरसा समुदायिक स्वास्थ केन्द्र में आयोजित लोगों ने बढ़ चढ़ कर लिया भाग

संवाददाता ।

धनबाद : विगत 15 नवंबर झारखंड अपनी स्थापना का 25 साल पूरा किया है, लिहाजा सिल्वर जुबली समारोह के उपलक्ष्य में निरसा सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र में मंगलवार को ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया गया, इसका उद्घाटन निरसा एसडीपीओ रजत मणिक बाखला और डॉ रोहित गौतम ने फीता काट कर किया, केन्द्र में काफी संख्या में लोगों इस कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। जानकारी देते हुए एसडीपीओ ने बताया कि झारखंड राज्य की स्थापना रजत जयंती के उपलक्ष्य पर पूरे झारखंड के सभी जिलों में रक्तदान शिविर का आयोजन हो रहा हैं झारखंड के माननीय मुख्यमंत्री ने खुद रक्त दान कर एक अच्छा संदेश दिया है,

दिनदहाड़े युवक के सिर में मारी गोली, हालत गंभीर

कतरास मोड़ पेट्रोल पंप के पास हुई वारदात, क्षेत्र में दहशत

धनबाद, संवाददाता

झरिया थाना क्षेत्र के कतरास मोड़ स्थित पेट्रोल पंप के पास सोमवार दोपहर एक सनसनीखेज वारदात में बाइक सवार अपराधियों ने एक युवक को बेहद नजदीक से सिर में गोली मार दी। घटना इतनी अचानक हुई कि आसपास मौजूद लोग कुछ समझ पाते, इससे पहले ही युवक सड़क पर गिरकर तड़पने लगा। उसकी स्थिति अत्यंत गंभीर बनी हुई है।

पुलिस ने तत्काल पहुंचकर भेजा अस्पताल

स्थानीय लोगों की सूचना पर झरिया पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने बिना देरी किए गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल भेजा। चिकित्सकों ने युवक की स्थिति को नाजुक बताया है और उसे बेहतर इलाज के लिए रेफर करने की संभावना जताई है। घायल युवक की अब तक पहचान स्पष्ट नहीं हो सकी है, लेकिन पुलिस उसके मोबाइल के आधार पर परिजनों से संपर्क करने की कोशिश कर रही है।

वारदात के बाद फरार हुए हमलावर

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ युवक बाइक से आए थे। उनमें से एक ने अचानक पिस्टल निकालकर युवक के सिर पर निशाना साधा और गोली चला दी। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों अपराधी तेज रफ़्तार में कतरास की ओर भाग निकले। लोग घटना को देखकर सहम गए और मौके पर अफरातफरी मच गई।

घटनास्थल से मोबाइल, चप्पल और खोखा बरामद

झरिया पुलिस ने घटनास्थल की बारीकी से तलाशी ली। जांच के दौरान पुलिस को युवक का मोबाइल फोन, एक चप्पल और गोली का एक खाली खोखा मिला है। इन सभी चीजों को जब्त कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा ताकि हमलावरों तक पहुंचने में मदद मिल सके।

CCTV फुटेज खंगाल रही पुलिस

वारदात स्थल के आसपास कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान और पेट्रोल पंप होने के कारण उऊळश कैमरे लगे हुए हैं। पुलिस इन कैमरों के फुटेज की सहायता से हमलावरों की पहचान करने में जुटी है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि युवक को पहले से टारगेट किया गया था या यह कोई व्यक्तिगत विवाद का मामला है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि,हम हर एंगल से जांच कर रहे हैं। आरोपी जल्द ही पकड़ लिए जाएंगे। इलाके में दहशत फैलाने वाले किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा।

इलाके में दहशत, लोग सहमे

दिनदहाड़े हुई यह घटना स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बना गई है। लोगों का कहना है कि दिन दहाड़े व्यस्ततम इलाके में पेट्रोल पंप के समीप इस तरह गोलीबारी होना बेहद चिंताजनक है। व्यापारियों और राहगीरों ने पुलिस से सुरक्षा बढ़ाने की बात कही है।

निरसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पांड्रा में रक्तदान शिविर का आयोजित

धनबाद, संवाददाता

झारखंड के 25 वां स्थापना दिवस के अवसर पर निरसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पांड्रा में रक्तदान शिविर का आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने फीता काटकर किया। सुबह से ही रक्तदान के प्रति लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। लगभग 40 की संख्या में स्थानीय नागरिकों ने रक्तदान कर मानवता की सेवा के इस पुनीत कार्य में योगदान दिया। कार्यक्रम में निरसा अनुमंडल पदाधिकारी रजत माणिक बाखला, प्रखंड विकास पदाधिकारी इंद्रलाल ओहदार, अंचल अधिकारी विक्रम आनंद, झामुमो जिला अध्यक्ष लखी सोरेन, झामुमो जिला सह सचिव तपन तिवारी सहित कई जन प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य लोग उपस्थित थे। सभी अतिथियों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान जीवन बचाने की सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक जिम्मेदारी है। विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पांड्रा, निरसा के नव नियुक्त प्रभारी डॉक्टर मृणाल श्रीवास्तव ने पूरे कार्यक्रम का अत्यंत कुशलता और जिम्मेदारी के साथ संचालन किया। जिला स्तर से आयोजित इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में उनकी त्वरित व्यवस्था और नेतृत्व की सराहना की गई। शिविर का संचालन उपायुक्त धनबाद एवं सिविल सर्जन धनबाद के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चला, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। झारखंड स्थापना दिवस पर आयोजित इस सफल रक्तदान शिविर ने क्षेत्र में सामाजिक जागरूकता और मानव सेवा का सशक्त संदेश दिया।

अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद में आउटसोर्सिंग कर्मियों के साथ उपाधीक्षक ने की बैठक

❖जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना उद्देश्य : डा रवि

पलामू संवाददाता

मंगलवार को हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल परिसर में अस्पताल के आउट सोर्सिंग कर्मचारियों के साथ अस्पताल के उपाधीक्षक डा एसके रवि ने बैठक की। बैठक में डा रवि ने कहा कि कर्मचारियों को जिस कार्य की जवाबदेही दी गई है,उसमें किसी तरह की कमी पाए जाने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि नियमित या अनुबंध कर्मचारियों के अलावा सरकार ने कमी पूरी करने के उद्देश्य से आउट सोर्सिंग कर्मचारी उपलब्ध कराए गए हैं। जिस कर्मचारी को जिस कार्य की जिम्मेदारी है,वह अपना कार्य पूरी तन्मयता के साथ करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि सभी का उद्देश्य जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना है। इसके तहत साफ सफाई से लेकर मरीजों की देख भाल तक बेहतर ढंग से करने का प्रयास होना चाहिए। बैठक में आउट सोर्सिंग कर्मचारियों के अलावा बीपीएम, प्रखंड लेखा प्रबंधक व कई चिकित्सा कर्मी मौजूद थे।

जियोरायडीह के बिरहोर लोगों ने गांव में अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने की मांग जिला प्रशासन से किया

❖अवैध शराब जियोरायडीह गांव में बेचने वालों को प्रशासन भेजे जेल : रामदेव

कोडरमा, संवाददाता

जिला के डोमचांच थाना क्षेत्र अंतर्गत मसनोडीह पंचायत के जियोरायडीह गांव में रहने वाले बिरहोर समुदाय के लोगों ने एक जुट होकर गांव में अवैध रूप से बिक रहे शराब के खिलाफ आवाज बुलंद किया है। उन्होंने गांव में अवैध तरीके से बिक रहे शराब और शराब पीने वाले लोगों के जमावड़े से परेशान होकर इसकी शिकायत उन्होंने पंचायत के मुखिया पुष्पा देवी मुखिया प्रतिनिधि रामदेव पासवान के अलावे लिखित रुप से कोडरमा जिला के उपायुक्त से भी किया। उनके द्वारा मांग किया गया कि पूरे जियोरायडीह गांव में अवैध शराब की बिक्री बंद होनी चाहिए। शराब बिक्री से पीने वालों का गांव में हमेशा जमावड़ा लगता रहता है। दूर दराज से भी लोग गांव शराब पीने पहुंचते हैं। इससे समाज में बुरा प्रभाव पड़ रहा है।कई बिरहोर समुदाय के भी पुरुष नशे के आदि होते जा रहे हैं। जब हमलोग बिरहोर समुदाय लोग अवैध शराब के बिक्री की मनाही करते हैं तो शराब माफिया हमसब लोगों को जान माल की धमकी भी देते हैं। जिसके कारण हम लोगों को डर भी बना हुआ है। अवैध शराब बिक्री पर गांव में प्रतिबंध लगनी चाहिए। अवैध शराब बिक्री शिकायत पर जांच करने जियोरायडीह गांव पहुंचे प्रखंड विकास पदाधिकारी जियोरायडीह गांव में अवैध शराब बिक्री मामले में कोडरमा उपायुक्त अपने स्तर से मामले में संज्ञान लेते हुए अग्रतर कार्रवाई हेतु प्रखंड विकास पदाधिकारी भोला पांडेय को कहा गया। जिसके बाद प्रखंड विकास पदाधिकारी ने जियोरायडीह गांव पहुंचकर जांच करते हुए अवैध शराब बेचने वालों पर जल्द कारवाई का भरोसा गांव वालों को दिया। गांव वालों से कहा बिल्कुल गांव में शराब नहीं बिकेगी। आंगनबाड़ी का भी प्रखंड विकास पदाधिकारी ने जायजा लिया। जियोरायडीह गांव में अवैध शराब बिक्री शिकायत पर मुखिया प्रतिनिधि ने कहा अवैध शराब बेची तो जाना होगा जेल। अवैध शराब बिक्री जियोरायडीह गांव में होने की शिकायत पर मुखिया प्रतिनिधि रामदेव पासवान ने कहा की अवैध शराब बेची गई गांव में तो उस शराब बेचने वाले को जाना होगा जेल। किसी भी शराब बेचने और बनाने वालों को बक्सा नहीं जाऐगा। शराब बिक्री से समाज में कुप्रभाव पड़ता हैं। लोग नशे की आदि हो जाते हैं। गांव में स्कूल आंगनबाड़ी सब हैं। शराब बिक्री से बच्चों पर भी कुप्रभाव असर पड़ेगा। बाहरी लोग गांव में शराब पीने आते गाली गलौज होता हैं। यह कहीं से उचित नहीं हैं। अवैध शराब बिक्री पूर्णतः जियोरायडीह गांव में बंद होनी चाहिए।

पीवीयूएनएल में मास सेफ्टी पेप टॉक का आयोजन

रामगढ़, संवाददाता

मंगलवार को पीवीयूएनएल में मास सेफ्टी पेप टॉक का आयोजन किया गया, जिसकी शुरूआत सेफ्टी प्रतिज्ञा के साथ हुई। सेफ्टी प्रतिज्ञा का नेतृत्व सीईओ श्री अशोक सेहगल ने किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारियों–श्री अनुपम मुखर्जी, सीजीएम (प्रोजेक्ट), श्री बिष्णु दत्ता दास, जीएम (प्रोजेक्ट), श्री एस.के. मंडल, पीडी (बीएचईएल), श्री रंजीत पाल, सीएम (बीएचईएल)–तथा पीवीयूएनएल और बीएचईएल के अन्य सम्मानित अधिकारियों की उपस्थिति रही। सहयोगी गतिविधियों से जुड़े अनेक श्रमिकों ने भी इस अवसर पर सहभागिता निभाई। अपने संबोधन में सीईओ ने व्यक्तिगत सुरक्षा, सामूहिक उत्तरदायित्व और बेहतर हाउसकीपिंग मानकों के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने सभी को संगठन के जीरो हार्म लक्ष्य की प्राप्ति हेतु सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सहकर्मियों द्वारा सेफ्टी गीत की प्रस्तुति की गई, जिसके बाद ऊँचाई पर कार्य सुरक्षा पर आधारित नुक्कड़ नाटक का मंचन हुआ, जिसने सुरक्षित कार्य व्यवहार के प्रति प्रभावी जागरूकता फैलाई। साइट पर उत्कृष्ट सुरक्षा व्यवहार अपनाने के लिए 26 श्रमिकों को उपयुक्त रूप से सम्मानित किया गया। अंत में सभी प्रतिभागियों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई।

खामडीह गौशाला का जिला कांग्रेस अध्यक्ष बिमला कुमारी ने किया निरीक्षण

पलामू, संवाददाता

पलामू जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं बीस सूत्री उपाध्यक्ष बिमला कुमारी ने आज पुनः सतबरवा प्रखंड अंतर्गत खामडीह गाँव का दौरा कर वहाँ स्थित स्थानीय गौशाला की जमीनी स्थिति का विस्तृत जायजा लिया। यह गौशाला शिवेंदु शेखर वर्मा तथा उनकी चार बहनों द्वारा अत्यंत सीमित संसाधनों में निस्वार्थ भाव से संचालित की जा रही है। सुश्री बिमला कुमारी इससे पूर्व भी इस गौशाला का निरीक्षण कर चुकी हैं, और आज उन्होंने पुनः पहुँचकर वास्तविक परिस्थितियों का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि गौशाला पूरी तरह निजी प्रयासों पर निर्भर है तथा परिवार अपनी सामर्थ्य से कई गुना अधिक दायित्व का निर्वहन कर रहा है। उन्होंने परिवार के समर्पण को मानवता और करुणा का सजीव उदाहरण बताया। बिमला कुमारी ने मौके पर गायों के लिए कंबल वितरित किए और जल्द ही चारे की समुचित व्यवस्था कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि गौ-सेवा केवल धार्मिक आस्था नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है। इस परिवार ने जिस निष्ठा और त्याग के साथ यह कार्य संभाला है, वह न केवल सराहनीय है बल्कि सभी के लिए प्रेरणादायक भी है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन और जनप्रतिनिधियों का नैतिक दायित्व है कि ऐसे मानवीय प्रयासों को हर संभव सहयोग उपलब्ध कराया जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों की समस्याएँ सुनीं और कहा कि क्षेत्र की वास्तविक समस्याओं का समाधान तभी संभव है जब जनप्रतिनिधि गाँव-गाँव जाकर जमीनी परिस्थितियों को समझें। उन्होंने कहा कि जनसेवा और जनसंपर्क मेरे दायित्व का मूल है, इसलिए मैं निरंतर ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर परिस्थितियों का प्रत्यक्ष आकलन करती हूँ। इस अवसर पर जिला प्रवक्ता गोपाल सिंह, जितेंद्र कमलापुरी, मजदूर कांग्रेस अध्यक्ष अनिल सिंह, सुनीता श्रीवास्तव, शिवेंदु शेखर वर्मा, प्रियंका श्रीवास्तव, प्रीति रंजना श्रीवास्तव, शशि बाला, शैलबाला श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

बाल मेले में अमर सेन के छाया नाटक से लोग अचंभित

जमशेदपुर, संवाददाता

चतुर्थ बाल मेले में अंतरराष्ट्रीय स्तर के हैंड स्टेडोग्राफर अमर सेन ने अपनी हथेलियों का कमाल दिखाया। वहीं शो शुरू करने के पहले उन्होंने स्मॉल इंपॉसिबल और इंपोसिबल के दो उदाहरण भी दिए। स्मॉल इंपॉसिबल में उन्होंने जनसमूह से कहा कि वे पहले और दूसरे हाथ के तर्जनी और छोटी अंगुली को हिलाने का टास्क करें। मगर लोग ऐसा नहीं कर पाए। इंपोसिबल में उन्होंने आमजन से दाहिने पैर की एडी को जमीन पर रखकर सभी अंगुलियों ऊपर कर 6 बनाने को कहा। किसी से 6 नहीं बना। बना तो अंक 9 बना। यह था इंपोसिबल। जिसके बाद उन्होंने महुआ चक्रवर्ती के हाथ से चिड़िया बनवाया। फिर उन्होंने सुधीर चौरसिया के हाथ से कुत्ते का चेहरा बनवाया। चटपटे अंदाज में पूरी प्रस्तुति रही उनकी। अपने शो की शुरूआत में कहानी की थीम के अनुसार सबसे पहले हाथी बनाया। इसके बाद दो कुत्ते बनाए, जो आपस में लड़ते हैं। उन्होंने समुद्र की लहरें भी बनाई। समुद्र के किनारे उन्होंने केकड़ा भी बनाया। साथ ही हाथ से ही उन्होंने एक बूढ़ा आदमी बनाया। फिर दोनों पंजों के इस्तेमाल से उन्होंने बात करते हुए दो लोग भी बनाए। उन्होंने भूत भी बनाया। उन्होंने शेर भी बनाया, जो गुस्से में था। सांप भी बनाया, जो फुंफकारता है।

इन्सट्रूमेंटल प्रतियोगिता में रुद्राक्ष देव हुए प्रथम :-

साकची गरम नाला स्थित बोधी मैदान में आयोजित बाल मेले में आयोजित इन्सट्रूमेंटल प्रतियोगिता में रुद्राक्ष देव प्रथम रहे। जबकि अनिकेत चौधरी द्वितीय और मार्शल टुडू तृतीय स्थान पर रहे। इन तीनों को सुबोध श्रीवास्तव, आशुतोष राय और अभय सिंह ने पुरस्कृत किया।

रीहीटिंग फर्नेस की लाइफ बढ़ाने पर बीएसएल में आयोजित एलईओ कार्यशाला

बोकारो, संवाददाता

बोकारो : रीहीटिंग फर्नेस की कैंपेन लाइफ बढ़ाने तथा फर्नेस में स्केल फॉर्मेशन को कम करने जैसे महत्वपूर्ण विषय पर बोकारो स्टील प्लांट के HR-L&D विभाग एवं हॉट स्ट्रिप मिल विभाग द्वारा 18 नवंबर को संयुक्त रूप से छएड (Learning, Excellence & Optimization) कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सेल की विभिन्न इकाइयों के साथ-साथ अन्य स्टील प्लांटों और औद्योगिक साझेदार संगठनों से आए इंजीनियरों, मेंटेनेंस प्रोफेशनल्स और फर्नेस विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यशाला में भिलाई, राउरकेला, बोकारो, इस्को बर्नपुर, दुगार्पुर स्टील प्लांट, RDCIS, खरह विजयनगर वर्क्स, जिंदल स्टील ओडिशा तथा डेनिएली इंडिया और फाइव्स स्टीन इंडिया के प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यशाला का उद्घाटन अधिशासी निदेशक (वर्क्स) प्रिय रंजन, अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन) ए. के. दत्त, मुख्य महाप्रबंधक शरद गुप्ता, अरविंद कुमार, निर्मल कुमार सिंह, पी. के. वर्मा और मुख्य महाप्रबंधक (HR-L&D) नीता बा की उपस्थिति में हुआ। स्वागत संबोधन में पी. के. वर्मा ने इसे फर्नेस मेंटेनेंस और परफॉर्मेंस ऑप्टिमाइजेशन का महत्वपूर्ण मंच बताया। तकनीकी सत्रों में स्केल फॉर्मेशन, प्रिवेंटिव मेंटेनेंस, रेफ्रेक्ट्री रणनीतियाँ, तापमान नियंत्रण, ऑटोमेशन एवं डिजिटल मॉनिटरिंग पर विस्तृत चर्चा हुई। कार्यशाला ने फर्नेस लाइफ एन्हांसमेंट और स्केल रिडक्शन की बेहतर समझ विकसित की तथा सेल इकाइयों और औद्योगिक साझेदारों के बीच सहयोग और मजबूत हुआ।

एसपी की सख्ती: क्राइम मीटिंग में दिए कड़े निर्देश, लापरवाही होगी बर्दाश्त नहीं

बोकारो, संवाददाता

बोकारो के पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने अपने कार्यालय के सभागार में जिले के पुलिस अधिकारियों के साथ मासिक अपराध संगोष्ठी आयोजित की। बैठक में सभी डीएसपी, एसडीपीओ तथा जिले के थाना प्रभारी उपस्थित रहे। एसपी ने बैठक के दौरान पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि आगामी नए साल को देखते हुए सभी सार्वजनिक स्थलों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन, संगठित अपराध पर कड़ाई से नियंत्रण, नियमित गश्ती बढ़ाने, तथा संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी निगरानी रखने का निर्देश दिया। एसपी ने यह भी कहा कि फरार चल रहे अपराधियों की तुरंत गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए और नक्सली गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाए। एसपी हरविंदर सिंह ने स्पष्ट चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की पुलिसिया लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही उन्होंने आम जनता से भी अपील की कि वे किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना पुलिस से तुरंत साझा करें, ताकि अपराध नियंत्रण में बेहतर परिणाम मिल सकें।

कसमार से होकर गुजरेगी सिक्स लेन सड़क, रोजगार और प्रदूषण नियंत्रण पर हुई अहम बैठक

बोकारो, संवाददाता

कसमार प्रखंड के बगियारी मोड़ पर भारत माला परियोजना के तहत दर्जनों गांवों से होकर गुजरने वाली सिक्स लेन सड़क निर्माण को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का नेतृत्व जिला परिषद सदस्य अमरदीप महाराज ने किया। बैठक के दौरान स्थानीय युवाओं के रोजगार, कार्य एजेंसी के मालवाहक वाहनों से बढ़ते प्रदूषण, तथा निर्माण कार्य से उत्पन्न हो रही अन्य समस्याओं पर विस्तृत चर्चा हुई। वार्ता में कंपनी के अधिकारी, कसमार प्रखंड प्रशासन, जल अधिकारी नरेंद्र कुमार सिंह, थाना प्रभारी भजनलाल महतो, खछडट के जिला अध्यक्ष अमरेश कुमार महतो, केंद्रीय टीम के भुवनेश्वर महतो, सामाजिक कार्यकर्ता श्यामल कुमार झा सहित सैकड़ों ग्रामीण और विभिन्न जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ग्रामीणों ने सड़क निर्माण से जुड़ी जन-चिंताओं को स्पष्ट रूप से रखा, वहीं युवाओं ने रोजगार के अवसर सुनिश्चित करने की मांग दोहराई। कंपनी प्रतिनिधियों ने आश्वस्त किया कि स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार दिया जाएगा, मालवाहक वाहनों से फैल रहे धूल एवं प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएंगे और कार्य प्रक्रिया को जनहित व पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप संचालित किया जाएगा। कंपनी ने भरोसा दिलाया कि इन सभी मुद्दों पर शीघ्र ही आवश्यक कार्रवाई शुरू की जाएगी।

पेटरवार के प्रोजेक्ट गर्ल्स हाई स्कूल में बाल तस्करी के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पेटरवार (बोकारो) : पेटरवार प्रखंड स्थित प्रोजेक्ट गर्ल्स हाई स्कूल में सहयोगिनी संस्था द्वारा सुरक्षित गांव कार्यक्रम के तहत बालिका तस्करी रोकथाम को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं और शिक्षकों को सतर्कता, सुरक्षा उपायों तथा हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी दी गई। प्रधानाध्यापिका भूमिका कुमारी ने छात्राओं को जागरूक करते हुए कहा कि किसी अनजान व्यक्ति द्वारा नौकरी का लालच देने पर तुरंत सतर्क हों और टोल-फ्री नंबर पर सूचना दें। उन्होंने बाल विवाह को दंडनीय अपराध बताते हुए 1098 पर तुरंत कॉल करने की सलाह दी। सहयोगिनी संस्था के समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को तस्करी से सुरक्षित रखना है। कार्यक्रम में छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बाल तस्करी रोकथाम का संदेश दिया। कार्यक्रम समन्वयक किरण ने बाल मजदूरी, बाल विवाह और तस्करी रोकने के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया। बड़ी संख्या में छात्राएँ और शिक्षक इस अवसर पर उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय पदाधिकारी जवाबदेही के साथ कार्य करें, शिकायतों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करें: उपायुक्त

बोकारो, संवाददाता

उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी अजय नाथ झा की अध्यक्षता में मंगलवार को नियमित जनता दरबार का आयोजन किया गया। दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए लोगों ने अपनी समस्याएँ और शिकायतें उपायुक्त के समक्ष प्रस्तुत कीं। कुल 60 से अधिक मामलों को सुना गया, जिनमें अधिकतर शिकायतें सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड, और भूमि विवाद से संबंधित थीं। उपायुक्त ने प्रत्येक आवेदन पर गंभीरता से सुनवाई करते हुए उन्हें संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई हेतु अग्रसारित किया। उपायुक्त अजय नाथ झा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने कार्यालयी कार्यों को पूर्ण निष्ठा और जवाबदेही के साथ संपादित करें, ताकि आम जनता को अनावश्यक रूप से जिला मुख्यालय का चक्कर न लगाना पड़े। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय पदाधिकारी समय पर जांच कर शिकायतों के शीघ्र निष्पादन को सुनिश्चित करें और जनता के प्रति संवेदनशीलता एवं सकारात्मक व्यवहार अपनाएँ। जनता दरबार में अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा पियूष सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

खून देने से डरने वाले किडनी पर उपदेश देते हैं - रोहिणी आचार्य

पटना (एजेंसी) : राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को किडनी दान देकर जीवन बचाने वाली उनकी बेटी रोहिणी आचार्य ने एक बार फिर अपने आलोचकों पर तीखा हमला बोला है। सोशल मीडिया पर जारी बयान में उन्होंने उन सभी लोगों को आड़े हाथों लिया जो उनकी किडनी दान करने को लेकर अनावश्यक टिप्पणी कर रहे हैं और इसे गलत ठहराने की कोशिश कर रहे हैं। रोहिणी ने दो टूक कहा कि यदि कोई सच में लालू प्रसाद यादव के लिए कुछ करना चाहता है, तो उसे "झूठी हमदर्दी" जताने के बजाय अपनी ऊर्जा उन गरीब मरीजों की मदद में लगानी चाहिए, जो अस्पतालों में किडनी प्रत्यारोपण की आस लगाए जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं। उन्होंने तीखे शब्दों में कहा कि लाखों-करोड़ों जरूरतमंदों तक मदद पहुंचाने का सबसे बड़ा रास्ता यही है कि लोग आगे आएं और मानवता के नाम पर अंगदान को प्रोत्साहित करें। अपनी किडनी देने के फैसले पर सवाल उठाने वालों को जवाब देते हुए रोहिणी ने खुली चुनौती भी दी। उन्होंने कहा कि जो लोग एक शादीशुदा बेटी द्वारा पिता को किडनी देने को 'गलत' ठहराते हैं, उनमें यदि हिम्मत है तो वे खुले मंच पर बहस के लिए सामने आएं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि "जिन्हें एक बोतल खून देने के नाम पर पसीना छूट जाता है, वे किडनी दान जैसे बड़े त्याग पर भाषण देते हैं।" रोहिणी ने यह भी कहा कि

किडनी दान को लेकर दूसरों को उपदेश देने से पहले उन लोगों को आगे बढ़कर खुद मिसाल पेश करनी चाहिए, खासकर वे आलोचक जो सोशल मीडिया पर अनर्गल टिप्पणी करते हैं। उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि यदि किसी में मानवता का जरा भी भाव है, तो वह जरूरतमंद मरीजों के लिए अंगदान अभियान की शुरुआत कर सकता है। उन्होंने हरियाणा के कुछ राजनीतिक चेहरों, पत्रकारों और ट्रोल समूहों को भी सीधे निशाने पर लिया, जो उनके अनुसार लगातार उन्हें निशाना बनाते हैं। रोहिणी ने कहा कि ऐसे लोग पहले खुद उदाहरण प्रस्तुत करें, फिर दूसरों को सीख देने की कोशिश करें। रोहिणी आचार्य ने एक बार फिर यह स्पष्ट किया कि पिता के जीवन को बचाने के लिए दिया गया उनका 'महादान' एक बेटी का कर्तव्य था, और इसे किसी राजनीतिक चश्मे से देखने वालों को अपनी सोच बदलनी चाहिए। इस सोशल मीडिया पोस्ट के साथ एक वीडियो भी जुड़ा है जिसमें वह किसी पत्रकार से टीवी डिबेट में दिए।

हत्या की साजिश नाकाम छह अपराधी गिरफ्तार

मोतिहारी (एजेंसी) : मोतिहारी पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पूर्व जिला परिषद सुरेश यादव हत्याकांड के मुख्य वादी उनके सगे भाई विजय यादव एवं उनके सहयोगी की हत्या करने की योजना बना रहे शूटर सहित आधा दर्जन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से 9 एमएम के दो पिस्टल के साथ एक दर्जन कारतूस भी जब्त किया है। वहीं घटना के संबंध में सदर वन डीएसपी दिलीप सिंह ने खुलासा करते हुए बताया कि एसटीएफ और डी आई जी की टीम से गुप्त सूचना मिली थी की बंजरिया थाना क्षेत्र के चैलाहा कोठी भूताही माई स्थान के पास कुछ अपराधी एकत्रित हो कर किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। जिसके बाद एसपी स्वर्ण प्रभात ने सदर वन, टू और अरेराज डीएसपी के नेतृत्व में एक टीम का गठन कर छापेमारी करने का निर्देश दिया टीम द्वारा छापेमारी कर दो बाइक पर सवार तीन अपराधी को गिरफ्तार किया।

बड़ा एक्शन, 6 करोड़ की हेरोइन के साथ दो स्मगलर को दबोचा

बिहार (एजेंसी) : एसटीएफ के नारकोटिक्स सेल ने मुजफ्फरपुर में एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ हेरोइन के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। सिटी एसपी कोटा किरण कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर एसडीपीओ टाउन टू विनीता सिन्हा के नेतृत्व में अहियापुर थाना पुलिस के द्वारा की गई इस कार्रवाई में कुल 1016 ग्राम हेरोइन और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। एसटीएफ के द्वारा सूचना मिली कि दो मादक पदार्थ तस्कर मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन से अहियापुर थाना क्षेत्र के बैरिया बस स्टैंड की ओर बड़ी मात्रा में हेरोइन लेकर जा रहे हैं। सूचना मिलते ही एसडीपीओ टाउन टू विनीता सिन्हा के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम में अहियापुर थाना पुलिस को भी शामिल किया गया।टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बैरिया बस स्टैंड के पास दोनों तस्करों

को दबोच लिया। गिरफ्तार तस्करों की पहचान पूर्वी चंपारण जिले के चाहरवा गांव निवासी राजेश्वर पंडित और नकरदेई थाना क्षेत्र निवासी पूनम देवी के रूप में हुई है , दोनों के पास से 1016 ग्राम हेरोइन और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। गिरफ्तार पूनम देवी पूर्व में भी मादक पदार्थ कि तस्करी के मामले में जेल जा चुकी है। दोनों के खिलाफ NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

चुनाव खत्म होने के बाद भी पटना के अधिकारियों को नहीं मिलेगी छुट्टी

बिहार (एजेंसी) : बिहार चुनाव खत्म हो चुका है। लेकिन पटना जिले के बड़े अधिकारियों को अभी राहत नहीं मिली है। जिला प्रशासन ने सभी अधिकारियों की छुट्टी को रद्द कर दिया गया है। इसको लेकर पटना डीएम कार्यालय से आदेश जारी किया गया है। दरअसल, बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद राज्य में नई सरकार बनाने की प्रक्रिया तेज हो गई है। नीतीश कुमार 20 नवंबर को एक बार फिर मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। यह कार्यक्रम पटना के गांधी मैदान में होने की तैयारी है।

इसी वजह से प्रशासन भी पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। डीएम ने जारी पटना डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम ने शपथ ग्रहण समारोह की सुरक्षा और व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए सभी अफसरों की छुट्टियों पर रोक लगा दी है। सोमवार को जारी आदेश में कहा गया।

मानवता शर्मसार, नवजात के शव को मुंह में दबाकर ले गया कुत्ता

मुजफ्फरपुर (एजेंसी) : मुजफ्फरपुर के अहियापुर थाना क्षेत्र के शहबाजपुर इलाके में मानवता को शर्मसार करने वाला एक बेहद विचलित करने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वायरल वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि कैसे एक आवारा कुत्ता एक नवजात बच्चे के शव को अपने मुंह में दबाकर इधर-उधर भाग रहा है। यह हृदय विदारक दृश्य देखकर आसपास के लोगों के रोंगटे खड़े हो गए और इलाके में हड़कंप मच गया। घटना शहबाजपुर में NH-77 के किनारे की है। प्रत्यक्षदर्शियों ने

बताया कि उन्होंने सड़क किनारे एक नवजात बच्चे की लाश पड़ी देखी थी। इससे पहले कि कोई कुछ कर पाता, एक कुत्ता उस शव को अपने मुंह में लेकर भागने लगा। लोगों ने जैसे ही कुत्ते के मुंह में इंसान के बच्चे की लाश देखी।

बड़ा हादसा, करजा पुल की रेलिंग तोड़कर नदी में गिरा कंटेनर

मुजफ्फरपुर (एजेंसी) : अहले सुबह मुजफ्फरपुर के करजा थाना क्षेत्र में एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। NH-722 के करजा पुल पर एक कंटेनर अनियंत्रित होकर रेलिंग तोड़ते हुए सीधे नदी में जा गिरा। हादसा इतना जोरदार था कि कुछ क्षणों के लिए आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। घटना करजा थाना क्षेत्र के रेवा रोड स्थित करजा पुल पर हुई, जहाँ कंटेनर अचानक बेकाबू होकर पुल की सुरक्षा रेलिंग को चीरता हुआ नीचे कदाने नदी में जा धंसा। हालांकि हादसा बड़ा था, लेकिन सबसे राहत की बात यह रही कि ट्रक का ड्राइवर बाल-बाल बच गया। स्थानीय लोग मौके पर

तुरंत जुट गए और बिना देर किए ड्राइवर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। ग्रामीणों की सतर्कता और फुर्ती की वजह से एक संभावित बड़ी त्रासदी टल गई। हादसा सुबह-सुबह होने की वजह से ट्रैफिक भी कम था, नहीं तो स्थिति और गंभीर हो सकती थी।

एजी कॉलोनी के अपार्टमेंट में आग, जलते फ्लैट से महिला को किया रेस्क्यू

पटना (एजेंसी) : पटना से इस वक्त बड़ी खबर सामने आई है। शास्त्री नगर थाना क्षेत्र के एजी कॉलोनी स्थित एक अपार्टमेंट में मंगलवार को आग लगने की घटना से अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, अपार्टमेंट के फ्लैट संख्या 304 में अचानक आग भड़की, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की लगभग 6 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और टीम ने तेजी से आग बुझाने का अभियान शुरू किया। अग्निशमन विभाग के कमांडेंट रितेश पांडे ने बताया कि कॉल मिलते ही दमकल की गाड़ियां सिर्फ 5 मिनट में घटनास्थल पर पहुंच गईं और थोड़े ही समय में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। अग्निशमन कर्मियों

ने जलते फ्लैट से एक महिला को सुरक्षित बाहर निकालकर रेस्क्यू भी किया है। शुरुआती जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। फिलहाल मामले की तफ्तीश जारी है। सौभाग्य से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया, जिससे किसी प्रकार की जान-माल की क्षति नहीं हुई है।

महिला का शव मिलने से फैली सनसनी, लोगों ने दुष्कर्म के बाद हत्या की जताई आशंका

मटिहानी (एजेंसी) : जिले में एक अज्ञात महिला का शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। यह सनसनीखेज घटना मटिहानी थाना क्षेत्र के सोहमा गांव की है। स्थानीय लोगों के अनुसार, अपराधियों ने इस महिला के साथ पहले दुष्कर्म किया और फिर बड़ी ही निर्ममता से उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद शव को पानी में फेंक दिया गया। इस भयावह घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय निवासियों ने इस घटना के संबंध में जो जानकारी दी है, वह बेहद चौंकाने वाली है। लोगों का कहना है कि यह एक सोची-समझी और क्रूर वारदात है, जिसमें पहले महिला को अपनी हवस का शिकार बनाया गया। दुष्कर्म के बाद, सबूत मिटाने के उद्देश्य से या

किसी अन्य कारण से, अपराधियों ने गला दबाकर उसकी जान ले ली। इस निर्मम हत्या के बाद शव को ठिकाने लगाने के लिए उसे पास के पानी के स्रोत में फेंक दिया गया। यह मामला तब सामने आया जब सुबह के समय सोहमा गांव के कुछ लोग शौच के लिए उस क्षेत्र में गए। तभी उनकी नजर पानी में तैरते हुए महिला के शव पर पड़ी। पानी में शव को देखकर वे सहम गए और तुरंत इसकी सूचना स्थानीय लोगों को दी। देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे यहां तनाव का माहौल बन गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना मटिहानी थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मटिहानी थाने की पुलिस टीम विलंब किए बिना घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया और पंचनामा की कार्रवाई पूरी की। भीड़ को नियंत्रित करते हुए।

बेटी की शादी का कार्ड बांटने निकले पिता की सड़क हादसे में हुई मौत

फतेहपुर (एजेंसी) : जिले के गोगरी प्रखंड अंतर्गत आदर्श ग्राम फतेहपुर में उस समय कोहराम मच गया। जब पूर्व मुखिया आनंदी सिंह के पुत्र शिवशक्ति सिंह उर्फ ओझल (60) की सड़क हादसे में मौत की खबर गाँव पहुँची। 30 नवंबर को बेटी पूजा कुमारी की शादी थी, और उसी का निमंत्रण कार्ड बांटने वे भागलपुर गए थे। लेकिन खुशियों के बीच आया यह दर्दनाक हादसा पूरे पंचायत पर दुखों का पहाड़ बनकर टूटा। पत्नी मायागंज अस्पताल में भर्ती, परिवार वहीं ठहरा था 14 नवंबर को उनकी पत्नी सुनीता देवी, जो आंगनबाड़ी सेविका हैं, का ऑपरेशन मायागंज अस्पताल में हुआ था। इस वजह से परिवार भागलपुर में ही रुका हुआ था। इसी दौरान उन्होंने अस्पताल में रहते-रहते भागलपुर में रह रहे।

नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म पुलिस ने 2 घंटे में गिरफ्तार

भदौर (एजेंसी) : बाढ़ अनुमंडल के भदौर थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता के लिखित आवेदन के आधार पर भदौर थाने में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 2 घंटे के भीतर ही आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले पर एसडीपीओ-2 आयुष कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि भदौर थाना पुलिस को सोमवार रात्रि सूचना मिली कि 14-15 साल की एक नाबालिग लड़की आदमपुर के पास संदेहास्पद स्थिति में घूम रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और लड़की से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान नाबालिग ने पुलिस को बताया कि खजुरार निवासी सिकेश कुमार (उम्र 24 वर्ष) उसे बहला-

फुसलाकर अपनी स्कॉर्पियो गाड़ी से बिंद मोड़ (नालंदा) ले गया। आरोप है कि वहां ले जाकर युवक ने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया। एसडीपीओ2 आयुष कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पीड़िता के बयान के आधार पर पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया और 2 घंटे के भीतर ही आरोपी सिकेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल की गई स्कॉर्पियो गाड़ी को भी जब्त कर लिया है।

कारोबार

दूसरे दिन चांदी की चमक फीकी 2 हजार रुपये तक घटी कीमत

नई दिल्ली (एजेंसी) : घरेलू सर्राफा बाजार में चांदी के भाव में आज लगातार दूसरे दिन गिरावट दर्ज की गई है। आज इस चमकीली धातु की कीमत में 2,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है। आज की इस गिरावट के कारण देश के अलग अलग सर्राफा बाजारों में चांदी 1,68,700 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 1,74,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही है। दिल्ली में आज चांदी की कीमत फिसल कर 1,66,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में भी चांदी 1,66,700 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही है। जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 1,67,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। बेंगलुरु में चांदी 1,67,200 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 1,66,800 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत अभी भी चेन्नई और हैदराबाद में है, जहां ये चमकीली धातु आज 1,72,900 रुपये के स्तर पर आ गई है। उत्तर भारत के कई बड़े शहरों यूपी,

बिहार, दिल्ली के साथ-साथ मुंबई, चेन्नई और हैदराबाद में चांदी की कीमत में हाल के दिनों में गिरावट दर्ज की गई है। पिछले महीने चांदी अक्टूबर की 15 तारीख को चेन्नई में चांदी करीब 2,07,700 रुपये प्रति किलो बिक रही थी। इसी तरह उस दिन दिल्ली में चांदी की कीमत 1,98,000 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई थी। हालांकि, त्योहारी सीजन खत्म होने के बाद इस चमकीली धातु की कीमत में गिरावट शुरू हुई, जिसके कारण चांदी अपने सर्वोच्च स्तर से 30 हजार रुपये से भी ज्यादा टूट चुकी है। अब कीमतें अपने उच्च स्तर से काफी नीचे फिसल चुकी हैं। बुलियन मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन का कहना है कि इन दिनों अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी के दाम थोड़ा घटे हैं, जिसका असर घरेलू

गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार, जानिए 19 नवंबर को कैसी रह सकती है इसकी चाल

नई दिल्ली (एजेंसी) : 18 नवंबर को निफ्टी 25,900 से नीचे कारोबार करता दिखा। भारतीय इक्विटी इंडेक्स आज नेगेटिव नोट पर बंद हुए हैं। कारोबारी सत्र के अंत में सेंसेक्स 277.93 पॉइंट या 0.33 प्रतिशत गिरकर 84,673.02 पर था और निफ्टी 103.40 पॉइंट या 0.40 प्रतिशत गिरकर 25,910.05 पर था। आज लगभग 1393 शेयर बढ़े, 2632 शेयर गिरे और 131 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन, बजाज ऑटो और एशियन पेंट्स आज निफ्टी के टॉप गेनर रहे। जबकि, टेक महिंद्रा, टाटा कंज्यूमर, जियो फाइनेंशियल, इंटरग्लोब एविएशन और बजाज

फिनसर्व निफ्टी के टॉप लूजर्स रहे। BSE मिडकैप इंडेक्स 0.7 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.8 फीसदी की कमजोरी देखने को मिली है। आज सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान पर बंद हुए हैं। IT, मेटल और रियल्टी में 1 फीसदी की गिरावट देखने को मिली। 19 नवंबर को कैसी रह सकती है बाजार की चाल जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के चीफ मार्केट स्ट्रैटेजिस्ट आनंद जेम्स की राय है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर जल्द मिलेगी अच्छी खबर : पीयूष गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी) : केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर जल्द ही अच्छी खबर तभी मिलेगी। यह समझौता उचित, समानता वाला और संतुलित होगा। गोयल ने कहा कि भारत किसानों और मछुआरों के हितों के साथ कभी समझौता नहीं करेगा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री नई दिल्ली में इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से आयोजित 22वें भारत-अमेरिका

आर्थिक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। गोयल ने संकेत दिया कि प्रस्तावित भारत और अमेरिका व्यापार समझौते पर प्रगति निकट है। उन्होंने कहा कि एक बार जब यह समझौता भारत की निष्पक्ष, समतापूर्ण और संतुलित होने की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा, तो आप एक अच्छी खबर सुनेंगे।

1722 करोड़ की ब्लॉक डील पर 2% टूट गया शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी) :दिग्गज फिनटेक प्लेटफॉर्म पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस (One97 Communications) के शेयरों में आज बिकवाली का भारी दबाव दिखा। बिकवाली का यह दबाव एक बड़ी ब्लॉक डील के चलते आई। 1,722 करोड़ की इस ब्लॉक डील पर पेटीएम के शेयरहोल्डर्स में इसे बेचने की भगदड़ मच गई और भाव टूट गए। बिकवाली का दबाव इतना तेज है कि निचले स्तर पर खरीदारी के बावजूद शेयर संभल नहीं पाए और अभी भी डीप रेड है। आज बीएसई पर यह 2.87%

की गिरावट के साथ 1295.25 के भाव (Paytm Share Price) पर बंद हुआ है। इंट्रा-डे में यह 3.19% की गिरावट के साथ 1291.00 के भाव तक आ गया था। किस भाव पर हुई Paytm की ब्लॉक डील?

सेंसेक्स-निफ्टी में 6 दिनों के बाद लौटी गिरावट निवेशकों के 2.5 लाख करोड़ तक डूबे

नई दिल्ली (एजेंसी) : भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार 18 नवंबर को तेज मुनाफावसूली देखने को मिली। इसके चलते सेंसेक्स और निफ्टी में पिछले 6 दिनों से जारी तेजी पर विराम लग गया। लगभग सभी सेक्टोरल इंडेक्स भी लाल निशान में बंद हुए। कारोबार के अंत में, बीएसई सेंसेक्स 277.93 अंक या 0.33 फीसदी की गिरावट के साथ 84,673.02 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 103.40 अंक 0.40 फीसदी लुढ़ककर 25,910.05 के स्तर पर बंद हुआ।

निफ्टी के 50 में से 40 शेयर आज गिरावट के साथ बंद हुए.ब्रॉडर मार्केट में भी इससे भी अधिक गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप-100 इंडेक्स 359 अंक टूटकर 60,822 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी बैंक 63 अंक फिसलकर 58,899 तक आ गया। आज के कारोबार के दौरान सबसे अधिक बिकवाली रियल्टी, मेटल, आईटी, फाइनेंशियल्स, कंज्यूमर और फार्मा शेयरों में देखने को मिली। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है किआने वाले सत्रों में ग्लोबल संकेत, विदेशी निवेशकों की गतिविधि और आर्थिक आंकड़ों के आधार पर बाजार की दिशा तय होगी।

संक्षिप्त समाचार

समूहगान प्रतियोगिता में एसजीएम इंटरनेशनल स्कूल प्रथम

लखनऊ , एजेंसी। गोमतीनगर स्थित भागीदारी भवन में रविवार को भारत विकास परिषद की ओर से क्षेत्र स्तरीय राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता हुई। प्रांत स्तर से चयनित विभिन्न विद्यालयों की टीमों ने प्रतिभाग किया। जिनमें कानपुर के ब्रह्मावर्त स्थित एसजीएम इंटरनेशनल स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। चयनित टीम आगामी राष्ट्रीय स्तरीय समूहगान प्रतियोगिता में क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेगी। प्रांतीय अध्यक्ष देवेंद्र स्वरूप शुक्ल ने कहा कि भारत विकास परिषद सदैव संस्कार, सेवा और समर्पण के माध्यम से समाज से जुड़े रहने का कार्य करता रहा है। मुख्य अतिथि भानु प्रताप सिंह रहे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय प्रशिक्षक प्रमोद कुमार त्रिपाठी, प्रांतीय महासचिव शशिकांत सक्सेना, प्रांतीय कोषाध्यक्ष पंकज अग्रवाल सहित अन्य शामिल हुए।

मिस फेमिना ने मलिन बस्ती के बच्चों के साथ मनाया जन्मदिन

लखनऊ , एजेंसी। लखनऊ की नजाकत, नफासत बेहद पसंद है। घर पर जन्मदिन तो सभी मनाते हैं लेकिन मलिन बस्ती के बच्चों के साथ जन्मदिन मनाकर बेहद खुश हूं। बच्चों का जो प्यार मिला, उससे घर की याद नहीं आई। यह कहना है मिस फेमिना- 2024 की विजेता मध्य प्रदेश के उज्जैन की रहने वाली निकिता पोरवाल का। वे रविवार को इंदिरा नगर सेक्टर- 19 स्थित आशा वेलफेयर फाउंडेशन के कार्यालय पर सुबह 10 :30 बजे पहुंचीं। केक काटने के बाद 30 बच्चों को स्टेशनरी व 20 महिलाओं को साड़ियां बांटी। वह मिस वर्ल्ड 2026 की तैयारी में जुटी हैं। फाउंडेशन की अध्यक्ष सोनी वर्मा, वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ. एमपी. श्रीवास्तव, ज्योति मल्होत्रा, राहिला खान, विभा श्रीवास्तव, किरन सक्सेना सहित संस्था के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पार्षद के पति पर रंगदारी मांगने का आरोप, वृद्धाश्रम संचालिका ने कराया मुकदमा

अलीगढ़, एजेंसी। अलीगढ़ महानगर के बन्नादेवी बरौला इलाके के एक वृद्धाश्रम की संचालिका ने पार्षद पति पर रंगदारी मांगने का आरोप लगाया है। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया है। मुकदमा दर्ज कराते हुए सियाराम वृद्धाश्रम की संचालिका सुनीता शर्मा ने बताया कि घटना 25 जून की है। इलाके के पार्षद पति शिवकुमार उसके आश्रम में आया। वहां आकर उसने आश्रम संचालन के नाम पर 50 हजार रुपये प्रतिमाह मांगे। न देने पर धमकाते हुए झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। अभद्रता करते हुए मोबाइल छीन कर मारपीट तक कर दी। इस मामले में पुलिस स्तर से सुनवाई न होने पर महिला ने कोर्ट की शरण ली। इसी मामले में कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया गया है। एसएचओ बन्नादेवी एसपी सिंह के अनुसार मामले में साक्ष्यों व तथ्यों की जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

बेटे का जन्मदिन छोड़ ड्यूटी पर लौटे थे, आग ने छीन ली जिंदगी- धुएं से घुट गया था दम; हो गई मौत

गोरखपुर, एजेंसी। शनिवार को अनूप का जन्मदिन था। होटल से बार-बार फोन आने की वजह से जन्मदिन मनाए बिना ही पुरुषोत्तम शुक्रवार को गोरखपुर लौट गए थे। रविवार सुबह होटल से फोन आया कि पुरुषोत्तम के साथ हादसा हो गया है। रविवार दोपहर में बेटा अनूप, पत्नी पूनम व भतीजा दीपू गोरखपुर पहुंचे। वॉटर वेज रेस्टोरेंट में आग से जान गंवाने वाले पुरुषोत्तम के बेटे का शनिवार को जन्मदिन था। वह तीन दिन पहले छुट्टी पर गए थे लेकिन शुक्रवार को उनको लौटना पड़ा। एक दिन बाद ही आग ने उनकी जिंदगी छीन ली। इसको देखते हुए पूरा परिवार बलरामपुर के तुलसीपुर में ननिहाल में रहने लगा। नानी की तबीयत अक्सर खराब रहने के कारण पूरा परिवार वहीं जमीन लेकर रहने लगा। पिता पांच साल से रामगढ़ताल स्थित होटल में काम करते थे। तीन दिन पहले छुट्टी लेकर घर आए थे। शनिवार को अनूप का जन्मदिन था। होटल से बार-बार फोन आने की वजह से जन्मदिन मनाए बिना ही पुरुषोत्तम शुक्रवार को गोरखपुर लौट गए थे। रविवार सुबह होटल से फोन आया कि पुरुषोत्तम के साथ हादसा हो गया है। रविवार दोपहर में बेटा अनूप, पत्नी पूनम व भतीजा दीपू गोरखपुर पहुंचे। पंचनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद पुलिस शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। पुरुषोत्तम अपने पीछे बेटा अनूप (18) वर्ष व बेटी अनन्या (14) को छोड़ गए हैं। पोस्टमार्टम हाउस पर शव लेने भतीजा पप्पू व बेटा अनूप पहुंचे थे।

राम मंदिर ध्वजारोहण: चुना गया 30 मिनट का श्रेष्ठ मुहूर्त आठ हजार विशिष्ट मेहमान होंगे शामिल, मोबाइल फोन बैन

अयोध्या, एजेंसी। राम मंदिर में 25 नवंबर को होने वाला ध्वजारोहण समारोह स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय समारोह की गरिमा के साथ संपन्न होगा। वैदिक परंपराओं और आधुनिक शिष्टाचार के बीच सुबह 11 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक निर्धारित शुभ मुहूर्त में ध्वजारोहण की प्रक्रिया संपन्न की जाएगी। इसी अवधि के भीतर चुने गए 30 मिनट के श्रेष्ठ मुहूर्त में ध्वज फहराया जाएगा। यह मुहूर्त दोपहर 12 से 12:30 बजे तक होगा।

समारोह की सबसे महत्वपूर्ण घड़ी वह क्षण होगा जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत स्वतंत्रता दिवस के अनुरूप ही ध्वज फहराने की प्रक्रिया पूरी करेंगे। ध्वज को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सलामी दी जाएगी। शंखनाद, ढोल-नगाड़ों और मंगल वाद्य की ध्वनि पूरे परिसर में गूंजेगी। ध्वज फहराते ही मंदिर परिसर में घंटे-घड़ियाल बजने लगेंगे। समारोह को उसी शिष्टाचार के साथ आयोजित किया जा रहा है जैसा राष्ट्रीय पर्वों पर देखने को मिलता है। ध्वजारोहण की पूरी प्रक्रिया सेना के अधिकारियों की मौजूदगी में पूरी की जाएगी। परिसर को पारंपरिक ध्वजों, पुष्प और दीप से सजाया जा रहा है। शहरभर में सुरक्षा, यातायात और आगंतुकों की सुविधा की विशेष व्यवस्था की गई है।

रोड शो भी कर सकते हैं ध्वजारोहण समारोह में आ रहे पीएम मोदी : राम मंदिर के ध्वजारोहण समारोह में 25 नवंबर को आगमन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या में रोड शो भी कर सकते हैं। सोमवार या मंगलवार को एसपीजी के आने पर पीएम मोदी के एयरपोर्ट से राम मंदिर तक का रूट फाइनल होने के बाद इस बारे में अंतिम निर्णय किया जाएगा।

पीएम मोदी के लिए जिला प्रशासन ने वैकल्पिक रूप से दो रूट तय किए हैं। पहला विकल्प एयरपोर्ट से महोबरा बाजार होते हुए राम मंदिर तक सड़क मार्ग से जाना प्रस्तावित है। यह मार्ग करीब 12 किमी लंबा है। दूसरे विकल्प के रूप में एयरपोर्ट से हेलीकाप्टर से साकेत कॉलेज में बने हेलीपैड पर उतर कर राम मंदिर तक जाना प्रस्तावित किया गया है। यह मार्ग सिर्फ एक किमी लंबा है। इन दोनों मार्गों पर पीएम के संभावित आवागमन के लिए सुरक्षा व अन्य व्यवस्था से जुड़ी सभी तैयारियां की जा रही हैं। साकेत कॉलेज में तीन हेलीपैड बन कर तैयार हो गए हैं।

प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी कई चरणों में इन दोनों प्रस्तावित मार्गों का निरीक्षण कर चुके हैं। एसपीजी के आने के बाद इन दोनों में से कोई एक मार्ग पीएम मोदी के लिए फाइनल किया जाएगा। इसके बाद मार्ग के दोनों लेन पर बैरिकेडिंग करवाई जाएगी। आसपास के घरों और अन्य भवनों पर पीएम के काफिले की मूवमेंट के दौरान सुरक्षा कर्मी तैनात रहेंगे। सड़क मार्ग पर भी फोर्स मुस्तैद रहेगी। रोड शो पर भी अंतिम निर्णय एसपीजी की सहमति मिलने के बाद ही किया जाएगा।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 25 नवंबर को होने वाले राम मंदिर के ध्वजारोहण और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन की तैयारियों का जायजा लेने के लिए 18 नवंबर को अयोध्या आ सकते हैं। सीएम योगी के दोपहर एक बजे के बाद यहां पहुंचने की संभावना है।

सीएम योगी अयोध्या पहुंच कर प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। यह बैठक रामजन्मभूमि परिसर में होगी। बैठक में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ जनप्रतिनिधि शामिल रहेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री की ओर से राम मंदिर परिसर में ध्वजारोहण समारोह से जुड़े कार्यक्रम स्थलों का भी निरीक्षण किया जाएगा। उनकी ओर से पीएम और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत की मौजूदगी में होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा को लेकर निर्देश दिए जाएंगे।

अब राम मंदिर में मोबाइल नहीं ले जा सकेंगे मेहमान : राम मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त करते हुए ट्रस्ट व प्रशासन ने बड़ा निर्णय लिया है। ध्वजारोहण समारोह में आने वाले किसी भी मेहमान को मोबाइल फोन लेकर मंदिर परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। शुरुआत में मेहमानों को मोबाइल साथ ले जाने की अनुमति दी गई थी, लेकिन दिल्ली में हुए विस्फोट के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने सतर्कता बढ़ाने की सिफारिश की। इसके बाद ट्रस्ट और प्रशासन ने संयुक्त समीक्षा के बाद मोबाइल पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है।

25 नवंबर को राम मंदिर में ध्वजारोहण समारोह आयोजित है। समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी, संघ प्रमुख मोहन भागवत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल समेत आठ हजार मेहमान शामिल होंगे। मेहमानों को भेजे गए आमंत्रण पत्र में बताया गया था कि 25 नवंबर को सभी को सुबह आठ से 10 बजे के भीतर मंदिर में प्रवेश करना होगा। वे अपने साथ मोबाइल रख सकते हैं, लेकिन अब इस निर्णय को बदल दिया गया है। मेहमानों को खाली हाथ समारोह के लिए आना होगा। परिसर में उनके भोजन, जलपान की व्यवस्था ट्रस्ट की ओर से की जाएगी।समारोह को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं। राम जन्मभूमि परिसर में अतिरिक्त मेटल डिटेक्टर, डॉग स्क्वॉड और सर्विलांस बढ़ाई जा रही है।

बरेली बवाल का एक भी दोषी बचने न पाए, सीएम योगी ने डीएम-एसएसपी को दिए निर्देश

बरेली , एजेंसी। बरेली शहर में 26 सितंबर को हुए बवाल का एक भी दोषी बचने न पाए। कार्रवाई ऐसी हो जो नजीर बने और आगे कोई भी शहर का माहौल बिगाड़ने की जुर्रत न कर सके। यह निर्देश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लखनऊ में डीएम अविनाश सिंह और एसएसपी अनुराग आर्य को दिया।

लखनऊ के 5-कालीदास मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास पर सीएम योगी आदित्यनाथ से डीएम और एसएसपी ने शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री को डीएम ने राम दरबार और एसएसपी ने हनुमान की प्रतिमा भेंट की। मुख्यमंत्री ने एसएसपी से बरेली बवाल में अब तक पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई की जानकारी ली।

उन्होंने कहा कि पुलिस सभी मुकदमों की चार्जशीट अदालत में जल्द दाखिल कर प्रभावी तरीके से पैरवी करे। कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस-प्रशासन के स्तर पर कहीं भी लापरवाही न होने आए। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री ने डीएम से जिले की विकास परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। काम गुणवत्तापूर्ण तरीके से हो और परियोजनाएं नियत समय पर पूरी हों।

जंगल कौड़िया फ्लाईओवर: बढ़ती जा रहीं दरारें... दिल्ली से आएंगे विशेषज्ञ, चार दरारे और दिखीं- बढ़ा खतरा

गोरखपुर , एजेंसी। गोरखपुर-सोनौली राष्ट्रीय राजमार्ग पर जंगल कौड़िया फ्लाईओवर की छत में दरारें बढ़ती जा रही है। रविवार को चार और दरारें दिखने लगीं। अब तक कुल 30 दरारें मिल चुकी हैं। रविवार को भी पूरे दिन मरम्मत का कार्य चला। अधिकारियों का कहना है कि अधिक तापमान के कारण ये माइनर एयर क्रैक्स आए हैं।

फ्लाईओवर की लोड टेस्टिंग के लिए दिल्ली से विशेषज्ञ बुलाए जा रहे हैं। फिलहाल, दरारें बढ़ने से लोगों में दहशत है। स्थानीय लोग निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठा रहे हैं और फ्लाईओवर के नीचे से होकर गुजरने से कतरा रहे हैं।

800 मीटर लंबे सिक्सलेन फ्लाईओवर की छत में बीते पांच दिनों से दरारें दिखनी शुरू हुईं। इसके बाद से ही इलाके में दहशत का माहौल है। शनिवार तक 26 दरारें थीं। रविवार को चार और दरारें दिखने लगीं। इसमें कई छोटी दरारें आपस में जुड़कर लंबी हो रही हैं। कुछ दरारें इतनी पतली हैं कि साधारण कैमरे से कैद करना मुश्किल है।

पहले तीन दिन पीएनसी इंफ्राटेक ने खुद दरारें भरने का काम किया, लेकिन पिछले तीन दिनों से एनएचएआई के अधिकारी मौके पर पहुंचकर मुआयना और परीक्षण कर रहे हैं। परियोजना निदेशक ललित प्रताप फल खुद दो बार मौके पर जा चुके हैं।

रविवार को इंजीनियर और मजदूर दिनभर प्रेशर मशीन से विशेष केमिकल भरते रहे। फ्लाईओवर की सड़क ऊपर से चारकोल और कंक्रीट की तीन परतों से बनी है, जिसमें चारकोल परत पर दरारें नहीं दिखीं। अधिकारियों का दावा है कि कुछ परिस्थितियों में ऐसी दरारें सामान्य हैं और ये आगे नहीं बढ़ेंगी। फ्लाईओवर के नीचे या ऊपर से गुजरना पूरी तरह सुरक्षित है। एनएचएआई ने स्थिति पर लगातार निगरानी का आश्वासन दिया है। वहीं, सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भरौलिया ब्लॉक के मखनहा गांव में मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है। अनुमान है कि मुख्यमंत्री यहां निरीक्षण भी कर सकते हैं।

गर्मी में ढलाई और अधिक तापमान के चलते आईं दरारें : कार्यदायी संस्था पीएनसी इंफ्राटेक के चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर केपीएस भदौरिया ने बताया कि छत की ढलाई सीमेंट और कंक्रीट से इसी वर्ष मार्च में की गई थी। शटरिंग का पृष्ठ लोहे का होने से तापमान में उतार-चढ़ाव के चलते यह समस्या हुई। उन्होंने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है।

कमला...क्रूर भी और कोमल भी: स्त्री को परिस्थितियों को बयां करती कहानी पार, कथाकार ने बताई पृष्ठभूमि

आगरा, एजेंसी। स्त्री को परिस्थितियां क्रूर बनाती हैं, लेकिन उसके भीतर की कोमलता कभी नहीं मरती। ये विचार प्रसिद्ध कथाकार महेश कटारे ने अपनी चर्चित कहानी पार पर आयोजित संवाद और समीक्षात्मक गोष्ठी के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि उनकी कहानी लगभग 30@35 वर्ष पूर्व के चंबल की कठोर सच्चाई से जन्मी है, जहां हालात ने कमला जैसे पात्रों को गढ़ा, जो क्रूर के साथ कोमल भी थी। रंगलीला, शीरोज हैंगआउट और प्रेम कुमारी शर्मा स्मृति समारोह समिति के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को नागरी प्रचारिणी सभा में किस्सा-कहानी कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्षता हरिनारायण ने की और मुख्य अतिथि लेखक एवं कथाकार अरुण डंग रहे।

कार्यक्रम में कटारे ने बताया कि शेखर कपूर की फिल्म बैंडिट क्वीन में दिखाए गए कुछ दृश्य तथ्यात्मक नहीं हैं। उन्होंने कहा कि फूलन देवी पर हुई अमानवीयता सच है, लेकिन फिल्म के कई दृश्य अतिरंजित हैं। बातचीत में जब बुजुर्ग महिलाओं से इस मामले को लेकर पूछा तो उन्होंने बताया कि अगर वास्तव में फूलन को आपत्तिजनक अवस्था में पानी भरने भेजा गया होता तो वे स्वयं दोषियों को गोली मार देतीं।

इतिहासकार राज गोपाल सिंह वर्मा ने कहानी को सामाजिक अध्ययन की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया। डॉ. खुशी राम शर्मा ने कहा कि यह कथा रेणु और नागार्जुन की तरह यथार्थ की जमीन पर खड़ी है। प्रो. आभा चतुर्वेदी, ब्रिगेडियर विनोद दत्ता, दिलीप रघुवंशी, जाकिर सरदार, सीमांत साहू और डॉ. उमेश दुबे ने भी अपनी राय रखी।

स्वागत भाषण अनिल शुक्ला (निर्देशक, रंगलीला) ने दिया। कार्यक्रम संचालन डॉ. विजय शर्मा और धन्यवाद ज्ञापन अर्जुन सबेदिया ने किया। इस अवसर पर डॉ. राकेश कुमार सिंह, शक्ति प्रकाश, डॉ. महेश धाकड़, शलभ भारती, रमेश पंडित, सुनीता चौहान, मालती कुशवाह, हिमानी चतुर्वेदी, पूनम भार्गव सहित कई साहित्यप्रेमी मौजूद रहे।

बदायूं में सनसनीखेज वारदात: साईं मंदिर के पुजारी की हत्या, चांदी के दो मुकुट लूट ले गए बदमाश

बदायूं, एजेंसी। बदायूं के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के नवादा इलाके में साईं मंदिर के पुजारी की गला दबाकर हत्या कर दी गई। बदमाश मंदिर से चांदी के दो मुकुट भी ले गए। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। पुजारी की हत्या के बाद क्षेत्र में रोष फैल गया। हिंदू संगठन के लोग मौके पर पहुंचे और आरोपियों पर कठोर कार्रवाई करने की मांग की। पुलिस ने आश्वासन दिया कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

कुंवरगांव थाना क्षेत्र के गांव कछिया काजमपुर के रहने वाले मनोज शंखधार 15 साल से नवादा स्थित साईं मंदिर पर बतौर पुजारी के रूप में काम करते आ रहे थे। रविवार रात को वह मंदिर परिसर में ही बने कमरे में सो रहे थे। रात में किसी समय बदमाश मंदिर परिसर में घुस आए। उन्होंने पुजारी को बंधक बनाया और गला घोंटकर हत्या कर दी। बदमाश चांदी के दो मुकुट ले गए। दानपात्र से भी रुपये ले जाने की बात सामने आ रही है।

घटना की सोमवार सुबह तब हुई, जब सफाई कर्मी मंदिर में सफाई करने पहुंचा। उसने कमरे में पुजारी का शव पड़ा देखा। पुजारी के गले में कपड़ा कसा हुआ था। उनके पैर भी बांधे गए थे। सफाई कर्मी ने स्थानीय लोगों को सूचना दी। पुजारी की हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने मंदिर परिसर में गहनता से छानबीन की। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया।

एसएसपी डॉ. ब्रजेश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच को टीम गठित कर दी गई है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाएगा, जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

दोस्तों की काली करतूत...पत्नी के नहाते हुए खींचे अश्लील फोटो

आगरा , एजेंसी। आगरा में दो युवकों ने मिलकर अपने दोस्त की पत्नी के नहाते हुए आपत्तिजनक वीडियो बनाए और फोटो खींच लिए। ब्लैकमेल कर उनके बैंक खाते में 15 लाख रुपये से अधिक का लेन-देन कर दिया। साइबर थाने से नोटिस आने पर जानकारी हुई। कोर्ट के आदेश पर जगदीशपुरा पुलिस केस दर्ज कर जांच में लगी है।

जगदीशपुरा थाना क्षेत्र के निवासी पीड़ित ने अपने दोस्त शेखर रेजीडेंसी पश्चिमपुरी निवासी ललित आसौलिया और आवास विकास सेक्टर-3 निवासी आयुष वर्मा के खिलाफ अदालत में प्रार्थनापत्र प्रस्तुत किया था। आरोप लगाया था कि वह खुद मानसिक बीमारी से ग्रसित है। दोस्तों का घर पर आना-जाना था। दोस्तों ने पत्नी के नहाते हुए वीडियो बनाए और फोटो खींच लिए। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगे। ट्रेडिंग कंपनी के नाम से खाते में रुपये ट्रांसफर कराने के लिए कहा तो उन्होंने मना कर दिया।

इसके बाद भी नहीं माने और ब्लैकमेल कर पत्नी के खाते में दोनों ने 15.85 लाख रुपये डलवा दिए। बैंक से जाकर चेक से रुपये निकाल लिए। 14 अक्तूबर को पत्नी के व्हाट्सएप नंबर पर साइबर थाने से नोटिस आया। लिखा था कि खाते में आए रुपयों की जांच की जा रही है। दोस्तों ने कहा तो उन्होंने शिकायत करने पर फिर से पत्नी के फोटो वायरल करने की धमकी दी। अब 10 लाख रुपयों की मांग कर रहे हैं। कोर्ट के आदेश पर जगदीशपुरा पुलिस केस दर्ज कर जांच में लगी है।

बिजली बकायदारों पर सख्ती, 50 हजार बिल होते ही काट दी जाएगी बिजली; घर-घर जाएंगी टीमें

लखनऊ, एजेंसी। आपके घर और दुकान पर यदि 50 हजार रुपये से ज्यादा का बिल बाकी तो आपकी बिजली कभी भी गुल हो सकती है। दरअसल, वर्टिकल सिस्टम में बिजली बिल के बकायेदारों और उपकेंद्र कर्मियों के बीच कटे कनेक्शन को गुपचुप जोड़कर बिजली चालू करने के खेल को खत्म करने की तैयारी है।

इसके लिए वर्टिकल सिस्टम की कलेक्शन इकाई ने 2.25 लाख बकायेदारों से बिल की वसूली कर उनकी देनदारी को शून्य करने का पहला लक्ष्य तय किया है। इन पर अनुमानित 75 करोड़ का राजस्व बकाया है। सबसे पहले उन बकायेदारों पर कार्रवाई होगी, जिन पर 50 हजार या इससे ज्यादा की देनदारी है। वह उपभोक्ता भी निशाने पर होंगे जिन्होंने पिछले छह माह से बिल का भुगतान नहीं किया है।

राजधानी में सोमवार से 50 हजार रुपये के देनदारी वाली उपभोक्ताओं के घर एवं दुकान पर कलेक्शन टीम की दस्तक शुरू हो जाएगी। यह टीम बकायेदारों को बकाया रकम का बिल देकर निर्धारित अवधि में जमा करने का अल्टीमेटम देगी। तय अवधि में बिल जमा न होने पर कनेक्शन काटा जाएगा। ऐसे कटे कनेक्शन को बिल चुकाए बिना जोड़ने पर उपकेंद्र के संविदा कर्मी की नौकरी जाएगी। साथ ही, काटे गए कनेक्शन की निगरानी होगी, जिससे गुपचुप उसे जुड़वाया न जा सके।

अमौसी जोन में सर्वाधिक 1.50 लाख बकायेदार : अमौसी जोन में सर्वाधिक 1.50 लाख उपभोक्ता बिजली बिल के बकायेदार हैं। इनमें तो 1.10 लाख ऐसे हैं, जिन्होंने पिछले छह माह से बिजली तो खूब जलाई, मगर बिल नहीं भरा है। यह बकायेदार निगोहा, मोहनलालगंज, गोसाईंगंज, अमेठी, उतरेटिया, सरोजनीनगर, बंथरा, मोहान रोड, काकोरी, रहीमाबाद, मलिहाबाद, माल, जेहटा आदि के हैं।

तीन लाख के बकायेदार और जल रही बिजली : फतेहगंज निवासी बी लाल एक ऐसे बकायेदार उपभोक्ता हैं जिन पर तीन लाख रुपये की देनदारी है, मगर उनके घर की बिजली जल रही है। यह कृपा फतेहगंज उपकेंद्र के कुछ संविदा कर्मियों की है। संविदा कर्मियों ने इस कनेक्शन को सरकारी रिकॉर्ड में कटा दर्शा कर खुलेआम बिजली जलवा रहे हैं।

ऑनलाइन ब्रोकिंग प्लेटफॉर्म ग्रो का मार्केट कैप 1 लाख करोड़ के पार

मुंबई ऑनलाइन ब्रोकिंग प्लेटफॉर्म ग्रो की पैरेंट कंपनी बिलियनब्रेन गैरेज वेंचर्स लिमिटेड ने बड़ा मुकाम हासिल किया। कंपनी का बाजार पूंजीकरण पहली बार 1 लाख करोड़ रुपए की सीमा पार कर गया। ग्रो के शेयरों में चौथे दिन भी तेजी रही और यह 14.37 फीसदी बढ़कर 169.87 रुपए तक पहुंचा। आईपीओ लिस्टिंग के बाद से ग्रो के शेयर अब तक लगभग 50 फीसदी ऊपर और अपने इश्यू प्राइस से 78 फीसदी से अधिक बढ़ चुके हैं। आईपीओ 4 से 7 नवंबर तक खुला और 95-100 रुपए प्रति शेयर की कीमत तय की गई थी। इसका कुल सब्सक्रिप्शन 17.6 गुना हुआ, जिसमें योग्य संस्थागत खरीदारों ने 22.02 गुना और गैर-संस्थागत निवेशकों ने 14.20 गुना रुचि दिखाई। विशेषज्ञों के अनुसार ग्रो का मजबूत बिजनेस मॉडल, आसान ऐप इंटरफेस और ग्राहक-केंद्रित सेवाएं इसकी सबसे बड़ी ताकत है। कंपनी लगातार नई सुविधाएं जोड़ रही है, जिससे उपयोगकर्ताओं की संख्या और कमाई तेजी से बढ़ रही है। ग्रो अब मार्जिन ट्रेडिंग, शेयरों के बदले लोन, पर्सनल लोन, वेल्थ मैनेजमेंट और इंश्योरेंस जैसी नई सेवाओं का विस्तार कर रही है। शुरुआती चरण में ही ये सेवाएं तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं, भविष्य में इसके और भी बढ़ने की संभावना है।

फिजिक्सवाला के आईपीओ की शेयर बाजार में जोरदार शुरुआत

145 रुपए पर लिस्ट हुए शेयर, हर लॉट पर दिया 4932 रुपए का फायदा

नई दिल्ली एडटेक कंपनी फिजिक्सवाला का आईपीओ के शेयर मंगलवार को शेयर बाजार में जोरदार शुरुआत के साथ लिस्ट हो गए। कंपनी के शेयर एनएसई पर 145 रुपये के भाव पर लिस्ट हुए, यह आईपीओ प्राइस बैंड के अपर एंड 109 रुपये से 36 रुपये 33 फीसदी ज्यादा है। वहीं बीएसई पर कंपनी के शेयर 143 रुपये पर लिस्ट हुए, यह प्राइस बैंड की तुलना में 34 रुपये या 31 फीसदी ज्यादा है। फिजिक्सवाला आईपीओ की लिस्टिंग ग्रे मार्केट अनुमानों से काफी बेहतर रही। लिस्ट होने से पहले ग्रे मार्केट में फिजिक्सवाला आईपीओ के शेयर 123 रुपये पर चल रहे थे। यह प्राइस बैंड से 14 रुपये का प्रीमियम था। इसके साथ निवेशकों को तगड़ा लिस्टिंग गेन भी मिला है। फिजिक्सवाला आईपीओ के एक लॉट में 137 शेयर थे। इस तरह निवेशकों को हर लॉट पर 4,932 रुपये का फायदा हुआ है।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 2 पैसे की बढ़त के साथ ही 88.57 पर बंद हुआ। वहीं शुरुआती कारोबार में आठ पैसे कमजोर होकर 88.67 प्रति डॉलर पर आ गया। वैश्विक व्यापार संबंधी अनिश्चितताओं से भारतीय मुद्रा पर दबाव बढ़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 88.67 प्रति डॉलर पर खुला और फिर 88.69 प्रति डॉलर पर लुढ़क गया। हालांकि बाद में संभलता हुआ 88.68 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से आठ पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.59 पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.43 पर आ गया।

भारत का जीसीसी वर्कफोर्स 2030 तक 3.46 मिलियन के आंकड़े को छूने का अनुमान

नई दिल्ली

58 प्रतिशत से अधिक वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) अब एआई पायलेट से आगे बढ़कर काम कर रहे हैं, इसके साथ भारत में सेक्टर में वर्कफोर्स के 2030 तक 3.46 मिलियन के आंकड़े को छूने का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार, इससे करीब 1.3 मिलियन नए जॉब रोल पैदा करेगा। रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष 2025 में करीब 70 प्रतिशत जीसीसी पहले से ही जेनेरेटिव एआई (जेनएआई) में निवेश कर रहे हैं, जबकि 60 प्रतिशत जीसीसी 2026 तक एक डेडिकेटेड एआई सेफ्टी और गवर्नेंस टीम को सेट अप करने की योजना में हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस गवर्नेंस देश के जीसीसी में तेजी से संस्थागत हो रहे हैं।

अनुमान है कि इसका एक महत्वपूर्ण प्रभाव 2026 में नौकरियों पर दिखेगा, जहां अवसरों में 11 प्रतिशत की बढ़त दिखेगी और सेक्टर में लोगों की संख्या 24 लाख होगी। भारत अपनी जीसीसी 4.0 यात्रा को लेकर क्रिटिकल इंटरसेक्शन पर है, जहां देश स्केल, स्किल और टैलेंट का एक यूनिक तालमेल बना रहा है। आज के समय में जीसीसी न केवल एआई को एक्सप्लोर कर रहे हैं बल्कि कई लोग डिप्लॉय कर चुके हैं और कई डिप्लॉय करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। 33 प्रतिशत जीसीसी ने सेंट्रल एआई कमेटी और सीओई तैयार कर लिए हैं। वहीं, 29 प्रतिशत जीसीसी ऑडिट और कंप्लायंस फ्रेमवर्क के तहत बिजनेस यूनिट के जरिए ओवरसाइट को मैनेज कर रहे हैं।

श्रीलंका को एडीबी से 30 करोड़ डॉलर की वित्तीय मदद मिली

राशि तीन किस्तों में वितरित की जाएगी

कोलंबो श्रीलंका ने मंगलवार को एशियाई विकास बैंक (एडीबी) से 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर की वित्तीय सहायता प्राप्त करने का समझौता किया। वित्त मंत्रालय के अनुसार, यह राशि तीन किस्तों में वितरित की जाएगी। इसका उद्देश्य देश की वित्तीय क्षेत्र की स्थिरता और सुधार को सुदृढ़ करना है, जिससे केंद्रीय बैंक की नियामक क्षमता मजबूत हो सके। इस कार्यक्रम के तहत आर्थिक और सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन सुधारों का समर्थन भी किया जाएगा। इसका लक्ष्य श्रीलंका की अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक स्थिरता प्रदान करना है। एडीबी सहायता का एक हिस्सा त्रिंकोमाली के पूर्वी बंदरगाह क्षेत्र और सिगिरिया के आसपास पर्यटन क्षमता के विकास के लिए लगाया जाएगा। इसमें नीति-आधारित ऋण और निवेश ऋण दोनों शामिल होंगे, जिससे स्थानीय रोजगार और पर्यटन राजस्व में सुधार संभव हो। श्रीलंका 2022 के गंभीर वित्तीय संकट के बाद आईएमएफ समर्थित सुधारों को लागू कर रहा है।

नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 25 दिसंबर से कमर्शियल ऑपरेशन शुरू

मुंबई नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनएमआईए) 25 दिसंबर से अपने कमर्शियल ऑपरेशन शुरू करेगा और पहले दिन करीब 23 विमान उड़ान भरने वाले हैं। इसकी जानकारी एयरपोर्ट की ओर से दी गई। एयरपोर्ट की ओर से बताया गया कि ऑपरेशन शुरू होने के पहले महीने में एनएमआईए 12 घंटे (सुबह 8 बजे से लेकर रात 8 बजे) तक सक्रिय रहेगा और करीब 23 शेड्यूल उड़ानों को प्रति दिन संभालेगा। इस अवधि के दौरान एयरपोर्ट अधिकतम 10 फ्लाइट मूवमेंट प्रतिघंटा संभालेगा। पहले दिन नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट की शुरुआत बेंगलुरु से आने वाली उड़ान इंडिगो से होगी, जो कि एनएमआईए पर सुबह 8 बजे उतरेगी। इसके बाद इंडिगो की उड़ान हैदराबाद के लिए सुबह 8:40 पर उड़ान भरेगी, जो कि इस एयरपोर्ट से पहली कमर्शियल उड़ान होगी। नवी मुंबई एयरपोर्ट ने कहा कि कमर्शियल ऑपरेशन शुरू होने के पहले महीने से ही इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस और अकासा एयर मुंबई को देश के 16 शहरों के कनेक्ट करेंगी। फरवरी 2026 से एयरपोर्ट 24 घंटे ऑपरेट करना शुरू करेगा और करीब 34 उड़ानें प्रतिदिन देखने को मिलेंगी। एयरपोर्ट की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए आधिकारिक तौर पर सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स (सीआईएसएफ) की तैनाती 29 अक्टूबर, 2025 से हो चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 8 अक्टूबर को एनएमआईए का उद्घाटन किया गया था। एनएमआईए, अदाणी एयरपोर्ट्स होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) की सहायक कंपनी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एमआईएएल) और सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ऑफ महाराष्ट्र लिमिटेड (सिडको) के बीच एक पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 277, निफ्टी 103 अंक नीचे आया

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच ही मुनाफावसूली हावी होने से भी बाजार नीचे आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 277.93 अंक नीचे आकर 84,673.02 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 103.40 अंक की गिरावट के साथ ही 25,910.05 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड, टाइटन और मारुति सुजुकी के शेयर लाभ में रहे जबकि टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, ट्रेंट, एचयूएल, एचसीएल टेक, बीईएल और एचडीएफसी बैंक के शेयर नुकसान में रहे। लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी बिकवाली रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 358.50 अंक की गिरावट के साथ 60,822 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 192.85 अंक की गिरावट के साथ 18,154.75 पर बंद हुआ। सेक्टोरल आधार पर आईटी, ऑटो, फार्मा, फाइनेंशियल सर्विसेज, एफएमसीजी, मेटल, रियल्टी, एनर्जी, इन्फ्रा और कमोडिटीज के साथ करीब सभी इंडेक्स गिरावट पर बंद हुए। वैश्विक स्तर पर बिकवाली हावी होने से भारतीय बाजारों पर भी उसका प्रभाव पड़ा है। दबाव बना हुआ है। अमेरिका में दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम होने के कारण भी दुनिया भर के बाजारों पर दबाव बना हुआ है।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुले। वैश्विक बाजारों में गिरावट का असर घरेलू बाजारों पर भी देखने को मिल रहा है। सेंसेक्स 85,042 अंक पर खुला। लेकिन खुलते ही लाल निशान में फिसल गया। सुबह शुरुआत में यह 135.58 अंक की गिरावट लेकर 84,815.37 पर कारोबार कर रहा था। इसी निफ्टी-50 मामूली बढ़त के साथ 26,021 अंक पर खुला। हालांकि, खुलते ही इसमें गिरावट देखने को मिली।

अमेरिकी बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुए। टेक्नोलॉजी शेयरों में कमजोरी ने ब्रोडर इंडेक्स पर दबाव डाला। डाउ जोंस 1.18 फीसदी, एसएंडपी 500 भी 0.92फीसदीकी गिरावट लेकर बंद हुआ और नैस्डैक 0.84फीसदीफिसला। वहीं एशियाई बाजारों में कमजोर कारोबार हुआ। जापान का निक्केई 2.06 फीसदी नीचे था। चीन का सीएसआई 300 इंडेक्स 0.15 फीसदी गिरा। हांगकांग का हैंग सेंग 0.85 फीसदीत टूट गया और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.33 फीसदी गिरा।

आरजे कॉर्प आंध्र प्रदेश के नायडूपेटा में 1,743 करोड़ का सौर प्लांट लगाएगा

राज्य सरकार ने 37 एकड़ भूमि रियायती दर पर दी

नई दिल्ली

कारोबारी समूह आरजे कॉर्प ने हरित ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा निवेश करते हुए सौर विनिर्माण में कदम रख दिया है। समूह की इकाई वोल्टसन लैब्स आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले के नायडूपेटा में 1,743 करोड़ रुपये की लागत से सोलर सेल और मॉड्यूल निर्माण संयंत्र स्थापित करेगी। यह प्लांट नायडूपेटा एमपीएसईजेड में लगाया जाएगा, जिसके लिए राज्य सरकार ने परियोजना को तेजी से शुरू करने हेतु रियायती दर पर 37 एकड़ भूमि आवंटित की है। आरजे कॉर्प दुनिया की सबसे बड़ी पेप्सिको बॉटलर के रूप में जानी जाती है और भारत में केएफसी, पिज्जा हट और कोस्टा कॉफी जैसे प्रमुख क्यूएसआर ब्रांडों का संचालन करती है। समूह का पोर्टफोलियो डेयरी (जर्सी ब्रांड), खाद्य प्रसंस्करण, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, आतिथ्य और रियल एस्टेट तक फैला है, जिसका अनुमानित मूल्यांकन 90,000 करोड़ रुपये से अधिक है। राज्य सरकार के अनुसार, वोल्टसन का यह निवेश न केवल भारत के अक्षय ऊर्जा भविष्य में विश्वास दिखाता है, बल्कि आंध्र प्रदेश की नीतियों, प्रशासन और 'कारोबार करने की नीति' में भरोसा भी दर्शाता है। कंपनी द्वारा विकसित की जा रही यह इकाई 2 गीगावॉट के एकीकृत सोलर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को जन्म देगी। परियोजना को दो चरणों में पूरा किया जाएगा, जहां प्रत्येक चरण में 1 गीगावॉट सौर सेल और 1 गीगावॉट मॉड्यूल क्षमता शामिल होगी। वोल्टसन लैब्स अत्याधुनिक टॉपकॉन मोनोक्रिस्टलाइन और बाइफेसियल तकनीकों का उपयोग करेगी, जिससे भारत में उच्च मूल्य के सौर उत्पादों के विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा।

नई इनकम टैक्स एक्ट में होगा बदलाव, टैक्स फॉर्म होंगे आसान और पारदर्शी

मुंबई भारत में 1 अप्रैल 2026 से पुराने 1961 के इनकम टैक्स एक्ट की जगह इनकम टैक्स एक्ट, 2025 लागू होगा। संसद ने यह कानून 12 अगस्त 2025 को पास किया था। सीबीडीटी के एक प्रमुख अधिकारी ने बताया कि नए कानून के तहत टैक्स रिटर्न फॉर्म और अन्य सभी फॉर्म को पूरी तरह से सरल बनाया जाएगा। सीबीडीटी ने कहा कि नए आईटीआर फॉर्म, टीडीएस की तिमाही रिटर्न और अन्य फॉर्म्स को नए सिरे से डिजाइन किया जा रहा है। डायरेक्टोरेट ऑफ सिस्टम्स और टैक्स पॉलिसी डिवीजन मिलकर काम कर रहे हैं। लक्ष्य है कि जनवरी 2026 तक सारे फॉर्म और नियम तैयार हो जाएं, ताकि टैक्सपेयर अपने सॉफ्टवेयर और प्रक्रिया बदलने के लिए पर्याप्त समय पा सकें। नए फॉर्म कानून विभाग से पास होने के बाद नोटिफाई किए जाएंगे और संसद के सामने रखे जाएंगे। पुराने एक्ट में 819 सेक्शन और 47 चैप्टर थे, जबकि नए कानून में यह घटकर 536 सेक्शन और 23 चैप्टर रह गए हैं। शब्दों की संख्या 5.12 लाख से घटकर 2.6 लाख हो गई है। नए कानून में 39 नई टेबल और 40 नए फॉर्मूला जोड़े गए हैं, जिससे लंबे पैराग्राफ पढ़ने की जरूरत नहीं रहेगी। नए कानून में कोई टैक्स दर नहीं बढ़ाई गई है, केवल भाषा और स्ट्रक्चर सरल किया गया है।

ईसीएमएस के तहत सरकार ने 17 नए विनिर्माण प्रस्तावों को मंजूरी दी

श

नई दिल्ली

सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक पुर्जे विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के तहत मंगलवार को 17 नए आवेदनों को मंजूरी प्रदान की, जिससे योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या बढ़कर 24 हो गई है। इन नई विनिर्माण इकाइयों में कैमरा मॉड्यूल उत्पादन के 3 संयंत्र, मल्टी-लेयर प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (एमएलपीसीबी) के 9 संयंत्र, ऑप्टिकल ट्रांसीवर विनिर्माण की 2 इकाइयां तथा मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में उपयोग होने वाले अहम पुर्जों के निर्माण वाली इकाइयां शामिल हैं। इन परियोजनाओं में कुल 7,172 करोड़ रुपये के निवेश का अनुमान है, जबकि इनसे 65,111 करोड़ रुपये के उत्पादन की संभावना जताई गई है। नए संयंत्र गोवा, जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश सहित 9 राज्यों में स्थापित किए जाएंगे, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और औद्योगिक ढांचे को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। प्रमुख स्वीकृत कंपनियों में एक्वस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, जैबिल सर्किट इंडिया, जेटवर्क की सहायक कंपनियां जेटफैब इंडिया और जेटकेम सप्लाई चेन सर्विसेज, यूनो मिंडा तथा सिरमा एसजीएस की सहायक सिरमा मोबिलिटी शामिल हैं। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि योजना में सभी घटकों को शामिल करने के बजाय सरकार ने एक रणनीतिक दृष्टिकोण अपनाया और केवल उन पुर्जों पर ध्यान केंद्रित किया जो भारत के इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के दीर्घकालिक विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं।

सितंबर तिमाही में तेज हुई प्रवर्तकों की हिस्सेदारी बेचने की रफ्तार

932 सूचीबद्ध कंपनियों के अध्ययन में सामने आई प्रवृति

नई दिल्ली

सितंबर 2024 में समाप्त हुई तिमाही के दौरान प्रवर्तकों द्वारा अपनी हिस्सेदारी बेचने की रफ्तार दूसरी लगातार तिमाही में और तेज हो गई।

विश्लेषण के अनुसार, लगभग 4.6 फीसदी कंपनियों में प्रवर्तकों ने अपनी हिस्सेदारी एक फीसदी या उससे अधिक घटाई। यह बदलाव स्टॉक ऑप्शन जैसे नियमित लेन-देन से अलग उन मामलों को दर्शाता है जहां हिस्सेदारी में महत्वपूर्ण कटौती देखी गई है। यह अध्ययन 932 कंपनियों के दीर्घकालिक शेयरधारिता रिकॉर्ड पर आधारित है, जिनमें बीएसई 500, बीएसई मिडकैप और बीएसई स्मॉलकैप सूचकांकों की कंपनियां शामिल हैं। रिपोर्ट बताती है कि सितंबर तिमाही में बड़े पैमाने पर हिस्सेदारी बिक्री का अनुपात अप्रैल-जून तिमाही की तुलना में अधिक रहा और यह मार्च तिमाही के स्तर से दोगुने से भी ज्यादा पर पहुंच गया। महामारी के बाद आए बाजार उछाल के दौरान ऊंचे मूल्यांकन स्तरों पर की गई बिकवाली की प्रवृत्ति सितंबर 2024 में अपने चरम पर दिखाई दी। बाजार के जानकारों के अनुसार प्रवर्तक हिस्सेदारी में कमी को केवल मूल्यांकन के चरम से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कई प्रवर्तकों की अधिकांश व्यक्तिगत संपत्ति उनकी ही कंपनियों में निवेशित रहती है, इसलिए वे अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने के लिए हिस्सेदारी बेचते हैं। उद्योग से जुड़े लोगों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में प्रवर्तकों के व्यवहार में भी बदलाव आया है। पहले प्रवर्तक अक्सर गैर-पारदर्शी तरीकों से धन निकालते थे, जिससे अल्पांश शेयरधारकों पर असर पड़ता था। अब लाभप्रदता और पारदर्शिता को महत्व मिलने के कारण अधिक मूल्य सृजन हो रहा है, जबकि औपचारिक वेतन के अतिरिक्त नकदी प्राप्त करने की उनकी क्षमता सीमित हुई है।

बायजू अल्फा से गायब करोड़ों! नई याचिका में रवींद्रन पर गंभीर आरोप

ब्रिटेन की खरीद फर्म ओसीआई के साथ हुए एक समझौते से जुड़ा मामला

नई दिल्ली

डेलावेयर दिवालिया अदालत में दायर एक नई याचिका में बड़ा दावा किया गया है कि बायजू अल्फा के लेखे से गायब हुए 53.3 करोड़ डॉलर का बड़ा हिस्सा कथित रूप से 'राउंड-ट्रिपिंग' के जरिए इसके संस्थापक बैजू रवींद्रन और उनके सहयोगियों के पास वापस पहुंचा। यह आरोप उस पहले दिए गए शपथ पत्र से मेल नहीं खाता, जिसमें कहा गया था कि धनराशि का उपयोग वैध कॉरपोरेट आवश्यकताओं के लिए किया गया था।

याचिका वादी बायजू अल्फा के ऋणदाता और हस्तक्षेपकर्ता ग्लास ट्रस्ट कंपनी ने बताया कि यह मामला ब्रिटेन की खरीद फर्म ओसीआई लिमिटेड के साथ हुए एक समझौते से जुड़ा है। इसी कंपनी को विवादित धन का बड़ा हिस्सा मिला था।

ज्ञात हो कि बायजू अल्फा एक विशेष प्रयोजन हेतु बनाई गई कर्ज लेने वाली इकाई, ने टर्म लोन-बी लिया था और वर्तमान में इसका नियंत्रण ऋणदाताओं के पास है। 53.3 करोड़ डॉलर की वसूली के प्रयास में, कंपनी ने ओसीआई लिमिटेड और इसके पूर्व प्रतिनिधि रूपिन बैंकर पर मुकदमा दायर किया है।

समझौते के तहत ओसीआई के संस्थापक ने शपथ पत्र दायर कर कहा कि उन्होंने अल्फा से मिली राशि का पूरा ब्योरा प्रस्तुत किया है। उनकी समीक्षा के अनुसार धनराशि कई चरणों में सिंगापुर स्थित एक कॉरपोरेट इकाई बायजू ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड को ट्रांसफर की गई, जिसका स्वामित्व कथित रूप से बैजू रवींद्रन से जुड़ा है।

याचिका में आरोप है कि यह लेनदेन दर्शाता है कि रवींद्रन कॉरपोरेट संपत्तियों का निजी उपयोग हेतु दुरुपयोग करने की साजिश में शामिल थे।

इसमें कहा गया कि अब जब ओसीआई आगे आ रहा है, तो गायब धन की सच्चाई सामने पड़ रही है यानी अधिकांश धन अंततः रवींद्रन और उनके सहयोगियों को लौटा दिया गया था।

अक्टूबर में भारत के व्यापार घाटे में बड़ी वृद्धि, निर्यात घटा और आयात बढ़ा

व्यापार घाटा 41.68 अरब डॉलर तक पहुंचा, निर्यात में 11.8 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली

वाणिज्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर 2025 में भारत का कुल निर्यात 34.38 अरब डॉलर पर आ गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 11.8 फीसदी कम है। अमेरिका को होने वाले निर्यात में भी गिरावट देखी गई, जो 6.9 अरब डॉलर से घटकर 6.3 अरब डॉलर रह गया। वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और प्रमुख बाजारों में कमजोर मांग के कारण भारतीय उत्पादों की विदेशों में बिक्री प्रभावित हुई है। दूसरी ओर, अक्टूबर में आयात 76.06 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 16.63 फीसदी अधिक है। इसमें सबसे बड़ी हिस्सेदारी कीमती धातुओं, विशेषकर सोने और चांदी के आयात की रही। सोने का आयात 4.92 अरब डॉलर से बढ़कर 14.72 अरब डॉलर हो गया, जबकि चांदी के आयात में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इनकी वजह से कुल आयात पर दबाव बढ़ा और व्यापार घाटा बढ़कर 41.68 अरब डॉलर तक पहुंच गया। हालांकि चालू वित्त वर्ष (अप्रैल-अक्टूबर) के आंकड़े थोड़े संतोषजनक हैं। इस अवधि में कुल निर्यात 0.63 फीसदी बढ़कर 254.25 अरब डॉलर और आयात 6.37 फीसदी बढ़कर 451.08 अरब डॉलर हो गया है।

अब पश्चिम बंगाल में गूंजेगा जंगलराज का मुद्दा

डॉ. आशीष वशिष्ठ

कांग्रेस से निकली ममता बनर्जी ने साल 1998 में तृणमूल कांग्रेस का गठन किया। 13 साल बाद 2011 में ममता बनर्जी ने पहली बार पश्चिम बंगाल की सत्ता हासिल की। टीएमसी ने पश्चिम बंगाल में 34 साल पुराने लेफ्ट के किले को ढहाया था। इस चुनाव में टीएमसी को 184 सीटें मिली थीं।

बिहार में 1990-2005 के दौरान लालू यादव-राबड़ी देवी का शासन था। उनके ही शासन को जंगल राज कहा गया। दरअसल 5 अगस्त 1997 को एक याचिका पर सुनवाई के दौरान पटना हाईकोर्ट ने पहली बार बिहार में जंगलराज कहा था। पटना हाईकोर्ट ने तब कहा था- 'बिहार में सरकार नहीं है, बिहार में जंगलराज कायम हो गया है। उस दौर में अपराध के बढ़ते ग्राफ और बाहुबलियों के दबदबे के कारण हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी की थी। तब से समय-समय पर बिहार में यह गूंजता रहता है। बिहार में तो जंगल राज अब तकिया कलाम बन गया है। बात-बात में लोग जंगल राज का जिक्र करते हैं।

पटना हाईकोर्ट की टिप्पणी के 25 वर्ष बाद वर्ष 2023 में पश्चिम बंगाल के लिए पहली बार इसका प्रयोग हुआ है। संयोगवश बिहार के लिए इसका प्रयोग भी हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने ही किया था और अब बंगाल के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट ने ही इसका प्रयोग किया है। कलकत्ता हाईकोर्ट में 13 जनवरी 2023 को जस्टिस विश्वजीत बोस के सामने एक शिक्षक के तबादले का मामला सुनवाई के लिए आया। जस्टिस ने कहा कि यह जंगलराज ही होगा कि जिसकी जो मर्जी, उसी के मुताबिक काम होने लगे। ऐसा नहीं चलेगा। जिस स्कूल में शिक्षक नहीं हैं, वहीं तबादला होगा। तबादले के बाद हफ्ते भर में शिक्षकों को ज्वाइनिंग देनी होगी।

जंगलराज पर बात करने का ताजा संदर्भ यह है कि बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिली प्रचण्ड जीत के बाद नई दिल्ली में पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने बिहार की ऐतिहासिक जीत को बंगाल में भाजपा की सफलता का मार्ग बताया। उन्होंने पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनाव में जंगलराज समाप्त करने का संकल्प व्यक्त किया है। पीएम मोदी के इस बयान के बड़े मायने हैं। बिहार विधानसभा चुनाव में भी प्रधानमंत्री मोदी ने चुनाव सभाओं में जंगल राज का मुद्दा जोर-शोर से उठाया। अब बारी पश्चिम बंगाल की है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव अगले साल मार्च-अप्रैल में प्रस्तावित है।

कांग्रेस से निकली ममता बनर्जी ने साल 1998 में तृणमूल कांग्रेस का गठन किया। 13 साल बाद 2011 में ममता बनर्जी ने पहली बार पश्चिम बंगाल की सत्ता हासिल की। टीएमसी ने पश्चिम बंगाल में 34 साल पुराने लेफ्ट के किले को ढहाया था। इस चुनाव में टीएमसी को 184 सीटें मिली थीं। ममता बनर्जी पहली बार राज्य की सीएम बनी। 2016 में फिर से ममता ने जीत हासिल की। तब पार्टी को 211 सीटों के साथ मुख्यमंत्री की कुर्सी पर आसीन हुई। 2021 में लगातार तीसरी बार टीएमसी ने जीत हासिल की थी। टीएमसी ने 215 सीटें जीती थीं। ममता बनर्जी की अगुवाई वाली टीएमसी राज्य में जीत की हैट्रिक जड़ चुकी है। 2026 के चुनावों में टीएमसी का मुकाबला बीजेपी से होगा।

पिछले डेढ़ दशक के टीएमसी के शासन में चुनावी हिंसा से लेकर, विपक्ष खासकर बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ हिंसा और हत्या, महिला शोषण व अत्याचार के साथ भ्रष्टाचार के गंभीर मामले प्रकाश में आए हैं। ममता सरकार संवैधानिक संस्थाओं पर लगातार निशाना साधती रही है। ममता सरकार के कई मंत्री भ्रष्टाचार के मामलों में घिरे हुए हैं। पश्चिम बंगाल में सीबीआई ने शिक्षक नियुक्ति में महा घोटाले को उजागर किया है। इसी मामले में राज्य के शिक्षा मंत्री समेत कई अधिकारी आरोपी हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट ने तो सैकड़ों नियुक्तियां रद्द भी की हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट भी ममता सरकार के खिलाफ लगातार सख्त रुख अपनाए हुए हैं। संदेशखाली हो या फिर अभी हाल ही में मेडिकल कॉलेज की छात्रा से बलात्कार का मामला प्रदेश सरकार के उदासीन रवैये और बयानबाजी से आमजन अंदर ही अंदर बेहद नाराज है।

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े बताते हैं कि चुनाव के वक्त सबसे ज्यादा हिंसा पश्चिम बंगाल में ही होती है। दरअसल, इस राज्य में दंभ के स्वरों की गिनती में हिंसा का शीर्ष स्थान है और हिंसा को हमेशा शक्ति प्रदर्शन की श्रेणी में रखा गया। चाहे वह लोकसभा चुनाव हो या पंचायत चुनाव हो! चाहे आम चुनाव हो या उप चुनाव ही क्यों न हो! चाहे वह प्री पोल वायलेंस हो या पोस्ट पोल वायलेंस! पश्चिम बंगाल में चुनाव और हिंसा की गठरी हमेशा बंधी रही।

एनसीआरबी की उसी रिपोर्ट में कहा गया था कि साल 1999 से 2016 के बीच पश्चिम बंगाल में हर साल औसतन 20 राजनीतिक हत्याएं हुई हैं। इनमें सबसे ज्यादा 50 हत्याएं 2009 में हुईं। जबकि, उस साल अगस्त में सीपीएम ने एक पर्चा जारी कर दावा किया था कि 2 मार्च से 21 जुलाई के बीच तृणमूल कांग्रेस ने 62 काडरों की हत्या कर दी। हिंसा का जहां तक सवाल है, खासकर 2018 पंचायत चुनाव से 2021 के विधानसभा चुनाव तक राज्य में काफी हिंसा देखने को मिली। खासकर विधानसभा चुनाव के बाद होने वाली हिंसा और कथित राजनीतिक हत्याओं की घटनाओं ने तो काफी सुर्खियां बटोरी थी। फिलहाल पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की टीएमसी का राज है और विपक्ष की भूमिका में बीजेपी है।

पश्चिम बंगाल में 2018 के पंचायत चुनाव के दौरान 23 राजनीतिक हत्याएं हुई थी। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़े प्रमाण के तौर पर पेश किए जाते हैं। एनसीआरबी ने अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया था कि साल 2010 से 2019 के बीच राज्य में 161 राजनीतिक हत्याएं हुईं और देश में बंगाल इस मामले में पहले स्थान पर था।

2014 के लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल की दो लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज करने के बाद बीजेपी ने राज्य में ममता बनर्जी को चुनौती देना शुरू कर दिया। 2016 के चुनाव में हालांकि बीजेपी को महज तीन सीटें मिलीं, लेकिन उसका वोट शेयर 4 फीसदी से बढ़कर 10 फीसदी पर पहुंच गया। बीजेपी को पश्चिम बंगाल में असल कामयाबी 2019 के लोकसभा चुनाव में मिली जब वो राज्य की 42 में 18 सीटों पर जीत दर्ज करने में कामयाब रही। लेकिन 2021 में ममता बनर्जी ने अपना किला बचाए रखा और राज्य की 294 विधानसभा सीटों में से 215 पर जीत दर्ज की, हालांकि लेफ्ट और कांग्रेस को पछाड़ते हुए बीजेपी 77 सीटें जीतकर राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी बन गई। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में अपनी स्थिति मजबूत की और 42 में से 29 सीटों पर जीत दर्ज की। बीजेपी को 6 सीटों का नुकसान हुआ और वह 12 सीटों पर सिमट गई। 2011 में लेफ्ट सरकार के पतन के बाद लोगों को उम्मीद जगी कि अब सरकार बदलने के बाद पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा खत्म हो जाएगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। पंचायत चुनाव हो या विधानसभा-लोकसभा चुनाव, पश्चिम बंगाल में हिंसा कम नहीं हुई। अब तो बिना किसी चुनाव के भी राजनीतिक कार्यकर्ताओं की हत्या और उन पर हमला आम बात हो गई है। जबकि 1977 में कांग्रेस और 2011 में लेफ्ट फ्रंट सरकार की विदाई के पीछे कई वजहों में मुख्य वजह राजनीतिक हिंसा भी थी। ऐसे में आखिर कैसे बदलेगी यह तस्वीर!

बीजेपी पिछले लंबे समय से पश्चिम बंगाल में जंगलराज का मुद्दा उठाती रही है। पीएम के बयान के बाद ये बात साफ हो गई है कि 2026 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी जंगलराज का मुद्दा जोर शोर से उठाएगी। जिस तरह की गंभीर घटनाएं पिछले डेढ़ दशक में पश्चिम बंगाल में घटी है, उसके चलते टीएमसी के लिए पलटवार करना आसान नहीं होगा। 2026 में ममता पश्चिम बंगाल की सत्ता से बेदखल होंगी या बीजेपी सरकार बनाएगी ये तो आने वाले समय ही बताएगा। फिलहाल पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल चुनाव की टोन सेट कर दी है।

संपादकीय

ट्रंप ने फोड़ा परमाणु बम!

नोबेल शांति पुरस्कार की चाहत रखने वाले और तमाम झूठ-प्रपंच का सहारा लेने वाले अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप क्या सार्वजनिक बयान देकर दुनिया को बताएंगे कि अमरीका ने एक और परमाणु बम परीक्षण किया है? परमाणु परीक्षण 19-21 अगस्त के बीच किया गया, जबकि अलास्का में 15 अगस्त को राष्ट्रपति ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति पुतिन की मुलाकात हुई और लंबी बातचीत भी हुई, लेकिन 14 नवंबर को यह खबर सामने क्यों लाई गई कि अमरीका ने नेवादा के मरुस्थली रेत वाले टोनोपा टेस्ट रेंज में परमाणु बम का परीक्षण किया? तीन महीने तक परीक्षण को छिपा कर क्यों रखा गया? परीक्षण किए गए बम को बी 61-12 ग्रेविटी परमाणु बम नाम दिया गया है। यह जापान के हिरोशिमा पर 1945 में गिराए गए एटम बम से 24 फीसदी अधिक ताकतवर बम बताया जा रहा है। हिरोशिमा बम हमले में 1.40 लाख लोग मारे गए थे। करीब 38,000 बच्चों की भी अकाल मौत हुई थी। 1945 के बाद एक बेहद लंबा वक्त बीत चुका है। क्या अमरीका ने परमाणु परीक्षण कर एक बार फिर परमाणु हथियारों की होड़ शुरू कर दी है और दुनिया को 'परमाणु युद्ध' के मुहाने पर ला खड़ा किया है? बीते दिनों रूस ने बुरेवेस्निक और पोसाइडन सरीखी विनाशकारी मिसाइलों के परीक्षण किए थे, तो राष्ट्रपति ट्रंप ने कड़ी आलोचना की थी और अमरीका द्वारा परमाणु परीक्षण करने की लगातार धमकी दी थी। राष्ट्रपति ट्रंप ने यहां तक बयान दिया था कि रूस, चीन, उत्तरी कोरिया, पाकिस्तान जैसे देश लगातार परमाणु परीक्षण कर रहे हैं और ये परीक्षण भूमि के नीचे किए जाते हैं। यदि जमीन हिलती है, तो उसे भूकंप करार दिया जाता है। बहरहाल यह सच अब सामने आया है कि अमरीका तो अगस्त में ही परमाणु बम का परीक्षण कर चुका है और परीक्षण के वीडियो 'पेंटागन' को भेजे गए हैं। यह परीक्षण राष्ट्रपति ट्रंप की अनुमति के बाद ही किया गया है। यह कथित परमाणु बम एफ-35 लड़ाकू विमान से गिराया गया और एरिया-51 में 'सीक्रेट टेस्ट' किया गया, जो पूर्णतः सफल रहा। यही नहीं, एटम बम के उपकरणों के भी परीक्षण किए गए। अमरीका ने 1992 में अपना पहला परमाणु परीक्षण किया था। उससे पहले 1990 में सोवियत संघ परमाणु परीक्षण कर चुका था। 1996 में चीन और फ्रांस ने अपने परमाणु परीक्षण किए। भारत और पाकिस्तान ने मई, 1998 में परीक्षण किए। उसी दौर में परमाणु परीक्षण पर व्यापक और आंशिक प्रतिबंध लगाने वाली संधियां हुईं, हालांकि भारत ने सीटीबीटी पर हस्ताक्षर नहीं किए। बहरहाल अमरीका के पास तो 1945 में ही ऐसा एटम बम था, जिसने हिरोशिमा और नागासाकी सरीखे जापानी शहरों को मिट्टी-मलबा बना दिया था। लाखों मासूम और अकाल मौतें हुईं और कई पीढ़ियों तक उस परमाणु हमले के प्रभाव देखे गए। पीढ़ियां विकलांग और बीमार पैदा होती रहीं, लिहाजा सवाल बेहद गंभीर और संवेदनशील है कि यदि 33 लंबे सालों के बाद अमरीका ने परमाणु बम का परीक्षण किया है, तो मौजूदा दौर में परमाणु बम कितना विनाशकारी, नरसंहारी साबित हो सकता है? सन्नाटे और रेत के मैदानों के बीच किए गए इस परीक्षण को 'ऑपरेशन शैडो ड्रॉप' कूटनाम दिया गया।

चिंतन-मनन

आहार का असर

आदमी बीमार हो गया। रक्त चढ़ाने की जरूरत हुई। डॉक्टर रक्त चढ़ाता है, तो पहले वह ग्रुप मिलाता है। किस ग्रुप का रक्त है? ठीक मिलेगा या नहीं? सेठ को रक्त चढ़ाना था- एक कंजूस आदमी का रक्त ठीक मिला, चढ़ाया गया। सेठ को पता चला कि उसको कंजूस का रक्त चढ़ाया जा रहा है। सेठ बड़ा उदार था। अपने मुनीम को कहा, उसको तीन हजार रुपए दे दो। भाग्य की बात, दूसरी बार फिर खून चढ़ाने की जरूरत हुई। उसी कंजूस का रक्त। सेठ ने कहा, उसे सौ रुपए दे दो। तीसरी बार जरूरत हुई तो सेठ ने एक कागज लिया और उस पर लिखा साधुवाद, धन्यवाद!

ऐसा क्यों हुआ? सेठ तो उदार था, किन्तु जिसका रक्त चढ़ाया जा रहा था, वह कंजूस था। उसका इतना प्रभाव हुआ कि जब तक रक्त का पूरा प्रभाव नहीं हुआ तो तीन हजार रुपए दिए, थोड़ा प्रभाव हुआ तो सौ रुपए और पूरा प्रभाव हुआ तो धन्यवाद दिया। कहने का अर्थ यह कि चाहे रक्त हो, चाहे कोई दूसरी वस्तु हो, हमारे शरीर में बाहर के जो परमाणु प्रवेश पाते हैं, वे परमाणु जिस प्रकार के होते हैं, अपना प्रभाव डाले बिना नहीं रहते। इसलिए यह विषय हमारे लिए इतना महत्व का है कि बाहर से क्या आ रहा है, हम पूरा विवेक करें, पूरी छानबीन करें, तब ही किसी बात को स्वीकार करें। हम इस बात को अस्वीकार नहीं करेंगे कि भोजन के परमाणुओं में अनेक तत्व विद्यमान होते हैं, अनेक संस्कार मिले होते हैं। उन संस्कारों का असर हमारे जीवन के दैनिक क्रियाकलापों पर पड़ता है। इससे हम अछूते नहीं रह सकते।

न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने सारी दुनिया को दिखाई राह

सनत जैन

अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान मम्दानी ने पूंजीवाद के खिलाफ समाजवाद का एक नया रास्ता लोकतांत्रिक देशों को दिखाया है। जिसके कारण सारी दुनिया में उनकी चर्चा हो रही है। अमेरिका जैसे देश में पूंजीवाद के कारण आम लोगों का जीवन बद से बदतर होता जा रहा था। ऐसे समय में सामान्य व्यक्ति जनता की लड़ाई लड़ने के लिए अमेरिका की सड़कों पर उतरा। उसे सभी वर्गों का समर्थन मिला। पहले ही चुनाव में उसे 50 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल हुए। ममदानी की जीत ने सारी दुनिया को आर्थिक मामलों में नया रास्ता दिखाया है। पूंजी के संतुलित वितरण का नया रास्ता तैयार किया है।

ममदानी को अपनी ही डेमोक्रेटिक पार्टी से समर्थन नहीं मिला। उनके पास चुनाव लड़ने के लिए पैसे नहीं थे। उसके बाद भी, वह पैदल न्यूयॉर्क की सड़कों पर निकले, उन्होंने जनता के मुद्दों को उठाया। उनका निराकरण करने का तरीका बताया। आम जनता का उन्हें समर्थन और चंदा दोनों ही मिला। अमेरिका में नस्लभेदी और धार्मिक ध्रुवीकरण के बाद भी जिस तरह से उन्होंने जीत हासिल की है। उसकी सारी दुनिया में चर्चा हो रही है। 18 से 29 वर्ष के 78 फीसदी से ज्यादा नौजवानों ने उन्हे वोट दिया। न्यूयॉर्क में जिनकी आय सालाना 50000 डॉलर से कम थी। उनका ममदानी को बिना किसी भेदभाव के भारी समर्थन मिला। मकान किराया, बच्चों की पढ़ाई तथा सार्वजनिक सेवाओं में जिस तरह से मध्यम और निम्न वर्ग को प्रताड़ना झेलनी पड़ रही है। ममदानी उनकी आवाज बने। न्यूयॉर्क में गरीब और मध्यम वर्ग आसानी से अपना जीवन यापन नहीं कर पा रहा है। वह दिनों दिन गरीब हो रहा है। पूंजीपति बड़ी तेजी के साथ अपनी पूंजी में इजाफा कर रहे है। शेयर बाजार में सट्टेबाजी हो रही है। महंगाई लगातार बढ़ रही है। निम्न एवं मध्यवर्ग की आय घटती जा रही है। बेरोजगारी तेजी के साथ अमेरिका एवं न्यूयॉर्क में बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में ममदानी न्यूयॉर्क की आम जनता के लिए सर्वमान्य नेता बनके उभरे हैं। ममदानी भारतीय मूल के हैं। उनकी मां हिंदू है, पिता मुस्लिम है, पत्नी ईसाई है।वह युवा हैं। सभी वर्ग के लोगों को साथ लेकर चलने का संस्कार उनमें है। किसी भी वर्ग से उनका कोई टकराव नहीं है। सही मायने में भारतीय संस्कार ममदानी में पूरी तरह से देखने को मिलते हैं।यही उनकी सफलता का सबसे बड़ा राज भी है। वर्तमान में जब सारी दुनिया पूंजीवाद के पीछे पागल है। सारी दुनिया के देशों के राजनेता पूंजीपतियों के पीछे हाथ बांधकर खड़े रहते हैं। ऐसे समय पर ममदानी ने बेहतर सामाजिक व्यवस्था के लिए भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के रास्ते पर चलने का निर्णय लिया। उन्होंने मेयर पद के चुनाव में एक ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तथा अमेरिका और न्यूयॉर्क के पूंजीपतियों ने उनका विरोध किया था। उनकी ही डेमोक्रेटिक पार्टी ने उन्हें समर्थन नहीं दिया। इसके बाद भी वह अपने आत्मविश्वास के बल पर जनता के हीरो बनकर सामने आए हैं। युवाओं में वह बहुत तेजी के साथ लोकप्रिय हो रहे हैं। जब सारी दुनिया के देशों में महंगाई-बेरोजगारी का शिकार हुई है। दुनिया के बहुत सारे देश आर्थिक दुर्दशा के शिकार हैं। उनके ऊपर भारी कर्ज है। ऐसी स्थिति में ममदानी सारी दुनिया के लिए एक आदर्श के रूप में सामने आए हैं। इसका असर दुनिया के कई देशों में देखने को मिल रहा है। दुनिया के कई देशों में युवा आंदोलनरत होकर सड़कों पर हैं। उनके बीच में ममदानी अच्छे खासे लोकप्रिय हो रहे हैं। सही मायने में पूंजीवाद की पराकाष्ठा के चलते ममदानी ने गरीब और मध्यम वर्ग के लिए एक नया आर्थिक दृष्टिकोण न्यूयॉर्क में दिया है। जिसकी दुनिया भर में प्रशंसा हो रही है। जनवरी माह में वह मेयर पद की शपथ लेंगे। उनकी जीत के बाद सारी दुनिया के देशों के सत्ताधीशों की सोच में बदलाव देखने को मिल रहा है। सत्ता में बैठे हुए लोग अब गरीब और मध्यवर्ग की बात करने लगे हैं। मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए यह एक बेहतर प्रयास माना जा रहा है। जो काम भारत के सत्ताधीशों को करना चाहिए था। भारत अपनी ही नीतियों से भटक गया। न्यूयार्क में ममदानी ने जवाहरलाल नेहरू द्वारा बताए गए रास्ते पर चलकर एक बार फिर सारी दुनिया को समाजवाद के रास्ते को दिखाने का काम किया है। वह पूंजीवाद का विरोध नहीं कर रहे हैं, वह साम्यवाद का भी विरोध नहीं कर रहे हैं। उन्होंने समाज के सभी वर्गों के लिये मिश्रित अर्थ व्यवस्था के योगदान को स्वीकार करते हुए, बेहतर मानव जीवन की कल्पना की है। बिना किसी टकराव के उन्होंने जनहित में जो काम शुरू किया है। उसमें उन्हें सफलता मिलेगी। इसका असर दुनिया के अन्य देशों पर भी पड़ेगा। पूंजीवाद धीरे-धीरे कमजोर होगा। पूंजीपति भी अपने सामाजिक उत्तरदायित्व और पूरा करेगें, यही आशा की नई किरण ममदानी ने जताई।

भविष्य की धड़कनः बच्चे - हमारी सुरक्षा, हमारा कर्तव्य

दिलीप कुमार पाठक

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 18 नवंबर को बाल यौन शोषण, उत्पीड़न और हिंसा की रोकथाम और उपचार को विश्व दिवस के रूप में घोषित किया है। इस दिन का उद्देश्य बाल यौन शोषण को वैश्विक स्तर पर उठाने एवं लोगों को जागरूक करने के लिए उठाया गया सकारात्मक सोच का प्रतीक है ' विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल लाखों बच्चे यौन हिंसा का अनुभव करते हैं। यह शोषण हमारे आसपास भी खूब दिखता है, बस हमें देखने की दृष्टि चाहिए ' इसलिए ये संकल्प सभी सदस्य देशों, संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के निर्वाचित व्यक्तियों और अन्य साझीदारों, विश्व नेताओं, अभिनेता नागरिको समाज और अन्य संबंधित लोगों को इस विश्व दिवस पर इस तरह से शपथ लेने के लिए आमंत्रित करता है '

यह बाल यौन शोषण से प्रभावित लोगों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने और बाल यौन शोषण, भेदभाव और हिंसा को रोकने और समाप्त करने की आवश्यकता एवं जवाबदेही ठहराने को मान्यता देता है। इस प्रस्ताव को अफ्रीकी देश सिएरा लियोन और नाइजीरिया ने रखा था और 110 से अधिक देशों ने इसका समर्थन किया था। इसे तालियों की गड़गड़ाहट के बीच आम सहमति से पारित किया गया। प्रस्ताव पेश करने वाली सिएरा लियोन की प्रथम महिला फातिमा माडा बायो ने बाल यौन शोषण को ए जघन्य अपराध करार दिया। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने आज बच्चों के खिलाफ हो रही हिंसा, शोषण, दुर्व्यवहार, तस्करी, यातना और हानिकारक प्रथाओं को रोकने के लिए और भी तेजी से काम करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि जो बच्चे पीड़ित हुए हैं या बच गए हैं, उन्हें इलाज और न्याय मिलना बहुत जरूरी है। बाल यौन शोषण, दुर्व्यवहार और हिंसा एक गंभीर समस्या है जो पूरी दुनिया में फैली हुई है। लाखों बच्चे इसके शिकार हो रहे हैं। हमें मिलकर इन अपराधों को रोकना होगा, बच्चों को सुरक्षित रखना होगा, और जो लोग ऐसा करते हैं उन्हें सजा दिलानी होगी - चाहे वो ऑनलाइन हो या ऑफलाइन। कोविड-19, युद्ध, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं जैसी बड़ी चुनौतियों के समय में, गरीबी बढ़ रही है, जिससे लोगों के साथ भेदभाव हो रहा है। इन सब से बच्चों की स्थिति और भी खराब हो रही है, और वे शोषण, दुर्व्यवहार और हिंसा का शिकार हो रहे हैं। जो बच्चे इन अपराधों का शिकार होते हैं, उनकी शारीरिक, मानसिक और यौन सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ता है, और उनकी पूरी जिंदगी प्रभावित हो सकती है। यह उनके लिए यातना जैसा ही है, हमें इन समस्याओं को रोकने के लिए और भी काम करना होगा।

यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, 2012, बच्चों को यौन शोषण, शोषण और उत्पीड़न से बचाने के लिए एक भारतीय कानून है, लेकिन जन जाग्रति के बिना ये कानून काफी नहीं है ' यूएनओ के आंकड़े बताते हैं कि दुनिया भर में, 20 वर्ष से कम आयु की लगभग 120 मिलियन बच्चियों ने विभिन्न प्रकार के जबरन यौन शोषण का अनुभव किया है। उच्च और मध्यम आय वर्ग में यौन हिंसा से पता चलता है कि लड़कियों में इसका प्रचलन 8 से 31 प्रतिशत और 18 वर्ष से कम आयु के लड़कों में 3 से 17 प्रतिशत है। 5 वर्ष से कम आयु के 4 में से 1 बच्चा ऐसी माँ के साथ रहता है जो अंतरंग साथी हिंसा की शिकार है।

अक्सर एक बच्चा पीड़ित होने के डर से बात नहीं कर सकता, वो शर्म और शर्मिंदगी भी महसूस कर सकता है ' यही कारण है कि वयस्कों और विशेष रूप से माता-पिता के लिए इन शारीरिक और मनोवैज्ञानिक दुर्व्यवहारों के खिलाफ सजग रहना जरूरी है ' जानबूझकर या अनजाने में किसी बच्चे को नुकसान पहुंचाना, जिससे उन्हें दीर्घकालिक शारीरिक चोट या मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं, इसे भी शारीरिक शोषण के रूप में चिन्हित किया गया है ' भावनात्मक दुर्व्यवहार का एक गैर-शारीरिक रूप है जिसमें मनोवैज्ञानिक या मौखिक दुर्व्यवहार शामिल हो सकता है ' इस प्रकार का दुर्व्यवहार एक बच्चे को अवांछित, बेकार और प्यार रहित महसूस कराता है ' इसमें ऐसे शब्द और कार्य शामिल हो सकते हैं, जो बच्चों में कम आत्मविश्वास, तनाव, चिंता, अवसाद और अनुशासनहीनता के कारण भावनात्मक क्षति का कारण बनते हैं '

विभिन्न प्रकार के बाल शोषण के बारे में स्वयं को शिक्षित करना सुनिश्चित करना जरूरी है ' अपने बच्चों से बात करने से न शर्माएं, बल्कि यह भी सुनिश्चित करें कि आप उनके पर्सनल स्पेस पर आक्रमण न करें ' बच्चों को उनके अधिकारों के बारे में शिक्षित करें ' बच्चों से उचित और अनुचित व्यवहार के बारे में बात करें ' बच्चे को बताएं कि आप उनके लिए हमेशा मौजूद हैं और प्रोडक्टिव बातचीत को प्रोत्साहित करें ' यदि आप दुर्व्यवहार की कोई घटना देखते हैं, तो तुरंत इसकी रिपोर्ट करें या जांच की मांग करें, बच्चे भगवान का रूप होते हैं हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम उनकी रक्षा करें '

(लेखक पत्रकार हैं)

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP,Run by Vananchal Media & Wefare Trust, behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI- 834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

फरहान अख्तर ने बताया फिल्म 120 बहादुर ने कैसे बदला उनका नजरिया

फिल्म 'लक्ष्य' को फरहान अख्तर ने निर्देशित किया था, इस फिल्म ने सेना की अहमियत और देशभक्ति के मायने लोगों को समझाए थे। अब फरहान अख्तर बतौर एक्टर फिल्म '120 बहादुर' में काम कर रहे हैं। जल्द यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसी फिल्म से जुड़े एक इंटरव्यू में फरहान अख्तर ने असल देशभक्ति के मायने बताए।

फरहान की नजर में क्या है देशभक्ति

जस्ट टू फिल्मी को दिए गए इंटरव्यू में फरहान अख्तर कहते हैं, 'देशभक्ति बहुत खूबसूरत अहसास है, लेकिन अंधराष्ट्रवाद बहुत बुरी चीज है। मेरा मानना है कि जब हमारे सैनिक पूरी ईमानदारी से अपना काम करते हैं, तो उनको कुछ कहने की जरूरत नहीं होती है। उनके काम, फैसले ही देशभक्ति को, देश के लिए वफादारी को दिखाते हैं। हमारी फिल्म भी ऐसी ही सच्चाई को बयां करती है।'

'120 बहादुर' से क्या सीखा?

फरहान अख्तर इंटरव्यू में आगे कहते हैं, 'जब मैं फिल्म की तैयारियों के लिए मेजर शैतान सिंह के बेटे से मिला तो उन्होंने बताया कि वह हमेशा मुस्कुराते रहते थे। यहां तक कि मुश्किल वक्त में भी उनके चेहरे पर मुस्कान रहती थी। इससे उनकी नेचर और लीडरशिप क्वालिटी के बारे में पता चला।' फरहान ने आगे कहा, 'हमारी फिल्म की कहानी बहुत कुछ सिखाती है। '120 बहादुर' बताती है कि कोई भी लड़ाई अकेले नहीं जीती जाती है। सही लीडरशिप और साथ मिलकर दिखाए गए साहस से ऐसा मुमकिन होता है।'

क्या है फिल्म की कहानी?

फरहान अख्तर की फिल्म '120 बहादुर' की कहानी 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान रेजांग ला की लड़ाई पर आधारित है। इस लड़ाई में 13 कुमाऊं रेजिमेंट के लगभग 120 भारतीय सैनिकों ने मेजर शैतान सिंह भाटी के नेतृत्व में 3,000 से अधिक चीनी सैनिकों का बहादुरी से सामना किया था। अंतिम सांस तक अपनी चौकी की रक्षा की। फिल्म में फरहान मेजर शैतान सिंह भाटी के किरदार में ही नजर आएंगे। यह फिल्म 21 नवंबर को रिलीज होने वाली है।

मां बनने के बाद बदलीं हैं कई चीजें

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण के आठ घंटे काम की मांग करने के बाद इंडस्ट्री में एक बहस लगातार छिड़ी है। हालांकि, इसके बाद दीपिका के हाथ से 'स्पिरिट' और 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल जैसी बड़ी फिल्में भी चली गईं। लेकिन दीपिका अपनी अपनी मांग पर कायम है और उन्हें इंडस्ट्री के भी कई लोगों का समर्थन मिला है। दीपिका ने ये फैसला अपनी बेटी दुआ के होने के बाद लिया है।

जरूरत से ज्यादा काम करने को हमने सामान्य बना दिया

दीपिका का कहना है कि नई मांओं को काम पर लौटने के लिए सहयोग की जरूरत होती है। इसी वजह से उन्होंने ऐसा फैसला लिया है। हार्पर बाजार इंडिया के साथ बातचीत में अपने रुख को स्पष्ट करते हुए दीपिका ने कहा कि हमने जरूरत से ज्यादा काम करना सामान्य मान लिया है। हम थकान को प्रतिबद्धता समझने की भूल करते हैं। इंसान के शरीर और दिमाग के लिए दिन में आठ घंटे काम करना काफी है। मैं इसी पर ध्यान केंद्रित करना चाहती हूं। सिर्फ स्वस्थ रहने पर ही आप अपना सर्वश्रेष्ठ दे सकते हैं। एक थके हुए व्यक्ति को वापस काम पर लाने से किसी को कोई फायदा नहीं होता। मेरे अपने ऑफिस में हम सोमवार से शुक्रवार तक दिन में आठ घंटे काम करते हैं। हमारे यहां मैटरनिटी और पैटरनिटी को लेकर नीतियां हैं। हमें बच्चों को काम पर लाना सामान्य बनाना चाहिए।

मां बनने के बाद बदली प्राथमिकताएं बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने बताया कि कैसे मां बनने के बाद उनकी प्राथमिकता बदल गई है। उन्होंने कहा कि आज मेरे लिए सफलता शारीरिक और इमोशनल रूप से फिट रहना है। समय हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। मैं इसे कैसे खर्च करती हूं, किसके साथ खर्च करती हूं। यह तय करने की आजादी होना ही मेरे लिए सबसे बड़ी सफलता है।

'किंग' में शाहरुख के साथ नजर आएंगी दीपिका

वर्कफ्रंट की बात करें तो दीपिका इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'किंग' की शूटिंग कर रही हैं। इस फिल्म में वो शाहरुख खान के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा उनके पास एटली और अल्लू अर्जुन की आगामी फिल्म भी है। वह एक बड़े बजट की फिल्म है। फिल्म को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

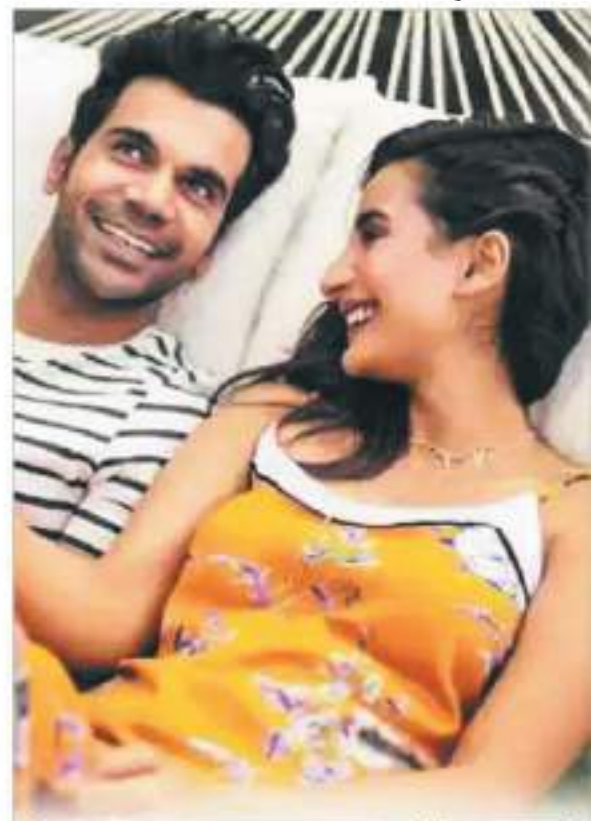

राजकुमार राव और पत्रलेखा के घर आई नन्हीं परी

अभिनेता राजकुमार राव और उनकी पत्नी पत्रलेखा के घर नन्ही परी का आगमन हुआ है। पत्रलेखा ने बेबी गर्ल को जन्म दिया है। राजकुमार राव ने सुबह-सुबह ही ये गुड न्यूज अपने फैंस के साथ सोशल मीडिया के जरिए शेयर की है। फैंस कपल को ढेर सारी बधाइयां दे रहे हैं। राजकुमार राव ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। पोस्टर में एक बेबी यूनिकॉर्न बना है और उस पर लिखा है, आज हम खुद को चांद से भी परे महसूस कर रहे हैं, क्योंकि आशीर्वाद के रूप में हमारे घर बेबी गर्ल आई है। उन्होंने फोटो के कैप्शन में लिखा, भगवान ने हमें हमारी चौथी शादी की सालगिरह पर सबसे बड़ा आशीर्वाद दिया है। बता दें कि 15 नवंबर 2021 को राजकुमार राव और पत्रलेखा ने एक निजी समारोह में चंडीगढ़ में शादी की थी। शादी में परिवार के सदस्य और करीबी दोस्त ही शामिल हुए थे। राजकुमार राव और पत्रलेखा 11 साल के लंबे रिश्ते के बाद शादी के बंधन में बंधे थे। सोशल मीडिया पर दोनों की शादी की फोटोज ने फैंस को खुश कर दिया था। अब चार साल बाद शादी की सालगिरह पर ही उनके घर बड़ी खुशी आई है।

खबर सामने आने पर बॉलीवुड स्टार्स ने भी कपल को बधाई देना शुरू कर दिया है। वरुण धवन ने पोस्ट कर कमेंट कर लिखा, आपका गर्ल क्लब में स्वागत है दोस्तों। वरुण भी बेबी गर्ल के पिता हैं। एक्टर अली फजल ने भी कमेंट कर लिखा, ओह गॉड, ये सुनकर बहुत खुशी हुई। आप दोनों खूबसूरत लोगों को बधाई। बाकी यूजर्स भी हार्ट इमोजी पोस्ट कर अपना प्यार लुटा रहे हैं। अली फजल और ऋचा चड्ढा भी बेबी गर्ल के माता-पिता हैं। इससे पहले 9 जुलाई को कपल ने सोशल मीडिया पर पहली बार प्रेग्नेंसी की खबर की जानकारी दी थी। उन्होंने एक पोस्ट शेयर कर लिखा था, बेबी ऑन द वे। तभी से फैंस इस खुशखबरी का इंतजार कर रहे थे और फाइनली कपल के घर नन्ही परी ने जन्म लिया है।

पैपराजी की इस हरकत पर नाराज हुए अर्जुन कपूर

अर्जुन कपूर की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर नहीं चल रही हैं। वह अपनी एक्टिंग को लेकर भी ट्रोल हो चुके हैं। हाल ही में सोशल मीडिया यूजर्स ने उन्हें दोबारा ट्रोल किया। दरअसल, एक वायरल वीडियो में अर्जुन पैपराजी पर नाराज होते दिखे। क्या है पूरा मामला?

अर्जुन कपूर पैपराजी पर हुए गुस्सा

पैपराजी ने अर्जुन कपूर को मुंबई में एक इवेंट में स्पॉट किया। एक्टर से फोटो क्लिक करवाने को कहा था तो पोज देने के लिए तैयार हो गए। इसी बीच अचानक कुछ फैंस आकर उनके साथ फोटो क्लिक करवाने लगे। फैंस को देखकर पैपराजी चिल्लाए और अर्जुन कपूर से दूर हटने को कहने लगे। यह देखकर अर्जुन नाराज हो गए। वह पैपराजी को चुप रहने के लिए कहते दिखे। इसके बाद अर्जुन ने फैंस को फोटो दिए।

अर्जुन कपूर अच्छे एफर्ट के बाद भी हुए ट्रोल

अर्जुन कपूर ने अपने फैंस को इंपॉर्टेंस दी और पैपराजी को चुप रहने को कहा। इसके बावजूद भी एक्टर को यूजर ने ट्रोल किया। दरअसल, यूजर्स यह मानने को तैयार नहीं है कि अर्जुन कपूर के भी फैंस हो सकते हैं। ट्रोल करने वालों ने कहा कि क्या सच में अर्जुन कपूर के फैंस हैं? कुछ यूजर्स ने कहा कि अर्जुन कपूर को उनके साथ फोटो लेनी चाहिए।

शक्ति शालिनी से पहले अनीत देंगी बीए की परीक्षाएं

सैयारा से देश की सबसे बड़ी जेन-जी स्टार बन चुकीं अनीत पड्डा दिसंबर और जनवरी में अपने कॉलेज की फाइनल ईयर परीक्षाएं देंगी। सूत्रों के अनुसार, परीक्षाओं के तुरंत बाद वह दिनेश विजान की अगली फिल्म शक्ति शालिनी की शूटिंग शुरू करेंगी, जिसमें वह लीड रोल में हैं। अनीत पॉलिटिकल साइंस में बीए (ऑनर्स) की पढ़ाई कर रही हैं और इस समय पढ़ाई और वर्क फ्रंट को संतुलित करने में व्यस्त हैं। उनके शेड्यूल को इस तरह मैनेज किया गया है कि पढ़ाई को पूरा समय मिल सके, जबकि फिल्म का काम भी समय पर पूरा हो। सैयारा अनीत का वाईआरएफ डेब्यू था, जिसमें अहान पांडे के साथ उन्होंने अपने प्रदर्शन से इतिहास रच दिया। इसके बाद दिनेश विजान ने अपनी ब्लॉकबस्टर हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की अगली फिल्म शक्ति शालिनी के लिए अनीत को चुना। फिल्म 24 दिसंबर 2026 को रिलीज होगी, जिससे अनीत फिर इतिहास में दर्ज हो जाएंगी, सबसे कम उम्र की एक्ट्रेस जिनकी फिल्म देश के सबसे बड़े सुपरस्टार्स की तरह मेगा हॉलीडे स्लॉट में आएगी।

मैं कह सकता हूं कि मैं बिकाऊ हो गया हूं, मुझे अच्छे पैसे मिल रहे हैं

पंचायत के तमाम सीजन में सचिव जी के रूप में मशहूर हुए जितेंद्र आज ओटीटी के बेहतरीन एक्टर्स में गिने जाते हैं। हाल ही में भागवत चैप्टर वन -राक्षस से चर्चा में आए जितेंद्र कुमार से खास बातचीत।

हजब के बाद फिल्मों का रुख करने वाले जितेंद्र कहते हैं कि वे फिल्मों में विविध भूमिकाएं करने के इच्छुक हैं। बकौल जितेंद्र, एक तरह से मैं अपनी सीधी-सादी इमेज से निकलना चाहता था, यही वजह है कि मैंने इस फिल्म में नेगेटिव रोल करना स्वीकार किया। मुझे लगता है कि नेगेटिव किरदारों को करने के लिए एक्टर को अलग तरह का रंग मिलता है, मगर कलाकार के रूप में हर रोल में उतनी ही मेहनत लगती है। अब जैसे कोटा फैक्ट्री का टीचर हो या फिर पंचायत का सचिव जी, जोर तो उतना ही लगाना पड़ता है।

तब लगा था रातों-रात स्टार बन जाऊंगा

अपने अभिनय सफर के बारे में जितेंद्र कुमार ने कहा, जिस दिन मैं मुंबई आया, उस दिन पहली बार मैंने कैमरा फेस किया और वो विडियो रिलीज भी हुआ। मुझे शहर में पहले दिन ही एक्टिंग का काम मिल गया था। मैं इसके लिए खुद को बहुत खुशकिस्मत मानता हूं, मगर यूट्यूब से सीरीज में आना और फिर सीरीज से फिल्मों में आने का जो सफर था, उसमें जो ट्रांजिशन थे, वो थोड़े टफ रहे। मैं वीकेंड पर ट्यूशन पढ़ाया करता था और कंस्ट्रक्शन कंपनी भी काम मैंने उसी दौरान किया है, मगर मेरे जो भी शूट हुआ करते थे, वो वीकेंड्स पर ही होते थे। मैं ट्यूशन्स भी इसलिए पढ़ाया करता था कि मेरा सर्वाइवल हो सके। शुरू में तो मैं सिर्फ सीख ही रहा था कि कैमरा कैसे फेस करूं? इस क्राफ्ट को कैसे आगे बढ़ाऊं? उससे पहले तक मैंने स्टेज पर काम किया था। रंगमंच पर ही मुझे अहसास हुआ कि अभिनय में किस्मत आजमाई जा सकती है। मैं आपको बताऊं, तो मुझे दूसरे कलाकारों की तरह सालों संघर्ष नहीं करना पड़ा। मैंने जब अभिनय में किस्मत आजमाने की सोची, तो मुझे लगा था कि मैं रातों -रात स्टार बन जाऊंगा, मगर ऐसा हुआ नहीं। मैं निराश होकर वापस चला गया था, मगर वो वक्फा काफी कम था। तीन महीने बाद मैंने एक साल बाहर जॉब किया।

नौकरी करते हुए महसूस हुआ कि मुझे मेरी मेहनत का फल मिल रहा है

जितेंद्र कुमार की प्राइज मनी काफी चर्चा में रही है कि अब वे अच्छा-खासा मेहनताना ले रहे हैं। इस पर वे हंसते हुए कहते हैं, लोगों ने तो वाशिंगटन के वाइट हाउस को मेरा घर बता कर पब्लिश किया है। वो फोटो देख कर समझ में आ जाना चाहिए कि मुझे कितना ज्यादा पैसा मिल रहा होगा? मजाक की बात छोड़ दी जाए, तो हां, मैं खुश हूं, मुझे मेरी प्राइज मनी मिल रही है। मैं जितना डिजर्व करता हूं मिल रहा है। मैं कलाकार के रूप में हमेशा से मानता हूं कि अगर आपका काम अच्छा है और वो ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचता है, तो उसका परिणाम आपको मिलता है और ये मेरा मेहनताना उसी का फल है। दूसरे लफ्जों में कहूं, तो आपका काम बिकाऊ हो जाता है, तो मैं कह सकता हूं कि मैं बिकाऊ हो गया हूं, मुझे अच्छे पैसे मिल रहे हैं।

हर किरदार के लिए जान लगानी पड़ती है

यूट्यूब के बाद ओटीटी और उसके बाद शुभ मंगल ज्यादा सावधान और भागवत चैप्टर वन- राक्षस जैसी फिल्मों में नजर आने वाले जितेंद्र ओटीटी और फिल्मों के बीच के ट्रांजिशन के बारे में कहते हैं, मुझे लगता है कि लोग थिएटर आएंगे या नहीं ये एक्टर और ऑडियंस के रिश्ते पर निर्भर करता है। अगर कोई एक्टर दर्शकों को सिनेमा हॉल तक लाने में कामयाब है, तो फिर चाहे वो किसी भी माध्यम का कलाकार हो, फर्क नहीं पड़ता। हां, ओटीटी और फिल्मों में कहानी कहने का ढंग काफी अलग होता है। सीरीज में आप कहानी की डिटेलिंग कर सकते हैं, सिनेमा में काम समय में प्रभाव जमाना होता है। मगर जहां तक अभिनेता के नजरिए की बात है, तो जैसे ही एक्शन बोला जाता है, एक्टर को वो मोमेंट क्रिएट करना होता है।

मुंबई की तरह दूसरी जगहों में आप बिंदास होकर नहीं घूम सकते

हाल ही में जितेंद्र भागवत चैप्टर वन- राक्षस में एक ऐसी नकारात्मक भूमिका में नजर आए, जो महिलाओं को अपने प्रेम जाल का शिकार बना कर उन्हें मार डालता है। उनसे जब महिलाओं से जुड़ी सबसे बड़ी समस्या के बारे में पूछा जाता है, तो वे कहते हैं, सबसे बड़ी समस्या तो सुरक्षा की ही है। मुझे नहीं लगता कि बड़े शहर और छोटे शहर की बात है। मैं मानता हूं कि गिने -चुने शहर ही ऐसे हैं, जो पूरी तरह से सेफ हैं। पूरे देश में वो डर इतना अंदर तक घुसा हुआ है कि महिलाएं तो खुद को असुरक्षित और असहज महसूस करती ही हैं, मगर पुरुष भी इस बेचैनी में रहता है कि उसके घर की महिलाएं बाहर सुरक्षित नहीं हैं। मगर हां, मैं मानता हूं कि मुंबई देश के उन गिने-चुने शहरों में से है, जहां आप खुद को सिक्योर और सेफ फील कर सकते हैं। अब जैसे देश के अंदरूनी इलाकों में आप उस तरह से बिंदास होकर नहीं घूम सकते, मगर मुंबई एक ऐसा शहर है, जो सोता नहीं और महिलाएं देर रात भी कामकाज से लौटती हैं या कहीं बाहर से आती हैं, तो बेखौफ होकर।

बीसीसीआई का बड़ा फैसला, राजनीतिक तनाव के चलते भारत-बांग्लादेश महिला क्रिकेट सीरीज रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश की महिला टीमों के बीच अगले महीने होने वाली सीमित ओवरों की घरेलू सीरीज को बीसीसीआई ने फिलहाल स्थगित कर दिया है। बोर्ड अब दिसंबर में टीम इंडिया के लिए एक वैकल्पिक सीरीज कराने के विकल्प तलाश रहा है।

आईसीसी के भविष्य दौरा कार्यक्रम (FTP) के तहत यह सीरीज कुल 6 मैचों- 3 वनडे और 3 टी20 की थी, जिन्हें कोलकाता और कटक में आयोजित किया जाना था।

सीरीज क्यों टली?

बीसीसीआई ने आधिकारिक तौर पर कारण नहीं बताया है, लेकिन सूत्रों के अनुसार, भारत-बांग्लादेश के बीच चल रहे राजनीतिक तनाव इस फैसले की बड़ी वजह है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को उनके देश में एक अदालत द्वारा मौत की सजा सुनाए जाने के बाद से वहां हालात बेहद तनावपूर्ण हैं। इसी राजनीतिक उथल-पुथल से दोनों देशों के संबंध भी प्रभावित हुए हैं।

ढाका की अंतरिम सरकार ने हसीना को भारत से सौंपने की मांग भी की है, जिससे चलते माहौल और गंभीर हो गया है।

बीसीसीआई और बीसीबी की प्रतिक्रिया

बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया: 'हम दिसंबर में वैकल्पिक सीरीज आयोजित करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन फिलहाल इस पर काम जारी है।'

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) ने भी पुष्टि की कि उन्हें सीरीज स्थगित होने की जानकारी बीसीसीआई से मिल चुकी है और वे नई तारीखों का इंतजार कर रहे हैं।

पहले भी टल चुका है भारत का बांग्लादेश दौरा

इससे पहले, अगस्त 2025 में होने वाला भारतीय पुरुष टीम का सफेद गेंद का दौरा भी सितंबर 2026 तक टाल दिया गया था क्योंकि बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के चलते हसीना सरकार गिर गई थी।

भारत के लिए बड़ी बाधा

यह महिला टीम के लिए विश्व कप जीत के बाद पहली अंतरराष्ट्रीय सीरीज होनी थी। यह सीरीज महिला ओडीआई चैंपियनशिप के नए चक्र की शुरुआत भी करती।

भारत में 17 दिसंबर से होगी विश्व टेनिस लीग, मेदवेदेव और बोपन्ना सहित कई स्टार खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

बेंगलुरु (एजेंसी)। पूर्व अमेरिकी ओपन चैंपियन दानिल मेदवेदेव और 2022 की विंबलडन चैंपियन एलेना रयबाकिना सहित कई शीर्ष अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी यहां 17 दिसंबर से होने वाली विश्व टेनिस लीग (WTL) में भारतीय प्रशंसकों के सामने अपना जलवा दिखाएंगे।

इस प्रतियोगिता की शुरुआत 2022 में की गई थी और पहली बार भारत में इसका आयोजन किया जा रहा है। इससे पहले इस चार दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात में किया जाता रहा है। मेदवेदेव और रयबाकिना के अलावा आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी निक किर्गियोस, फ्रांसीसी स्टार गेल मोनफिल्स और पाउला बडोसा भी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगी।

हाल ही में शीर्ष स्तर के टेनिस से संन्यास लेने वाले रोहन बोपन्ना, सुमित नागल, युकी भांबरी, अंकिता रैना, श्रीवल्ली भमिदिपाटी और माया रेवती लीग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

रयबाकिना ने कहा, 'मैंने भारत में टेनिस संस्कृति के बारे में बहुत कुछ सुना है और मैं डब्ल्यूटीएल के साथ वहां अपनी शुरुआत करने के लिए रोमांचित हूं। मैं अपनी टीम के साथ कोर्ट पर हर पल का आनंद लेने के लिए तैयार हूं।' WTL में चार टीमें राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेलेंगी। प्रत्येक मुकाबले में पुरुष एकल, महिला एकल और दो युगल मैच खेले जाएंगे। राउंड रॉबिन के बाद शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें फाइनल में पहुंचेंगी।

एशेज सीरीज 2-2 से बराबरी पर रहेगी : वॉन

लंदन (एजेंसी)। इसी माह 21 नवंबर से पर्थ में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच होने जा रही एशेज सीरीज के परिणामों को लेकर कई दिग्गज क्रिकेटरों ने अपनी-अपनी अपनी राय रखनी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में अब इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का भी बयान आया है। इसमें वॉन ने कहा है कि दोनों ही टीमें सीरीज में सीरीज 2-2 से बराबरी पर रहेंगी। पांच मैचों की इस सीरीज का पहला मैच पर्थ में खेला है। वॉन ने भविष्यवाणी की है कि एशेज सीरीज में दोनों ही टीमें दो-दो मैच जीतेंगी जबकि एक मैच बराबरी पर रहेगा। वॉन के अनुसार मेहमान टीम इंग्लैंड पर्थ में सीरीज के पहले मैच में जीत दर्ज करेगी, क्योंकि इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड नहीं खेलेंगेहैं। वॉन ने सोशल मीडिया में लिखा, अगर स्टोक्स फिट रहते हैं, तो मुझे लगता है कि यह सीरीज 2-2 से बराबर रहेगी। इंग्लैंड की टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में जीत हासिल कर सकती है। वहीं अगर सीरीज से पहले कोई खिलाड़ी चोटिल नहीं होता, तो यही भविष्यवाणी बनी रहेगी।

कमिंस अभी पीठ की चोट से उबर रहे हैं, जबकि तेज गेंदबाज हेजलवुड को शेफील्ड शील्ड मैच के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई। वहीं इससे पहले वॉन ने कहा था कि हेजलवुड के बाहर होने के बाद इंग्लैंड की स्थिति पहले से बेहतर है।

वॉन ने तब कहा था, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हेजलवुड और कमिंस पहले टेस्ट से बाहर हैं। इससे इस सीरीज में इंग्लैंड का पलड़ा भारी हो गया है। ऐसे में पर्थ में उनके लिए एक अंक आगे जाने का बड़ा अवसर है। इस पल ऑस्ट्रेलियाई टीम में केवल मिचेल स्टार्क ही पूरी तरह से फिट पहली पसंद के तेज गेंदबाज हैं, जबकि स्कॉट बोलैंड बैकअप खिलाड़ी हैं। हेजलवुड के चोटिल होने की वजह से ऑस्ट्रेलिया दोनों ऑलराउंडरों कैमरन ग्रीन और ब्यू वेबस्टर को तेज गेंदबाज के रूप में अवसर दे सकता है। वहीं अनकैप्ड तेज गेंदबाज ब्रेंडन डॉगेट पर्थ में अपना टेस्ट डेब्यू कर सकते हैं।

गावस्कर ने कहा कोलकाता टेस्ट में पिच को दोष देना गलत

-कोच गंभीर को भी बचाव किया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि कोलकाता टेस्ट में पिच का बचाव करने का मुख्य कोच गौतम गंभीर का फैसला बिलकुल सही है। गावस्कर ने कहा कि पिच को बिना कारणों के दोष दिया जा रहा है। पिच खतरनाक नहीं थी। रही भारतीय बल्लेबाजों के विकेट खोने की बात तो वे टेम्परामेंट और तकनीक की कमी के कारण असफल रहे।

कोलकाता टेस्ट तीन दिन भी नहीं चला। इस मैच में भारतीय टीम 124 के लक्ष्य का पीछा करते हुए केवल 93 रन ही बना पायी।

इस मैदान की पिच पहले ओवर से ही अनियमित उछाल और टर्न का सामना कर रही थी। गंभीर ने कहा कि पिच में कमी नहीं थी। उन्होंने सीधा दोष बल्लेबाजों पर रखा और कहा कि उनसे इससे कहीं बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी।

गावस्कर ने कहा, मैं गंभीर से पूरी तरह सहमत हूं। 124 रन इस पिच पर हासिल किये जा सकते थे। इसमें कोई सवाल ही नहीं है। बहुत लोग कह रहे हैं कि पिच क्या कर रही थी पर अगर आपने देखा हो कि साइमन हार्मर एक ओवर में कितनी गेंदें टर्न करा रहे थे? वह गेंदों में बहुत बदलाव कर रहे थे। वह सीधी गेंद फेंक रहे थे और कभी-कभी एक गेंद को टर्न करा देते थे।

गावस्कर ने भारतीय बल्लेबाजों के स्वभाव पर सवाल उठाते हुए कहा कि वे बहुत जल्दी बड़े शॉट खेलने के प्रयास कर रहे थे। उन्होंने कहा, यह कोई खतरनाक टर्निंग पिच नहीं थी. यह ऐसी पिच थी जिस पर आपको पांच दिन का टेस्ट खेल रहे हैं, ऐसा बल्लेबाजी करनी थी, न कि 50 ओवर या टी20 की तरह कि तीन चार गेंदों के बाद आप बड़ा शॉट खेलने लग जाएं। यही मुख्य समस्या है। 124 रन भारत की इस बल्लेबाजी लाइन-अप के साथ कम से कम पांच विकेट रहते हासिल कर लिए जाने चाहिए थे।

गावस्कर ने कहा, मैं गौतम गंभीर से पूरी तरह सहमत हूं कि पिच में कुछ भी गलत नहीं था। तीसरे दिन एक-दो गेंद का टर्न होना सामान्य है। महाराज की कितनी गेंदें टर्न हुईं? जडेजा या अक्षर की कितनी गेंदें टर्न हुईं? लोग इसे स्पिनिंग पिच कह रहे हैं, जबकि इसमें कुछ भी खतरनाक नहीं था तकनीक और खराब टेम्परामेंट के कारण भारतीय टीम इस मैच में हारी।

वहीं इससे पहले कई पूर्व क्रिकेटरों चेतेश्वर पुजारा, हरभजन सिंह आदि ने पिच की आलोचना करते हुए कहा था कि इसपर बल्लेबाजी करना संभव नहीं था।

दूसरे टेस्ट में शुभमन का खेलना तय नहीं, नितीश किये जा सकते हैं शामिल

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट में खेलने की संभावना कम है। ऐसे में इस मैच में ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी को शामिल किया जा सकता है। शुभमन की गर्दन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में बल्लेबाजी के दौरान जकड़न आ गयी थी। इस कारण वह अस्पताल में भी भर्ती थे हालांकि अब वह होटल वापस आ गये हैं पर अभी तक पूरी तरह फिट नहीं हुए हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि उनका दूसरे टेस्ट में गुवाहाटी में खेलना तय नहीं है। वहीं रेड्डी को ईडन गार्डन्स टेस्ट से पहले टीम से रिलीज कर दिया गया था पर अब उनकी वापसी होने की संभावना है।

नितीश कोलकाता टेस्ट मैच से पहले बीसीसीआई ने रिलीज कर भारत ए के के लिए खेलने के लिए कहा था। वहीं शुभमन के फिट नहीं होने के कारण बोर्ड ने उन्हें दूसरे टेस्ट के लिए शामिल किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार वह 18 नवंबर को ईडन गार्डन्स में वैकल्पिक सत्र में अभ्यास भी करेंगे।

रेड्डी ने भारत ए की ओर से दो लिस्ट ए मैच खेले और जबकि उन्हें दूसरे मैच में बल्लेबाजी और गेंदबाजी का अवसर नहीं मिला था। उन्होंने पहले मैच में 37 रन बनाए थे 18 रन देकर एक विकेट लिया था। टेस्ट टीम में फिर से शामिल पर वह 19 नवंबर को होने वाले भारत ए के तीसरे मैच में नहीं खेलेंगे।

वहीं शुभमन के बाहर होने से टीम की बल्लेबाजी कमजोर हुई है और इसी कारण रेड्डी जोड़ा जा रहा है। शुभमन अभी गर्दन के दर्द से उबर रहे हैं। बोर्ड उनके कार्यभार प्रबंधन पर भी ध्यान रखे हुए है। भारतीय टीम के पास अन्य विकल्प के तौर पर बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल और साई सुदर्शन भी हैं प रेड्डी को अंतिम ग्यारह में शामिल करने से निचले क्रम में बल्लेबाजी को मजबूती मिलने की संभावना है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बल्लेबाजी कमजोर पड़ने से पहला टेस्ट तीन दिनों के अंदर ही समाप्त हो गया था।

भारत-दक्षिण अफीका दूसरे टेस्ट के समय में नजर आयेंगे बदलाव

लंच ब्रेक से पहले होगा टी ब्रेक

गुवाहाटी। भारत और इंग्लैंड के बीच 22 नवंबर से गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में समय के साथ ही अन्य कुछ बदलाव भी नजर आयेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने यहां के मौसम को देखते हुए समय में ये बदलाव किया गया है। इसके तहत ही ये मैच सुबह 9 बजे शुरू होगा जबकि आमतौर पर भारत में मैच 9.30 पर शुरू होते हैं। पूर्वोत्तर भारत में सूर्योदय और सूर्यास्त जल्दी होने के कारण समय में बदलाव किया है। इसी के तहत ही गुवाहाटी में टॉस सुबह 8:30 बजे कराया जाएगा और फिर पहली गेंद 9 बजे फेंकी जाएगी। पांचों दिन पहला सत्र 9 से 11 बजे तक होगा। इसके बाद 20 मिनट का चाय का ब्रेक होगा। दूसरा सत्र 11.20 बजे से 1.20 बजे तक चलेगा। दूसरे सत्र की समाप्ति के बाद 40 मिनट का लंच ब्रेक रहेगा। फिर दोपहर 2 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक अंतिम सत्र होगा। यदि तय समय में पूरे ओवर नहीं होते हैं तो खेल को आधा घंटा आगे बढ़ाया जाएगा। इस प्रकार मुकाबला शाम 4.30 बजे तक आगे बढ़ सकता है. ये पहली बार होगा जब किसी टेस्ट में पहले टी ब्रेक और फिर लंच ब्रेक होगा। इसी को लेकर बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, यह व्यावहारिक फैसला है। सर्दियों के समय पूर्वोत्तर भारत में सूर्योदय और सूर्यास्त बहुत जल्दी हो जाते हैं। शाम 4 बजे तक रोशनी काफी कम हो जाती है और उसके बाद ज्यादा खेलना संभव नहीं हो पाता है। इसी चलते हमने इस टेस्ट मैच को जल्दी शुरू करने का फैसला लिया है। इस सीरीज का पहला टेस्ट दक्षिण अफ्रीका ने 30 रनों से जीतकर सीरीज में 1-0 की बढ़त ली है। ऐसे में भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच को जीतना रहेगा।

अर्जुन तेंदुलकर ने सीनियर क्रिकेट में अपने 100 विकेट पूरे किये

मुम्बई। गोवा की ओर से रणजी ट्रॉफी में खेलते हुए ऑलराउंडर अर्जुन तेंदुलकर ने सौराष्ट्र के खिलाफ मैच में एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। अर्जुन ने इस मैच में सौराष्ट्र के हार्विक देसाई को 45 रन पर आउट करने के साथ ही सीनियर क्रिकेट में अपने विकेटों का शतक पूरा किया। उन्होंने सीनियर क्रिकेट में अपना पहला विकेट जनवरी 2021 में हरियाणा के खिलाफ अपनी पुरानी टीम मुंबई की ओर से डेब्यू मैच में लिया था। अर्जुन ने मुंबई की ओर से केवल एक सीनियर मैच खेला है। इसके बाद वह गोवा चले गये थे। उन्होंने दिसंबर 2022 में राजस्थान के खिलाफ मैच में गोवा की ओर से रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया। अर्जुन ने रणजी ट्रॉफी में अपने पिता सचिन तेंदुलकर की तरह ही डेब्यू में शतक लगाया था। अर्जुन ने रणजी डेब्यू से एक महीने पहले आंध्र प्रदेश के खिलाफ लिस्ट ए में डेब्यू किया था। अर्जुन के नाम फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में 48 विकेट हैं। उन्होंने एकदिवसीय क्रिकेट में 25 बल्लेबाजों को आउट किया है। अर्जुन के नाक टी20 में 27 विकेट हैं। अर्जुन आईपीएल 2021 की मिनी-नीलामी में अपने बेस प्राइस 20 लाख रुपये में मुंबई इंडियंस पहुंचे थे। उन्होंने आईपीएल 2025 की बड़ी नीलामी में भी उन्हें उसी कीमत पर फिर से लिया था। अर्जुन ने 2023 में आईपीएल में डेब्यू किया और उस सीजन में 4 मैचों में 3 विकेट लि। उन्होंने आईपीएल 2024 में केवल एक मैच खेला था।

आईपीएल 2026 सत्र में टीम के भरोसे को सही साबित करना रहेगा मार्कराम का लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज एडेन मार्कराम ने कहा है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग 2026 सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से बेहतर प्रदर्शन का पूरा प्रयास करेंगे। मार्कराम 2025 सत्र में भी सुपर जायंट्स के साथ थे और उनका कहना है कि फ्रैंचाइजी के उन्होंने टीम में बनाये रहने से वह बेहद खुश है। मार्कराम ने गत सत्र में 13 मैचों में 34.23 की औसत और 148.83 के स्ट्राइक रेट से 445 रन बनाए थे जिसमें 5 अर्धशतक भी शामिल थे। इसके अलावा उन्होंने चार विकेट भी लिए थे। इसी कारण उन्हें टीम ने अपने साथ रखा है।।

मार्कराम ने कहा, मैंने पिछले साल लखनऊ फ्रैंचाइजी के साथ अपने समय का भरपूर आनंद लिया। मैंने साथी खिलाड़ियों से बहुत अच्छी दोस्ती की और टीम के साथ कुछ महीने बिताए। इसलिए मुझे रिटेन किए जाने पर बहुत खुशी है और निश्चित रूप से उनके साथ एक और सत्र खेलने के लिए उत्साहित हूं।

उनसे यह भी पूछा गया कि टूर्नामेंट के इस सत्र वह किस प्रकार का प्रदर्शन करना चाहेंगे। जिस पर उन्होंने कहा, आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए आपको एक टीम के रूप में वास्तव में अच्छा होना होगा। मुझे नहीं लगता कि हम पिछले सत्र में बहुत पीछे थे। यहां-वहां कुछ पल और कुछ परिणाम अलग दिखते। इससे पहले कि आप कुछ समझ पाते, आप नॉक आउट के लिए क्वालीफाई कर चुके होते हैं। इसलिए निश्चित रूप से किसी भी चीज को ज्यादा कठिन नहीं बनाना चाहिए। मुझे लगता है कि हमने जो चीजें अच्छी कीं, उन्हें फिर से करने की कोशिश करें और कुछ और महत्वपूर्ण क्षण जीतें। इससे पहले कि आप जानते हैं, मुझे लगता है कि प्रतियोगिता हमारे लिए वास्तव में आसानजनक है। आईपीएल में हालांकि टीम को उम्मीद के अनुसार परिणाम नहीं मिले। ऋषभ पंत ने कप्तान के रूप में पद संभाला, जहीर खान टीम के संरक्षक थे। फिर भी, टीम प्लेऑफ से चूक गई, अंक तालिका में सातवें स्थान पर रही। अब टीम का लक्ष्य इस सत्र में वापसी करना रहेगा।

हर टूर्नामेंट में पदक हासिल करना संभव नहीं, मैं हमेशा भारत का समर्थन करती हूं : मनु भाकर

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने ISSF विश्व चैंपियनशिप में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन को बरकरार न रख पाने को झटका करार देते हुए हमवतन खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। भाकर ने कहा कि वह 'हर दिन नहीं जीत सकतीं'। हाल ही में संपन्न हुए इस टूर्नामेंट में 13 भारतीय पदक विजेताओं में मनु भाकर का शामिल न होना निशानेबाजी जगत के कई लोगों के लिए थोड़ा आश्चर्य की बात है। भाकर ने कहा, 'मैं विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही थी। मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा लेकिन मैं शीर्ष तीन में जगह नहीं बना पाई। मेरी टीम की साथी ईशा सिंह ने पदक जीता। आप खेल में हर दिन जीत नहीं सकते। कभी कभी हार का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए यह जरूरी है कि भारत को पदक जीतना चाहिए और यह मेरे या किसी और के जीतने से जुड़ा नहीं होना चाहिए। जब तक भारत कोई भी पदक जीत रहा है, मैं उसका हौसला बढ़ाती रहूंगी चाहे वह किसी भी खेल में हो।' इस 23 साल की पिस्टल निशानेबाज 'ASMITA (महिलाओं को प्रेरित करके खेल जगत में उपलब्धि हासिल करना) के सोशल मीडिया हैंडल के लॉन्च पर बोल रही थी। भाकर ने पेरिस ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन किया था लेकिन इस साल कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई है। इस साल अगस्त में एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप की महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतना उनकी बड़ी उपलब्धियों में से एक है। भाकर ने 'ASMITA' पहल के बारे में कहा कि यह ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के खेल से जुड़ने को लेकर लोगों की सोच को बदलने में मददगार होगा।

टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले मुरलीधर का रिकार्ड अभी टूटना संभव नहीं

-कोई भी गेंदबाज नहीं है करीब

मुम्बई (एजेंसी)। आजकल सीमित ओवरों के प्रारूप का चलन बढ़ गया है पर टेस्ट क्रिकेट का महत्व अब भी अपनी जगह पर बना हुआ है। टेस्ट प्रारूप में विकेट लेने के लिए गेंदबाज में कौशल के साथ ही धैर्य होना भी जरूरी होता है क्योंकि इस प्रारूप में बल्लेबाज संभल कर खेलते हैं और टी20 प्रारूप की तरह हर गेंद पर शॉट लगाने का प्रयास नहीं करते हैं। टेस्ट प्रारूप में सबसे अधिक विकेट का रिकार्ड श्रीलंका के दिग्गज स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के नाम है। मुरली ने अपने करियर में अब तक कुल 800 विकेट लिए हैं जो अभी टूटना संभव नहीं है क्योंकि वर्तमान समय का कोई भी गेंदबाज उनके करीब नहीं है केवल इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन के नाम ही 704 विकेट हैं पर उन्होंने भी संन्यास ले लिया है।

। मुरलीधरन ने 133 टेस्ट में 67 बार पांच विकेट और 22 बार दस विकेट लिए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर दूसरे स्थान पर हैं ऑस्ट्रेलिया के महान लेग स्पिनर शेन वॉर्न हैं। वार्न ने 145 मैचों में अपने 708 विकेट लिए। वहीं इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन, 704 विकेट लेकर तीसरे नंबर पर हैं। सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की इस सूची में भारत टीम के दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले 619 विकेट के साथ चौथे स्थान पर हैं। वहीं पांचवें नंबर पर इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड, ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्ग्रा और ऑस्ट्रेलिया के नैथन लियोन हैं। इन सभी के नाम 500 से ज्यादा विकेट हैं। भारत के आर अश्विन भी 537 विकेट के साथ ही इस सूची में शामिल हैं।

जर्मनी और नीदरलैंड ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर फीफा विश्व कप 2026 के लिए प्रवेश हासिल किया

म्यूनिख। जर्मनी और नीदरलैंड ने अपने अपने क्वालीफाइंग मुकाबले जीतकर फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 के लिए प्रवेश हासिल कर लिया है। जर्मनी ने स्लोवाकिया को 6-0 से हराया जबकि नीदरलैंड्स ने लिथुआनिया को 4-0 से हराते हुए ग्रुप जी में पहला स्थान हासिल किया। जर्मनी की जीत में लेरॉय की अहम भूमिका रही। उन्होंने स्लोवाकिया के खिलाफ दो गोल किये। जर्मनी की ओर से पहला गोल 18 वें मिनट में निक वोल्टेमाडे ने किया। वहीं सर्ज ग्नाब्री ने 29वें मिनट में एक गोल कर अपनी टीम की बढ़त को और बढ़ा दिया। फ्लोरियन विर्ट्ज ने 36वें और 41वें मिनट में दो गोल करते हुए जर्मनी को 4-0 से बढ़त दिला दी। ब्रेक के बाद रिडल बाकू ने 67वें मिनट में गोल दागा। मुकाबले के 79वें मिनट में असन ओउएड्राओगो ने स्ट्राने के शानदार शॉट के बाद गोल दागकर टीम को 6-0 से आगे कर दिया। इस प्रकार ये मुकाबला एकतरफा रहा। वहीं दूसरी ओर, ग्रुप-जी के मुकाबले में नीदरलैंड्स और लिथुआनिया के मैच में 16वें मिनट में तिज्जानी रेइंडर्स ने डच टीम की ओर से पहला गोल किया। इसके बाद 58वें मिनट में कोडी गाक्पो ने गोल कर बढ़त को बढ़ा दिया। वहीं जावी सिमंस ने 60वें मिनट में एक गोल किया। इसके 2 मिनट बाद ही डोनियल मालेन के गोल से नीदरलैंड्स की टीम 4-0 से आगे हो गयी।

हिंसा के बीच ढाका हवाई अड्डे पर 10 घंटे तक फंसे रहे भारतीय तीरंदाज, 7 महिलाएं भी शामिल थी

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय तीरंदाजों को उस समय बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा जब वे एशियाई चैंपियनशिप के बाद ढाका से देश लौटने के दौरान उड़ान रद्द होने के कारण लगभग 10 घंटे तक हवाई अड्डे पर फंसे रहे। यही नहीं उन्हें हिंसा प्रभावित बांग्लादेश की राजधानी में बिना सुरक्षा के एक स्थानीय बस में बिठा दिया गया और बाद में उन्हें एक घटिया आश्रय स्थल में रुकना पड़ा।

भारत के 23 सदस्यीय दल के 11 सदस्य उड़ान में बार-बार हो रही देरी के कारण काफी परेशान रहे। इनमें दो नाबालिग सदस्य भी शामिल थे। इस बीच उन्होंने जिस एयरलाइंस से टिकट बुक किया था उसका भी उन्हें कोई खास सहयोग नहीं मिला। इस दल में सीनियर खिलाड़ी अभिषेक वर्मा, ज्योति सुरेखा और ओलंपियन धीरज बोम्मादेवरा भी शामिल थे। ये शनिवार को दिल्ली के लिए रात 9.30 बजे की उड़ान के लिए ढाका हवाई अड्डे पर पहुंचे थे, लेकिन विमान में सवार होने के बाद उन्हें बताया गया कि विमान में तकनीकी खराबी आ गई है और यह उड़ान नहीं भर पाएगा।

यह वह समय था जब ढाका में सड़कों पर हिंसा देखी गई थी, क्योंकि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ विशेष न्यायाधिकरण के फैसले का इंतजार हो रहा था। भारत के इस दल में 7 महिलाएं भी शामिल थीं। उड़ान को लेकर कोई स्पष्ट सूचना नहीं मिलने के कारण वे रात दो बजे तक टर्मिनल के अंदर ही रहे। इसके बाद उड़ान रद्द होने की घोषणा की गई और बताया गया कि उस रात कोई वैकल्पिक उड़ान की व्यवस्था नहीं की जाएगी। जैसे ही टीम हवाई अड्डे से बाहर निकली, उनकी परेशानी बढ़ गई।

देश के सबसे प्रतिष्ठित कम्पाउंड पुरुष तीरंदाज वर्मा ने आरोप लगाया कि उन्हें एक ''बिना खिड़की वाली स्थानीय बस'' में भर दिया गया और लगभग आधे घंटे की दूरी पर एक अस्थायी लॉज में ले जाया गया, जो एक 'धर्मशाला' जैसा था। इस 36 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि जिस स्थान पर टीम को ले जाया गया था, वह 'एक उचित होटल भी नहीं था', जिसमें महिलाओं के लिए एक कमरे में छह बिस्तरों वाला एक कमरा था और उसमें केवल एक शौचालय था जो बहुत गंदा था।

उन्होंने बताया, 'गेस्ट हाउस के नाम पर हमें जिस धर्मशाला में ठहराया गया उसकी स्थिति बेहद खराब थी। एक कमरे में छह बिस्तर लगाए गए थे और जो शौचालय था उसकी हालत बहुत खराब थी। मुझे नहीं लगता कि उसमें कोई स्नान कर सकता था।' अंतरराष्ट्रीय लेनदेन की सुविधा नहीं होने के कारण वैकल्पिक व्यवस्था करने के उनके प्रयास भी सफल नहीं हो सके।

वर्मा ने कहा, 'अगर हमें पता भी होता कि हमें सुबह 11 बजे तक टिकट मिल जाएगा, तो भी हम हवाई अड्डे पर ही रुक जाते। क्योंकि उन्होंने (एयरलाइन ने) कुछ भी पुष्टि नहीं की थी।' अगली सुबह सात बजे दल हवाई अड्डे के लिए रवाना हुआ, लेकिन दिल्ली पहुंचने पर उन्हें और अधिक देरी का सामना करना पड़ा। कई तीरंदाज हैदराबाद और विजयवाड़ा जाने वाली अपनी उड़ान नहीं पकड़ पाए, जिसके कारण उन्हें महंगी बुकिंग करानी पड़ी।

वर्मा ने कठिन परिस्थिति में राष्ट्रीय टीम का समर्थन न करने के लिए एयरलाइन को जिम्मेदार ठहराने में कोई संकोच नहीं किया। उन्होंने कहा, 'आपका विमान खराब हो गया और आपको पता है कि बाहर दंगे हो रहे हैं तो उन्होंने हमें स्थानीय बस में कैसे बिठाया। अगर हमारे साथ कुछ हो जाता तो उसका जिम्मेदार कौन होता।'

संक्षिप्त समाचार

यूरोप में सुरक्षा अलर्ट : क्या चीन एक बटन दबाकर ठप कर सकता है पब्लिक ट्रांसपोर्ट?

न्यूयार्क एजेंसी। अमेरिकी एफ-35 स्टील्थ जेट में संभावित किल स्विच को लेकर जारी विवाद अभी शांत भी नहीं हुआ था कि यूरोप में एक और बड़ी सुरक्षा चिंता सामने आ गई है। कई यूरोपीय देश यह जांच कर रहे हैं कि क्या उनकी सड़कों पर चल रहीं सैकड़ों चीनी इलेक्ट्रिक बसों में भी ऐसा ही कोई मैकेनिज्म मौजूद है, जिसके जरिए बीजिंग चाहे तो इन्हें दूर बैठकर ही बंद कर सकता है। पिछले महीने डेनमार्क, नीदरलैंड और नॉर्वे ने जांच शुरू की थी। अब ब्रिटेन ने भी इसी मुद्दे पर आधिकारिक जांच का आदेश दे दिया है। फाइनेंशियल टाइम्स के मुताबिक, यूके के परिवहन विभाग के अधिकारी और नेशनल साइबर सिक्योरिटी सेंटर मिलकर यह जांच रहे हैं कि चीनी बस निर्माता यूटोंग क्या यूके में चल रही अपनी बसों के कंट्रोल सिस्टम पर रिमोट एक्सेस, ओटीए अपडेट, या डायग्नोस्टिक्स कर सकता है? रिपोर्ट्स के अनुसार, इजरायल ने हाल ही में सीनियर सैन्य अधिकारियों को दी गई चीनी इलेक्ट्रिक कारों को जब्त करना शुरू कर दिया है। कारण- संभावित जासूसी, डेटा चोरी और चीनी सरकार तक संवेदनशील जानकारी पहुंचने का खतरा। नॉर्वे के ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर रूटर की जांच में पता चला कि बसों की बैटरी मैनेजमेंट और पावर सिस्टम पर रिमोट एक्सेस मौजूद है। यह एक्सेस ओटीए अपडेट के नाम पर दिया गया है। इससे बसों को रिमोट शटडाउन करने की क्षमता मिलती है— यानी एक तरह का किल स्विच। रूटर का कहना है— यूटोंग ने कभी अपनी बसों को दूर से बंद करने की कोशिश नहीं की लेकिन रिस्क वास्तविक है। कार्ड हटाने से खतरा कम हो सकता है लेकिन ऐसा करने पर सॉफ्टवेयर अपडेट रुक जाते हैं और परफॉर्मेंस प्रभावित होती है। कंपनी और उसके ब्रिटेन-ऑस्ट्रेलिया के अधिकृत डीलर्स ने कहा ओटीए फीचर मौजूद है लेकिन अपडेट रिमोट नहीं, बल्कि ग्राहक की अनुमति के बाद फिजिकल विजिट में होते हैं। उनका कहना है कि रिमोट सिस्टम सिर्फ एसी और कंफर्ट फीचर्स तक सीमित है, न कि ब्रेकिंग/स्टीयरिंग जैसे महत्वपूर्ण फंक्शन तक। कंपनी का दावा है कि वह साइबर सिक्योरिटी मानकों का सख्ती से पालन करती है। इसके बावजूद यूरोप, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और इजरायल की सरकारें जांच को और तेज कर रही हैं।

अमेरिका में एआइ की मदद से सड़कों को किया जा रहा गड्ढामुक्त, कैमरों की ली जा रही मदद

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में सड़कों को गड्ढामुक्त करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) का इस्तेमाल किया जा रहा है। एआइ के जरिये न केवल सड़कों के गड्ढों को चिह्नित किया जा रहा है, बल्कि तकनीक ही तय करती है कि किन गड्ढों को पहले भरा जाना है, कहां गार्डरेल ठीक होनी है, कहां साइनबोर्ड दुरुस्त होने हैं और किस मोड़ पर चेतावनी बोर्ड लगाए जाने हैं। ये कैमरे संबंधित विभाग को सूचना भेजते हैं और मरम्मत टीम मौके पर जाकर चीजें ठीक करती है। भारत में भी इससे प्रेरणा लेकर सड़कों को यातायात के लिए सुरक्षित बनाया जा सकता है। अमेरिका के हवाई राज्य के अधिकारियों ने बताया कि सड़क हादसे में कमी लाने के लिए 1000 डैशबोर्ड कैमरे लगाए गए हैं। ये कैमरे एआइ के इस्तेमाल से सड़कों के किनारे लगे गार्डरेल, सड़क चिह्नों और पैदल मार्ग की मार्किंग का स्वचालित निरीक्षण करते हैं और आपात स्थितियों का आकलन करके मरम्मत कार्य दल को वारंट भेजते हैं। अधिकारियों का कहना है कि ये काम दैनिक आधार पर किया जाता है। कैलिफोर्निया के सैन जोस इलाके में सड़कों पर लगे कैमरों के बारे में स्वीपर और सिटी स्टाफ ने बताया कि इस प्रणाली ने 97 प्रतिशत तक सही जानकारी दी। अब इस प्रयास को आगे बढ़ाया जा रहा है। टेक्सास राज्य में सड़कों की हालत का पता लगाने में आम लोगों की भी मदद ली जा रही है। स्वयंसेवी ड्राइवरों की गाड़ियों में लगे कैमरों के साथ-साथ मोबाइल फोन डेटा के इस्तेमाल से खराब सड़कों का पता लगाकर उसे ठीक किया जा रहा है। हवाई राज्य में 2021 से ही सड़क सुरक्षा के लिए आइज आन द रोड अभियान चलाया जा रहा था, जिसमें तमाम गाड़ियों में 499 डालर के डैशकैम फ्री में लगाए गए। इस काम में हवाई यूनिवर्सिटी के इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर रेजर चेन ने भी सहयोग किया। उन्होंने पुराने पड़ चुके सड़क ढांचे में सुधार के लिए कार्यक्रम तैयार किए। सैन जो के मेयर मैट महन ने सड़कों की बेहतरी के लिए दो स्टार्टअप भी शुरू किए हैं। उन्होंने कहा कि उनके एआइ डेटाबेस में शहर की खस्ताहाल सड़कों की तस्वीरें साझा की जाएं तो बड़े पैमाने पर सुधार कार्यक्रम चलाया जा सकता है। एआइ आधारित सड़क सुरक्षा तकनीक से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले वर्षों में लगभग सभी गाड़ियों में कैमरे लग जाएंगे, जिनसे सड़कों की स्थिति बेहतर की जा सकेगी, गड्ढे खत्म किए जा सकेंगे, साइनबोर्ड दुरुस्त रहेंगे और यातायात के लिए सड़कें और भी ज्यादा सुरक्षित हो जाएंगी।

अमेरिका में बढ़ी महंगाई, ट्रंप ने टैरिफ पर लिया यू-टर्न; भारत को होगा बड़ा फायदा

अमेरिकी, एजेंसी। आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के परिणामस्वरूप अमेरिकी उपभोक्ताओं के आक्रोश के मद्देनजर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक और यू-टर्न लेते हुए कई वस्तुओं पर टैरिफ घटा दिया है। उन्होंने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं जिसके तहत कॉफी, टमाटर, केला और बीफ सहित 200 से ज्यादा खाद्य वस्तुओं को व्यापक शुल्कों से छूट मिल गई है। खाद्य आयात पर टैरिफ कम करने के ट्रंप प्रशासन के इस फैसले से भारत के आम, अनार और चाय निर्यात को इसका फायदा हो सकता है। उन्होंने कुछ दिन पहले जेनेरिक दवाओं से भी टैरिफ हटाया था। भारत लगभग 47 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करता है। यह आदेश इन वस्तुओं को पारस्परिक टैरिफ प्रणाली से हटा देता है, जिसके तहत 10 प्रतिशत से 50 प्रतिशत के बीच की दरें लागू होती हैं। हालांकि, यह टैरिफ को पूरी तरह से समाप्त नहीं करता है। उदाहरण के लिए, अमेरिका के प्रमुख आपूर्तिकर्ता मेक्सिको से आयातित टमाटरों पर अभी भी 17 प्रतिशत टैरिफ लागू रहेगा। सीएनएन के अनुसार, लगभग 30 साल पुराने व्यापार समझौते की समाप्ति के बाद यह दर

जुलाई से लागू है और इसके तुरंत बाद टमाटर की कीमतों में उछाल आया। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को घोषणा की कि उष्णकटिबंधीय फल और जूस, चाय और मसाले उन आयातों में शामिल हैं जिन पर पारस्परिक शुल्क नहीं लगेगा। व्हाइट हाउस की ओर से जारी सूची में कॉफी और चाय, संतरे, टमाटर और बीफ का भी जिक्र है। ट्रंप ने भारत से आयात पर 25 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क लगाया है और रूसी तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क भी जोड़ा है। लेकिन, मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए ट्रंप ने पहले जेनेरिक दवाओं को शुल्क से मुक्त कर दिया।

भारत को क्या फायदा हुआ : इससे भारत को फायदा हुआ जो अमेरिका में लगभग 47 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करता है। बहरहाल, ट्रंप का यह यू-टर्न बेहद अहम माना जा रहा है क्योंकि वह लगातार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि इस साल की शुरुआत में उनके द्वारा लगाए गए व्यापक आयात शुल्क के कारण महंगाई नहीं बढ़ रही है। शुक्रवार शाम एयर फोर्स वन में इस कदम के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने पत्रकारों से अपने टैरिफ के बारे में कहा कि कुछ मामलों में ये कीमतें बढ़ा सकते हैं। लेकिन, कुल मिलाकर अमेरिका में वस्तुतः कोई मुद्रास्फीति नहीं है। उल्लेखनीय है कि पिछले हफ्ते हुए चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी के खराब प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति ने आम लोगों से जुड़े इस मुद्दे पर ध्यान केंद्रित किया है। डेमोक्रेट्स ने वर्जीनिया, न्यू जर्सी और न्यूयार्क सिटी में राज्य और स्थानीय चुनावों में लगातार जीत हासिल की है, जहां खाद्य पदार्थों की ऊंची कीमतों को लेकर मतदाताओं की बढ़ती चिंता एक प्रमुख मुद्दा थी। ट्रंप प्रशासन ने गुरुवार को उन व्यापार समझौतों की रूपरेखा की घोषणा की, जिनके अंतिम रूप दिए जाने के बाद अर्जेंटीना, इक्वाडोर, ग्वाटेमाला और अल सल्वाडोर से कुछ खाद्य पदार्थों और अन्य आयातों पर टैरिफ समाप्त हो जाएंगे।

कई उत्पादों की कीमतों में भारी उछाल : अमेरिकी अधिकारी इस वर्ष के अंत तक अतिरिक्त समझौतों पर भी विचार कर रहे हैं। शुक्रवार को सूची में ये उत्पाद शामिल हैं जिन्हें अमेरिकी उपभोक्ता नियमित रूप से अपने परिवारों का पेट भरने के लिए खरीदते हैं, जिनमें से कई उत्पादों की कीमतों में साल-दर-साल दोहरे अंकों में वृद्धि देखी गई है। इसमें संतरे, अकाई बेरी और लाल शिमला मिर्च से लेकर कोको, खाद्य उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले रसायन, उर्वरक सहित 200 से ज्यादा उत्पाद शामिल हैं।

यूरोप में आंधी-तूफान ने मचाई तबाही, पुर्तगाल और ब्रिटेन में भीषण बाढ़; हाई अलर्ट जारी

लंदन, एजेंसी। तूफान क्लाउडिया ने यूरोप में भारी तबाही मचाई है। तूफान के क्लाउडिया के ब्रिटेन और वेल्स की ओर बढ़ने से दो लोगों की मौत हुई है और कई लोग घायल हो गए हैं। राहत बचाव की टीम लगातार रेस्क्यू में जुटी है। इस बीच पुर्तगाल के सेतुबल और फारो जिलों समेत कई क्षेत्रों में ऑरेंज अलर्ट जारी है।

दरअसल, तूफान क्लाउडिया ने यूरोप के कई देशों की मुश्किलें बढ़ा दी है। तूफान के कारण भारी बारिश और तेज हवाएं चलीं, जिससे भूस्खलन और बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई। यूरोन्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, तेज मौसम ने कई पेड़ उखाड़ दिए और घरों, सड़कों और वाहनों को नुकसान पहुंचाया।

पुर्तगाल के राष्ट्रीय आपातकालीन और नागरिक सुरक्षा प्राधिकरण के अनुसार, बुधवार दोपहर से शुक्रवार सुबह तक लगभग 2,434 घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें से अधिकांश बाढ़ से संबंधित थीं। दक्षिणी पुर्तगाल का फारो जिला शुक्रवार को सबसे अधिक प्रभावित हुआ, जहां भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण बाढ़ आ गई और पेड़ गिर गए। ब्रिटेन में भी तबाही तूफान क्लाउडिया के चलते ब्रिटेन और वेल्स में लगातार आंधी पानी का दौर जारी है। ब्रिटेन के मौसम विभाग ने बताया कि ग्वेंट के तफलोग स्थित नेचुरल रिसोर्सेज वेल्स के वर्षामापी यंत्र पर गुरुवार और शुक्रवार के बीच 81.8 मिमी बारिश दर्ज की गई है।

भारी बारिश के कारण ब्रिटेन के वेल्स में बाढ़ आ गई है। बचावकर्मी लोगों को सुरक्षित स्थानों पर निकालने में जुटे हुए हैं। सेतुबल नगरपालिका के अजीताओ में भूस्खलन के बाद एक सड़क धंस गई, जिससे आवागमन प्रभावित हो गया है। सेतुबल जिले में कई जगहों पर बाढ़ आ गई है। अब भी कई जगहों पर बाढ़ का हाई अलर्ट जारी है।

बचाव कर्मियों को गुरुवार को एक बुजुर्ग दंपति का शव उनके बाढ़ग्रस्त घर के अंदर मिला। आशंका है कि वे सो रहे थे और रात में पानी बढ़ने के कारण भाग नहीं पाए। पुर्तगाल में गरज के साथ भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी है। तटीय क्षेत्रों में, कहीं-कहीं पांच मीटर ऊंची लहरों के लिए चेतावनी जारी है, जो शनिवार रात तक जारी रहने की उम्मीद है।

बीबीसी से वसूलेंगे पांच अरब डॉलर का हर्जाना, डॉक्यूमेंट्री मामले पर बोले ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने कहा है कि अपने भाषण के गलत तरीके संपादन के मामले में वह बीबीसी (ब्रिटिश ब्राडकास्टिंग कॉर्पोरेशन) पर पांच अरब डालर के हर्जाने का मुकदमा दायर करेंगे। बीबीसी इस मामले में दो बार माफी मांग चुका है और उसके दो जिम्मेदार अधिकारियों ने इस्तीफे भी दिए हैं लेकिन ट्रंप इससे संतुष्ट नहीं हैं। बीबीसी की ट्रंप पर बनाई डॉक्यूमेंट्री में उनके छह जनवरी, 2021 के भाषण का गलत संपादन हुआ है। राष्ट्रपति पद के दूसरे कार्यकाल के लिए चुनाव हारने के बाद ट्रंप समर्थकों के बीच भाषण दे रहे थे। बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री में ट्रंप इसी दौरान समर्थकों पर अमेरिकी संसद पर हमले के लिए उकसाते हुए दिखाए गए हैं। संसद पर ट्रंप समर्थकों के हमले की घटना से अमेरिका की काफी किरकिरी हुई थी। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा बलों को भारी बल प्रयोग करना पड़ा था। 2024 में प्रसारित की गई थी डॉक्यूमेंट्री डॉक्यूमेंट्री में ट्रंप के भाषण में काट-छांट कर संसद पर हमले के लिए उन्हें जिम्मेदार बताने की कोशिश की गई है। यह डॉक्यूमेंट्री 2024 में तब प्रसारित की गई जब ट्रंप दूसरी बार राष्ट्रपति चुने जाने के लिए फिर से चुनाव लड़ रहे थे। हाल ही में यह प्रकरण मीडिया में आने के बाद ट्रंप ने उस पर कड़ी नाराजगी जताई थी। ट्रंप के वकीलों ने इस मामले में बीबीसी को नोटिस भेजकर शुक्रवार तक माफी मांगने और एक अरब डॉलर का हर्जाना देने के लिए कहा था। बीबीसी ने शुक्रवार को ट्रंप से फिर माफी मांगी लेकिन हर्जाने पर कुछ नहीं कहा। बीबीसी के प्रमुख समीर शाह ने कहा, गलत संपादन के पीछे कोई बदनीयत नहीं थी। बीबीसी को भेजे नोटिस में ट्रंप के वकीलों ने कहा है कि डाक्यूमेंट्री में गलत भाषण दिखाए जाने से उनके मुवक्किल (ट्रंप) की छवि बिगड़ी और भारी आर्थिक नुकसान हुआ। शनिवार को छुट्टी मनाने के लिए फ्लोरिडा जाते समय ट्रंप ने अपने विमान एयरफोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पांच अरब डालर का हर्जाना वसूल करने के लिए अगले सप्ताह कानूनी प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने मेरे मुंह से निकलने वाले शब्दों को बदला है, यह बहुत बड़ी गड़बड़ी है।

नेपाल के बाद अमेरिका के पड़ोसी देश में सड़कों पर उतरे जेन-जेड, कई शहरों में फैला प्रदर्शन

काठमांडु, एजेंसी। नेपाल के बाद अब अमेरिका के पड़ोसी देश मेक्सिको में भी जेन-जेड आंदोलन ने जोर पकड़ लिया है। बढ़ते अपराध, भ्रष्टाचार और हिंसा के खिलाफ शनिवार को हजारों लोग सड़कों पर उतरे। यह प्रदर्शन मुख्य रूप से राष्ट्रपति क्लाउडिया शेनबाउम की सुरक्षा नीतियों और ड्रग कार्टलों के खिलाफ नरमी के विरोध में किया गया। खासकर मिशोआकान राज्य में ड्रग तस्करों के खिलाफ अभियान चला रहे मेयर कार्लोस मंजो की हत्या के बाद आंदोलन ने तेजी पकड़ी।

विपक्षी दलों का समर्थन : जेन-जेड आंदोलन को विपक्षी दलों के विभिन्न आयु वर्ग के नेताओं और समर्थकों का भी खुलकर समर्थन मिला है। आंदोलन अब व्यापक रूप धारण कर चुका है। ज्यादातर प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे, लेकिन अंत में

कुछ युवाओं और पुलिस के बीच झड़पें भी हुईं। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर, पटाखे, लाठियां और जंजीरें फेंकीं और उनकी ढालें और उपकरण छीन लिए। जवाब में पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी और लाठीचार्ज किया।

झड़प में 120 घायल, 20 गिरफ्तार : राजधानी के सुरक्षा सचिव पाब्लो वाजक्वेज ने बताया कि झड़पों में कुल 120 लोग घायल हुए, जिनमें से 100 पुलिस अधिकारी शामिल हैं। इस मामले में 20 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारियों को घसीटते और बल प्रयोग करते दिखाया गया, जिससे मनमानी गिरफ्तारियों और दुरुपयोग के आरोप लगे।

जेन-जेड आंदोलन की वजहें : जेन-जेड यानी 1990 के दशक के अंत और 2010 के शुरुआती वर्षों में जन्मे युवा इस साल कई देशों में असमानता, लोकतांत्रिक पतन और भ्रष्टाचार के खिलाफ सड़कों पर उतरे हैं। नेपाल में सितंबर में हुए जेन-जेड प्रदर्शन के बाद प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा था। मेक्सिको में युवा भ्रष्टाचार, हिंसक अपराध और अपराधियों को दंड न मिलने से परेशान हैं। वे सरकार को नार्को-स्टेट (ड्रग माफिया प्रभावित राज्य) कहकर निशाना बना रहे हैं। इस प्रदर्शन में केवल युवा ही नहीं, बल्कि विभिन्न आयु वर्ग के लोग शामिल हुए। पूर्व राष्ट्रपति विसेंट फॉक्स और मैक्सिकन अरबपति रिकार्डो सेलिनास प्लीगो ने सोशल मीडिया पर समर्थन संदेश जारी किए। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय महल (पलासियो नासियोनल) के आसपास की बाड़ तोड़ी और राष्ट्रपति शेनबाउम के इस्तीफे की मांग की। कई ने वन पीस कार्टून से प्रेरित समुद्री डाकू का खोपड़ी वाला झंडा लहराया, जो जेन-जेड आंदोलन का वैश्विक प्रतीक बन चुका है। एक 29 वर्षीय प्रदर्शनकारी एंड्रेस मासा ने कहा, हमें अधिक सुरक्षा की जरूरत है।

चीन ने खोजा 1,000 टन से ज्यादा सोना, एक साल में तीसरी बार मिली बड़ी खदान

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने एक बार फिर अपने विशाल शिनजियांग क्षेत्र के कुनलुन पर्वतों में सोने का एक विशाल भंडार खोज निकाला है। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, यहां 1,000 टन से अधिक सोना मौजूद होने की संभावना है। यह खोज इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पिछले एक साल में चीन को यह तीसरी मेगा-गोल्ड डिस्कवरी मिली है। इससे पहले लियाओनिंग और हुनान प्रांतों में भी 1,000 टन से ज्यादा सोने वाली खदानें मिली थीं। लगातार मिल रही इन खोजों ने दुनिया के गोल्ड मार्केट में चीन की संभावनाओं को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया है।

कुनलुन पर्वत में क्या मिला : चीनी भूविज्ञान एजेंसियों ने कुल 87

संभावित सोना-क्षेत्र की पहचान की। इनमें से 6 क्षेत्र बेहद महत्वपूर्ण बताए गए। पहाड़ों की ऊपरी 300 मीटर परत में सोने की परतें सीधे खनन योग्य पाई गईं। इससे खनन लागत कम होगी और चीन बहुत जल्दी इसका व्यावसायिक उत्खनन शुरू कर सकता है।

पहले दुनिया की सबसे बड़ी खदानें कितने टन की थीं : अब तक दुनिया की अधिकतर सबसे बड़ी सोने की खदानें कुछ सौ टन तक ही सीमित थीं। इसी वजह से 1,000+ टन का एक ही स्थान पर मिलना वैश्विक स्तर पर बड़ा भू-वैज्ञानिक घटनाक्रम माना जा रहा है।

पहले अनुमान गलत साबित हुए चीन के गोल्ड रिसोर्स उम्मीद से ज्यादा : विशेषज्ञों का अनुमान था कि चीन में लगभग 3,000 टन सोना अनमाइन्ड है। यह संख्या- रूस और ऑस्ट्रेलिया की तुलना में काफी कम मानी जाती थी। लेकिन नए हाईटेक सर्वे और तकनीकी खोजों ने दिखाया कि चीन के पास इसका कई गुना ज्यादा सोना हो सकता है।

2018 में बनाया गया क्रॉस-आकार का भू-तरंग एंटीना सिस्टम : यह सिस्टम जमीन की किलोमीटर-गहरी परतों तक संकेत भेज सकता है। इससे सोना ही नहीं बल्कि लिथियम, यूरेनियम, रेयर अर्थ मेटल्स, प्राकृतिक गैस और तेल की खोज भी कम लागत और अधिक सटीकता से हो रही है। इस टेक्नोलॉजी का प्रभाव चीन से बाहर अफ्रीकी देशों तक में दिख रहा है, जहां उसने कई नई खदानें खोजने में मदद की है। भारत में भी सोने की खानें हैं, विशेषकर राजस्थान, झारखंड और मध्य प्रदेश में। लेकिन रिजर्व अपेक्षाकृत छोटे, तकनीक पुरानी और खोज का बजट सीमित है। यही कारण है कि चीन जैसी मेगा डिस्कवरी भारत में फिलहाल नहीं देखी गई है।

युद्ध का संकेत दे रहा पाक, दिल्ली विस्फोट के बाद बलूच कार्यकर्ता का बड़ा दावा

कराची, एजेंसी। बलूच मानवाधिकार कार्यकर्ता मीर यार बलूच ने शनिवार को दावा किया कि दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के पास हाल ही में हुए कार बम हमले और उसके बाद श्रीनगर में हुए आकस्मिक विस्फोट पाकिस्तान द्वारा युद्ध की घोषणा के समान है। विगत 78 वर्षों में दुनिया को पाकिस्तान के साथ संबंध बनाए रखने से आतंकवाद, रक्तपात, अस्थिरता, परमाणु हथियार हथियार, ब्लैकमेलिंग की रणनीति और देश की गिरती अर्थव्यवस्था को सहारा देने के बोझ के अलावा कुछ भी हासिल नहीं हुआ है।

मीर ने पाकिस्तान को बताया जिम्मेदार : मीर ने एक्स पोस्ट में लिखा, पाकिस्तान एक ऐसा देश है जिसका इतिहास गढ़ा गया है, जिसकी अर्थव्यवस्था बलूचिस्तान के विशाल संसाधनों के दोहन से चलती है, और जिसकी सेना ने आतंकवादी समूहों को बढ़ावा और प्रशिक्षण दिया है, जिससे संघर्ष का एक अंतहीन चक्र चलता रहा है। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान एक बार फिर भारत में 1990 के दशक जैसी स्थितियां पैदा करने के लिए तैयार है। उन्होंने आगे कहा, बलूचिस्तान के रक्षा विश्लेषकों ने निष्कर्ष निकाला है कि पाकिस्तान का आतंकवाद छोड़ने का कोई इरादा नहीं है, और इसलिए, जैसा कि इजरायल ने किया है, दिल्ली को भी बड़े पैमाने पर निर्णायक कार्रवाई पर विचार करना चाहिए। इजरायल एक साथ कई, ज्यादा शक्तिशाली देशों पर हमले करता रहता है, जबकि पाकिस्तान, भारत के साथ एक महीने तक भी लगातार संघर्ष नहीं झेल पाएगा। इसलिए भारत के लिए यह जरूरी है कि वह पाकिस्तान के आतंकवादी हमलों से शुरू हुए संघर्ष को निर्णायक रूप से समाप्त करे। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत को बलूचिस्तान और अफगानिस्तान, दोनों को आपातकालीन आधार पर खुले तौर पर रक्षात्मक और सैन्य सहायता प्रदान करनी चाहिए। अफगानिस्तान में, भारत को बगराम के साथ-साथ कम से कम दस अतिरिक्त हवाई अड्डों की तलाश करनी चाहिए ताकि अफगानिस्तान की जमीन से अभियान शुरू किया जा सके। विशेषज्ञों का हवाला देते हुए मीर ने कहा कि दिल्ली और काबुल को संयुक्त रूप से एक भारत-अफगानिस्तान-बलूचिस्तान त्रिपक्षीय सम्मेलन की मेजबानी करनी चाहिए ताकि ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा की जा सके और साझा हितों की रक्षा तथा पाकिस्तान की आईएसआई और सेना द्वारा छेड़े गए।

ब्राजील के जलवायु शिखर सम्मेलन में चीन ने संभाली कमान, अमेरिका पीछे हटा

टोरंटो, एजेंसी। ब्राजील के अमेज़न शहर बेलेम में हो रहे यूएन के वार्षिक जलवायु सम्मेलन सीओपी30 में इस बार एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है। अमेरिका पहली बार 30 साल में आधिकारिक तौर पर सम्मेलन से अनुपस्थित है और इसी खाली जगह को चीन ने तेजी से भर दिया है। सम्मेलन स्थल के मुख्य प्रवेश द्वार पर चीन का विशाल पैवेलियन, उसकी बड़ी कंपनियों की मौजूदगी और उसके अधिकारियों की सक्रिय कूटनीति ने इसे इस साल का सबसे प्रभावशाली देश बना दिया है।

अमेरिका के हटते ही चीन की भूमिका बढ़ी : चीन के पैवेलियन में सी ए टी एल, बी वाई डी, स्टेट ग्रिड, ट्रिना सोलर और लोंगी जैसी दिग्गज ग्रीन-टेक कंपनियां लगातार प्रेजेंटेशन दे रही हैं। उनका फोकस है नवीकरणीय ऊर्जा, बैटरी टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, और ग्रीन सप्लाई चेन। चीन के प्रतिनिधि लगातार दूसरे देशों से मुलाकात कर रहे हैं और क्लाइमेट नेगोशिएशन के माहौल को सकारात्मक रखने की कोशिश कर रहे हैं। जनरल फ्रांसेस्को ला कैमरा ने कहा- कूटनीति हमेशा खाली जगह की ओर बहती है, अमेरिका के हटने से वह जगह चीन ने ले ली है।

क्यों पीछे हटा अमेरिका : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर से जलवायु समझौतों के आलोचक बनकर सामने आए हैं। ट्रंप ने अमेरिका को दोबारा पेरिस जलवायु समझौते से बाहर कर दिया है। इस साल उन्होंने सीओपी30 में एक भी हाई-लेवल अमेरिकी प्रतिनिधि नहीं भेजा। व्हाइट हाउस प्रवक्ता टेलर रोजर्स ने कहा- ट्रंप अस्पष्ट क्लाइमेट लक्ष्यों के लिए अमेरिका की आर्थिक सुरक्षा दांव पर नहीं लगा सकते। विशेषज्ञों के मुताबिक, अमेरिका का यह कदम वैश्विक जलवायु राजनीति में उसकी पकड़ कमजोर करता है। कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूज़ॉम ने

चेतावनी दी- अगर हमने जागरूकता नहीं दिखाई, तो नवीकरणीय ऊर्जा उद्योग में अमेरिका चीन से बहुत पीछे रह जाएगा।

चीन का विशाल सीओपी30पैवेलियन — पहले से कई गुना बड़ा : इस बार चीन का पैवेलियन सम्मेलन के प्रवेश द्वार के ठीक बगल में है। यहां टॉप चीनी कंपनियां अंग्रेजी में प्रेजेंटेशन दे रही हैं। आगंतुकों को आकर्षित करने के लिए सस्टेनेबल कॉफी, पांडा थीम वाले गिफ्ट्स और टेक डेमो रखे गए हैं। सीएटीएल के वाइस प्रेसिडेंट मेंग जियांगफेंग ने कहा- आइए मिलकर पेरिस समझौते के विज़न को आगे बढ़ाएं-एक स्वच्छ और सुंदर दुनिया बनाएं। सीएटीएल दुनिया के इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए हर तीसरी बैटरी सप्लाई करता है-टेस्ला, फोर्ड और वोक्सवैगन जैसे दिग्गज ग्राहक हैं।

दक्षिणी देशों को भी फायदा— चीन का दावा : चीन के पर्यावरण उपमंत्री ली गाओ ने कहा- दुनिया की सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता होने से विकासशील देशों को भारी फायदा हुआ है। चीन ने सीओपी30 के लिए प्लग-इन हाइब्रिड वाहनों की एक पूरी फ्लीट भी उपलब्ध कराई है, जो बायोफ्यूल पर भी चल सकते हैं। ब्राजील के अधिकारी भी चीन के योगदान की तारीफ कर रहे हैं- चीन अपनी ऊर्जा क्रांति को दुनिया के लिए लाभकारी बना रहा है, कम दामों पर साफ ऊर्जा उपलब्ध हो रही है।

नेगोशिएशन में भी सक्रिय - अमेरिका की कमी पूरी कर रहा चीन : बैठकों में भी चीन का असर साफ दिख रहा है। पहले जहां चीन केवल अपने मुद्दों पर बोलता था, इस बार वह विभिन्न देशों को सहमति तक लाने में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। ब्राजील के एक राजनयिक ने बताया कि चीन ने ग्ब्लब30 का एजेंडा फाइनल करवाने में अहम भूमिका निभाई।

क्या चीन वाकई 'लीडर' की भूमिका निभा रहा है : कुछ विशेषज्ञ कहते हैं कि चीन का नेतृत्व अभी आंशिक है- चीन ने अपने उत्सर्जन को 2035 तक केवल 7% घटाने का लक्ष्य रखा है, कई देशों को यह काफी नहीं लगता। लेकिन दूसरों का कहना है कि चीन की टेक्नोलॉजी ही दुनिया को नेट-जीरो तक पहुँचने में सबसे बड़ा योगदान दे रही है। एशिया सोसाइटी की चीन विशेषज्ञ ली शुओ का कहना है- सबसे ताकतवर देश वह नहीं होता जो छक्का में सबसे जोर से बोलता है, बल्कि वह होता है जो असल में ग्रीन टेक बना रहा होता है।

दिल्ली विस्फोट घाटी में केंद्र सरकार की विफलता को दिखाता : महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर (एजेंसी)। पीडीपी प्रमुख और जम्मू कश्मीर की पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने केंद्र की मोदी पर आरोप लगाया कि 10 नवंबर को लाल किले पर हुआ विस्फोट बढ़ती असुरक्षा की भावना और जम्मू-कश्मीर में केंद्र की नीतियों की विफलता को दिखाता है। महबूबा ने कहा कि आपने दुनिया को बताया कि कश्मीर में सब कुछ ठीक है, लेकिन कश्मीर की परेशानी लाल किले के सामने गूंज रही है। आपने जम्मू-कश्मीर को सुरक्षित बनाने का वादा किया था, लेकिन वादे को पूरा करने के बजाय, आपकी नीतियों ने दिल्ली को असुरक्षित बना दिया है।

महबूबा ने कहा कि हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करके वोट मिल सकते हैं, लेकिन देश किस दिशा में जा रहा है। दिल्ली के लोग शायद यह सोचते हैं कि जितना ज्यादा हिंदू-मुस्लिम विभाजन होगा, उतना ही खून-खराबा होगा, उतने ही ज्यादा वोट उन्हें मिलने हैं। मुझे लगता है कि उन्हें फिर सोचना चाहिए। देश कुर्सी से कहीं बड़ा है। मैं ऐसा करने वाले दुआओं से फिर कहना चाहती हूं कि आप जो कर रहे हैं वह हर तरह से गलत है। यह न केवल आपके लिए, बल्कि आपके परिवार, जम्मू-कश्मीर और पूरे देश के लिए भी खतरनाक है। आप इतना बड़ा जोखिम इसलिए उठा रहे हैं क्योंकि आप अपने प्रियजन की जिंदगी बर्बाद कर रहे हैं। कई निर्दोष लोगों की जिंदगी दांव पर लगी है।

रूस से एमबीबीएस के छात्र का शव 28 दिन बाद पहुंचा अलवर

अलवर (एजेंसी)। राजस्थान के जिले अलवर में सोमवार सुबह रूस से एमबीबीएस के छात्र अजीत चौधरी का शव 28 दिन बाद पहुंचा। वह लक्ष्मणगढ़ के कफनवाड़ा गांव निवासी था। जिला हॉस्पिटल में बॉडी रखी गई है। छात्र चौधरी का अंतिम संस्कार उसके गांव में होगा। अजीत 19 अक्टूबर को रूस के ऊफा शहर में लापता हुआ था। 6 नवंबर को उसका शव व्हाइट रिवर से लगते बांध में मिला था। 14 नवंबर को रूस में पोस्टमॉर्टम हुआ था। सोमवार को शव अलवर पहुंचा। इस पूरी प्रक्रिया में करीब 28 दिन लगे। अजीत की मां की हालत नाजुक है। अजीत का शव सुबह करीब 4 बजकर 5 मिनट पर फ्लाइट से दिल्ली पहुंचा। सुबह करीब 9 बजे शव को अलवर जिला अस्पताल लाया गया, जहां पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया की गई। रूस में पहले ही छात्र के शव का पोस्टमॉर्टम किया जा चुका था। परिजनों की मांग पर अलवर जिला अस्पताल में भी डॉक्टरों की टीम का मेडिकल बोर्ड बनाया था। इसी बोर्ड ने सोमवार दोपहर करीब 12 बजे अजीत के शव का पोस्टमॉर्टम किया। इसके बाद शव परिवार को सौंप दिया गया। परिवार शव को लेकर कफनवाड़ा गांव पहुंचा, जहां अंतिम संस्कार किया गया।

बालासाहेब ठाकरे मेमोरियल कमेटी का चेयरमैन बने पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस सरकार ने स्व.हिंदू हृदय सम्राट नेता बालासाहेब ठाकरे मेमोरियल कमेटी का चेयरमैन शिवसेना-यूबीटी गुट के मुखिया और पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे को बनाया है। यह फैसला राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि शिवसेना के दूसरे गुट के नेता और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे भी बालासाहेब ठाकरे की विरासत पर दावा करते हैं। इस निर्णय को एकनाथ शिंदे को टेंशन देने वाला माना जा रहा है, क्योंकि वह पहले से ही फडणवीस सरकार में उपेक्षित महसूस कर रहे हैं।

अब फडणवीस के इस फैसले के बाद महायुति में फिर टेंशन बढ़ सकती है। वहीं महाराष्ट्र सरकार द्वारा गठित समिति के प्रमुख सदस्य के रूप चेयरमैन उद्धव ठाकरे और सदस्य के रूप में आदित्य ठाकरे, सुभाष देसाई, पराग अलवानी (भाजपा विधायक) और शिशिर शिंदे (शिवसेना नेता) को शामिल किया गया है। जानकार मानते हैं कि देवेंद्र फडणवीस बीच-बीच में उद्धव ठाकरे के साथ सेतु बनाने की कोशिश करते हैं ताकि एकनाथ शिंदे पर दबाव बनाकर रखा जा सके। उद्धव ठाकरे ने हाल ही में 3 नवंबर को बाढ़ प्रभावित इलाकों में किसानों को पर्याप्त मदद न मिलने के लिए फडणवीस सरकार की आलोचना की थी।

पूर्व बीजेपी प्रत्याशी अजय श्याम के बयान से आहत ब्राह्मण समाज, माफी की उठी मांग

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के ठियोग विधानसभा से पूर्व बीजेपी प्रत्याशी अजय श्याम एक स्कूल में दिए गए भाषण के कारण सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रहे हैं। बीजेपी नेता श्याम ने ठियोग विधानसभा के एक स्कूल कार्यक्रम में पुनर्जन्म, मरने के बाद के कर्मकांड, और ब्राह्मणों की भूमिका पर सवाल उठाए। उनके बयान को सनातन विरोधी और ब्राह्मण समाज का अपमान करने वाला बताया गया। उन्होंने कहा कि पुनर्जन्म की बात दिमाग से निकाल देनी चाहिए, और कोई भी पंडित यह प्रमाणित नहीं कर सकता कि 16वें दिन दिया गया दान (जैसे बिस्तर या पकड़ी छिश चिंबड़े) मृतक को ऊपर मिला है। उन्होंने यह भी कहा कि मरने के बाद भी फोन साथ चाहिए, पंडित जी को दान कर देना, ये टाइम आने वाला है। उनके बयान से ब्राह्मण समाज और सनातन परंपराओं को मानने वाले हिंदू आहत हुए और वह सोशल मीडिया पर बुरी तरह फंस गए। देवभूमि क्षत्रिय संगठन और कई ब्राह्मणों की चेतावनी के बाद, श्याम ने सार्वजनिक तौर पर ब्राह्मण समाज से माफी मांगी है।

फरीदाबाद पुलिस ने 2000 से ज्यादा छात्रों और किरायेदारों से पूछताछ की

फरीदाबाद(एजेंसी)। दिल्ली के लाल किले के पास हुए ब्लास्ट में 12 लोगों की मौत के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने अपनी जांच और तेज की है। इसी क्रम में फरीदाबाद पुलिस ने सोमवार को शहर में किराए पर रह रहे बड़ी संख्या में कश्मीरी छात्रों व अन्य किरायेदारों से पूछताछ की। अब तक 2000 से ज्यादा छात्रों और किरायेदारों से पूछताछ की जा चुकी है। पुलिस कोशिश कर रही है कि कहीं इस व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल से जुड़े और भी सुराग नहीं छूट गए।

मौत की सजा पर शेख हसीना, पूरी तरह पक्षपातपूर्ण, राजनीतिक रूप से प्रेरित और अवैध

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल (आईसीटी) द्वारा सुनाई मौत की सजा को पूरी तरह पक्षपातपूर्ण, राजनीतिक रूप से प्रेरित और अवैध बताया है। सजा के ऐलान के बाद अपने पहले इंटरव्यू में 78 वर्षीय शेख हसीना ने कहा कि यह फैसला एक फर्जी और तथाकथित अदालत का है, जिस अदालत को कोई जनादेश प्राप्त नहीं है।

हसीना 5 अगस्त 2024 से ही भारत में शरण लेकर रह रही हैं। उन पर बीते साल के हिंसक छात्र आंदोलन के दौरान मानवता के खिलाफ अपराध करने का आरोप लगाकर इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल ने उन्हें दोषी ठहराया है। हसीना ने फैसले पर प्रतिक्रिया देकर कहा, मैं खुद पर लगे आरोपों को सिरे से खारिज करती हूं। मुकदमा मेरी अनुपस्थिति में चला और मुझे न अपना बचाव करने का मौका मिला, न ही अपनी पसंद के वकील रखने की इजाजत दी गई।

उन्होंने कहा, आईसीटी में इंटरनेशनल जैसा कुछ भी नहीं है। यह ट्रिब्यूनल केवल अवामी लीग के सदस्यों को ही निशाना बनाने में लगा हुआ है। जबकि विपक्षी दलों द्वारा की गई हिंसा को पूरी तरह नजरअंदाज कर रहा है। हसीना ने कहा, दुनिया का कोई भी सम्मानित और पेशेवर कानूनविद् बांग्लादेश के इस आईसीटी को मान्यता नहीं देगा। इसका मकसद बांग्लादेश की आखिरी चुनी हुई प्रधानमंत्री को सत्ता से हटाकर अवामी लीग को राजनीतिक रूप से खत्म करना है। हसीना ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस पर असंवैधानिक तरीके से सत्ता हथियाने और चरमपंथी ताकतों के समर्थन का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यूनुस के शासन में छात्रों, कपड़ा उद्योग में काम करने वाले मजदूरों, डॉक्टरों और शिक्षकों के शांतिपूर्ण प्रदर्शनों का दमन हो रहा है, कई जगह गोलीबारी हुई है और पत्रकारों को प्रताड़ित किया गया है। उन्होंने दावा किया कि मोहम्मद यूनुस समर्थकों ने पूरे देश में अवामी लीग नेताओं और कार्यकर्ताओं के सैकड़ों घरों, दुकानों और संपत्तियों को नष्ट किया। इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल द्वारा बताए 1,400 से ज्यादा मृतकों के आंकड़े को शेख हसीना ने खारिज कर कहा कि खुद बांग्लादेश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सिर्फ 614 परिवारों को शहीद का दर्जा देकर सहायता राशि दी है। उन्होंने आरोप लगाए कि अभियोजन पक्ष ने गवाहों पर दबाव बनाकर उनके बयान दर्ज किए हैं।

राहुल गांधी मानहानि मामला- गवाह रहे गैर हाजिर, फिर टली सुनवाई

सुल्तानपुर (एजेंसी)। रायबरेली से सांसद एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस नेता राहुल गांधी से जुड़े मानहानि मामले की सुनवाई सोमवार को सुल्तानपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट में टल गई। राहुल गांधी के अधिवक्ता ने बताया कि गवाह राम चंद्र दुबे के अनुपस्थित रहने और स्थगन प्रार्थना पत्र देने के कारण कार्यवाही नहीं हो सकी। अब इस मामले की अगली सुनवाई 26 नवंबर को होगी। यह मामला वर्ष 2018 का है। भाजपा नेता विजय मिश्रा ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। मिश्रा, कोतवाली देहात के हनुमानगंज निवासी हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि 2018 के कर्नाटक चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष और वर्तमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी की थी। इस मामले में पांच साल तक अदालती कार्यवाही चली। राहुल गांधी के पेश न होने पर दिसंबर 2023 में तत्कालीन जज ने उनके खिलाफ वारंट जारी किया था। फरवरी 2024 में राहुल गांधी ने कोर्ट में आत्मसमर्पण किया, जिसके बाद विशेष मजिस्ट्रेट ने उन्हें 25-25 हजार रुपये के दो मुचलकों पर जमानत दी। गत 26 जुलाई 2024 को राहुल गांधी ने कोर्ट में अपना बयान दर्ज कराया था। उन्होंने खुद को निर्दोष बताते हुए इस मामले को राजनीतिक साजिश करार दिया था। राहुल गांधी के बयान के बाद कोर्ट ने वादी को साक्ष्य प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था तब से लगातार गवाह पेश किए जा रहे हैं। अब तक केवल एक गवाह से जिरह पूरी हो पाई है, जबकि दूसरे गवाह से जिरह शुरू हुई है।

राजस्व खुफिया विभाग का बड़ा एक्शन, चीन से आने वाले पटाखों और आतिशबाजी के सामना को पकड़ा

मुंबई (एजेंसी)। राजस्व खुफिया विभाग (डीआरआई) ने चीन से आने वाले पटाखों और आतिशबाजी की अवैध तस्करी का एक और बड़ा मामला पकड़ा है। डीआरआई की टीम ने तस्करी को रोक दिया। अब तक का यह एक और सफल अभियान है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि पटाखों की तस्करी रोकने के लिए चल रहे 'फायर ट्रेल' अभियान चलाया, जिसमें डीआरआई ने मुंद्रा बंदरगाह पर बड़ा काम किया। टीम ने 5 करोड़ की कीमत के 30,000 अवैध पटाखे पकड़े और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। इस अभियान के दौरान, डीआरआई अधिकारियों ने मुंद्रा बंदरगाह पर चीन से आए एक 40 फुट लंबे कंटेनर को पकड़ा, जिस पर पानी का गिलास और फूलदान होने का दावा किया जा रहा था। लेकिन जांच में पानी के गिलास के एक सेट के पीछे 30,000 छिपे हुए पटाखे/आतिशबाजी के टुकड़े मिले। डीआरआई ने कहा कि आयातक के पास कोई वैध दस्तावेज नहीं थे और गिरफ्तार शख्स ने खुद स्वीकार किया कि माल की तस्करी आर्थिक लाभ के लिए की गई थी।

इसके पहले, अक्टूबर माह में, डीआरआई ने मुंबई और तूतीकोरिन में चीनी पटाखों के अवैध आयात के प्रयासों को सफलतापूर्वक विफल किया था। इसमें सिर्फ अक्टूबर महीने में, डीआरआई मुंबई क्षेत्रीय इकाई (एमजेडयू) ने लगभग 16 करोड़ रुपये मूल्य के अवैध रूप से आयातित पटाखे जब्त किए।

मंत्रालय के अनुसार, विदेश व्यापार नीति के आईटीसी (एचएस) वर्गीकरण के तहत पटाखों का आयात प्रतिबंधित है और इसके लिए विस्फोटक नियम, 2008 के तहत विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) और पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) दोनों से वैध लाइसेंस की आवश्यकता होती है।

डीआरआई ने कहा, इसतरह के खतरनाक सामान की गैरकानूनी तस्करी से लोगों की जान को खतरा है। देश की सुरक्षा, बंदरगाह, जहाज और पूरे व्यापार को बड़ा नुकसान हो सकता है।

राजद सुप्रीमो का घरेलू विवाद: भाजपा ने लालू-राबड़ी की सुरक्षा पर उठाए सवाल, कहा- रोहिणी को एफआईआर कराना चाहिए

पटना (एजेंसी)। भाजपा के प्रवक्ता अजय आलोक ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनकी पत्नी राबड़ी देवी की सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर की है। साथ उन्होंने यह भी कहा कि रोहिणी को तत्काल एफआईआर कराना चाहिए। आलोक ने एक्स पर लिखा, 'क्या लालू जी और राबड़ी देवी को कैद कर लिया गया है? जान पे खतरा? रोहिणी जी को एक एफआईआर करवानी चाहिए साथ में तेज प्रताप भी रहे। मिसा क्यों चुप है? लालू प्रसाद यादव इससे पहले इसी साल अपने बड़े बेटे तेजप्रताप यादव को घर और पार्टी से बेदखल कर चुके हैं। अब तेजप्रताप की बहन और लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने आरोप लगाया है कि उनके साथ मारपीट की गई है।

बता दें कि बिहार के सबसे बड़े सियासी घराने में बवाल मचा हुआ है। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को किडनी देने वाली बेटी रोहिणी आचार्य ने लगातार दूसरे दिन रविवार को भी अपना दर्द साझा किया। दिल्ली से सिंगापुर जाने के क्रम में रोहिणी एक बार फिर अपने छोटे भाई और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव, राजद सांसद संजय यादव और इनके करीबी रमीज पर हमलावर रहीं। रोहिणी आचार्य ने रविवार को

आरोप लगाया कि भाई तेजस्वी यादव के कुछ सहयोगी उनके बारे में कह रहे हैं कि मैंने अपने पिता को गंदी किडनी दी और इसके बदले करोड़ों रुपये व पार्टी का टिकट लिया। आचार्य ने भावुक होते हुए 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा कि किसी घर रोहिणी जैसी बेटी न हो।

रोहिणी ने कहा- मुझसे कहा गया गंदी किडनी दी

रोहिणी आचार्य ने राजनीति छोड़ने और अपने परिवार से नाता तोड़ने की घोषणा के एक दिन बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपनी भड़ास निकाली। हाल में हुए बिहार चुनाव में राजद की हार के लिए रोहिणी ने अपने भाई तेजस्वी यादव के करीबी सहयोगियों, हरियाणा से ताल्लुक रखने वाले राजद सांसद संजय यादव और उत्तर प्रदेश के एक राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रखने वाले रमीज, को जिम्मेदार ठहराया था। पिछले साल के आम चुनावों में सारण लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने वाली आचार्य ने कहा, कल मुझे गालियों के साथ बोला गया कि मैं गंदी हूं और मैंने अपने पिता को अपनी गंदी किडनी लगवा दी, करोड़ों रुपये लिए, टिकट लिया।

किडनी देते वक्त पति की अनुमति नहीं ली- रोहिणी

रोहिणी ने कहा, मुझसे तो ये बड़ा गुनाह हो गया कि मैंने अपना परिवार, अपने तीनों बच्चों को नहीं देखा। किडनी देते वक्त न अपने पति, न अपने ससुराल से अनुमति ली। अपने भगवान, अपने पिता को बचाने के लिए वह कर दिया, जिसे आज गंदा बता दिया गया। आप सब मेरे जैसी गलती कभी न करें। किसी घर रोहिणी जैसी बेटी (पैदा) न हो। एक अन्य पोस्ट में लालू प्रसाद की बेटी ने आरोप लगाया, कल एक बेटी, एक बहन, एक शादीशुदा महिला, एक मां को जलील किया गया। मारने के लिए चप्पल (भी) उठाया गया। मैंने अपने आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया, सच का समर्पण नहीं किया। सिर्फ और सिर्फ इस वजह से मुझे बेइज्जती झेलनी पड़ी।

रॉबर्ट वाड्रा ने कहा, हमारा मकसद नहीं राहुल गांधी प्रधानमंत्री बने... लेकिन देश सेक्युलर और एकजुट रहे

-लोकतंत्र कायम रहे और चुनाव निष्पक्ष होने चाहिए

इंदौर (एजेंसी)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति और कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा ने कहा है कि प्रधानमंत्री कोई भी बने लेकिन देश सेक्युलर और एकजुट रहना चाहिए। लोकतंत्र कायम रहे और चुनाव निष्पक्ष होने चाहिए। उन्होंने कहा कि उनका लड़ाई इस बात की नहीं है कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री बने या नहीं। मध्य प्रदेश के इंदौर में सोनिया गांधी के दामाद वाड्रा ने कहा कि यदि बिहार में बैलेट पेपर से फिर से चुनाव कराया जाए, तब परिणाम बदल जाएंगे।

रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि यदि बैलेट पेपर से फिर चुनाव कराए, तब नतीजा बदल जाएगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि ऐसा होगा नहीं। राहुल गांधी के जीजा रॉबर्ट वाड्रा ने ईवीएम से चुनाव में गड़बड़ी का आरोप लगाकर कहा, 'मैं कुछ कह रहा हूं वह लोगों के बीच रहकर अनुभव से है। यदि आज हम बैलेट पेपर से (चुनाव) करते हैं, तब परिणाम अलग आएंगे। यदि फिर चुनाव हो...पर मुझे पता है कि दोबारा चुनाव कभी नहीं होगा। अब वे तैयारी कर रहे हैं, दूसरे राज्यों में चुनाव हैं, जो उनकी टीम है, बीजेपी, चुनाव आयोग और एजेंसियां, वह अगले चुनाव की तैयारी करेगी।' प्रियंका गांधी के पति वाड्रा ने कहा कि इस तरह की जो सरकार होगी कुछ ही लोगों को फायदा होगा जैसे अंबानी-अडानी। सारे बंदरगाह, सारे एयरपोर्ट, सब जगह अडानी-अंबानी दिख रहा है। कोई जवाबदेही होनी चाहिए कि कितना पैसा खर्च हो रहा है। गौरतलब है कि राहुल गांधी भी देश के दो उद्योगपतियों का नाम लेकर केंद्र सरकार पर हमलावर होकर आरोप लगाते हैं कि देश के संसाधन इन्हें दिए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'हम लोग लड़ते रहने वाले हैं, लोकतंत्र के लिए, देश के लोगों के लिए, देश के हित के लिए, चाहे राहुल प्रधानमंत्री बनें या नहीं, हमारा मकसद वह नहीं है। देश को सेक्युलर रखना है, एकजुट रखना है।

पीके पार्टी ने 238 उम्मीदवार किए खड़े, 236 की जमानत जब्त

- 35 सीटों ने बदल दिए रिजल्ट, एनडीए को मिला फायदा

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम ने सबसे ज्यादा प्रशांत किशोर की उम्मीदों पर पानी फेरा है। उन्होंने 238 उम्मीदवार उतारकर बिहार में सरकार बनाने तक का दावा किया था। वहीं उनके 236 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। करीब 35 सीटें ऐसी थीं जिनपर उनके प्रत्याशियों की वजह से समीकरण बदल गए। इन सीटों में से 19 एनडीए के खाते में गईं और 14 महागठबंधन को मिलीं। इसके अलावा एआईएमआईएम और बीएसपी ने एक-एक ऐसी सीट जीती।

इन 35 सीटों पर प्रशांत की जनसुराज पार्टी को जीत-हार के अंतर से ज्यादा वोट मिले। अब यह नहीं कहा जा सकता कि अगर प्रशांत ने अपने उम्मीदवार को ना उतारा होता तो ये वोट किस तरफ जाते। 115 सीटों पर जनसुराज पार्टी तीसरे स्थान पर थी और एक सीट पर वह दूसरे नंबर पर थी। इन 35 सीटों में से प्रशांत किशोर की पहले की पार्टी जेडीयू जीत गई। एक सीट चिराग पासवान और एक उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी के खाते में गई।

वहीं महागठबंधन में इन सीटों में से 9 पर आरजेडी, एक पर सीपीएम, एक पर सीपीआई माले और एक पर आईआईपी ने जीत दर्ज की। बता दें प्रशांत किशोर को लेकर पहले भी आलोचक यही भविष्यवाणी करते थे कि वे कोई भी सीट जीत नहीं पाएंगे। कुछ लोगों का कहना था कि ब्राह्मण होने की वजह से वह बीजेपी के वोट काटेंगे। वहीं अन्य लोगों का कहना था कि पलायन और रोजगार को मुद्दा बनाने की वजह से युवा उनकी तरफ झुक सकता है। हालांकि नतीजों के बाद कहा जा सकता है कि वह किसी भी वर्ग को अपनी ओर खींचने में सफल नहीं हो पाए।

जनसुराज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के ''जंगलराज'' की आशंका के कारण जनसुराज के मतदाता अंतिम समय में एनडीए के पक्ष में चले गए। उन्होंने आरोप लगाया कि एनडीए को मिला भारी बहुमत ''खरीदा हुआ'' है। उन्होंने कहा कि चुनाव से ठीक पहले राज्य की एनडीए सरकार ने वोट हासिल करने के लिए 40 हजार करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए।

इसरो का बड़ा रोडमैप: चंद्रयान-4 को मिली मंजूरी, 2027 में पहला मानव मिशन

-2035 तक भारत का अपना अंतरिक्ष स्टेशन होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन आने वाले वर्षों में अभूतपूर्व उपलब्धियों की ओर बढ़ रहा है। वैज्ञानिक क्षमता, तकनीकी मजबूती और उद्योग सहयोग के बल पर इसरो ने अपना विस्तृत रोडमैप साझा किया है। इसमें चंद्रमा से सैंपल लाने वाला महत्वाकांक्षी चंद्रयान-4 मिशन, 2027 तक भारत का पहला मानव-सहित अंतरिक्ष मिशन और 2035 तक अपना स्वतंत्र अंतरिक्ष स्टेशन शामिल है।

इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया, कि संगठन इस वित्तीय वर्ष में कुल सात लॉन्चिंग करने की तैयारी कर रहा है। इनमें एक कमर्शियल कम्युनिकेशन सैटेलाइट, कई पीएसएलवी और जीएसएलवी मिशन शामिल होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि इसरो पहली बार पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से विकसित पीएसएलवी परीक्षण के लिए तैयार कर रहा है, जो आत्मनिर्भर अंतरिक्ष कार्यक्रम की दिशा में बड़ी उपलब्धि होगी।

सरकार ने अब चंद्रयान-4 मिशन को औपचारिक मंजूरी दे दी है। यह मिशन चंद्रमा की सतह से सैंपल पृथ्वी तक लाने वाला अत्यंत जटिल अभियान होगा। इसरो 2028 तक इसे लॉन्च करने का लक्ष्य बना रहा है। इसके साथ ही जापान की अंतरिक्ष एजेंसी जेक्सा के साथ मिलकर ल्यूनर पोलर एक्सप्लोरेशन मिशन (ल्युपेक्स) पर भी काम तेजी से बढ़ाया जा रहा है। नारायणन ने बताया कि बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए इसरो अपनी अंतरिक्षयान निर्माण क्षमता को अगले तीन वर्षों में तीन गुना तक बढ़ाएगा। इससे भारत को अधिक मिशन कम समय में लॉन्च करने में मदद मिलेगी।

भारत के दीर्घकालिक अंतरिक्ष कार्यक्रम में सबसे अहम परियोजनाओं में से एक है- भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन। इसरो 2035 तक अपने अंतरिक्ष स्टेशन को पूर्ण रूप में स्थापित करने की योजना पर काम कर रहा है। पांच मॉड्यूल वाले इस स्टेशन का पहला मॉड्यूल 2028 तक कक्षा में भेज दिया जाएगा। इसके साथ भारत अमेरिका और चीन के बाद अपना स्वयं का स्पेस स्टेशन रखने वाला तीसरा देश बन सकता है। इसी तरह मानव-सहित गगनयान मिशन पर कार्य तेजी से जारी है। योजना के अनुसार 2027 तक भारत अपना पहला मानव अंतरिक्ष यान भेज देगा, जो देश के अंतरिक्ष इतिहास में एक बड़ा मोड़ साबित होगा। इसरो अध्यक्ष के अनुसार, आने वाले दशक में भारत अंतरिक्ष विज्ञान और तकनीक की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अग्रणी देशों की श्रेणी में शामिल होने की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

10 दिनों की एनआईए कस्टडी में भेजा गया आमिर राशिद अली, उमर से सीधा संपर्क

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली धमाका मामले में दिल्ली से गिरफ्तार किए गए आरोपी आमिर रशिद अली को 10 दिन की एनआईए की हिरासत में भेजा गया है। एनआईए ने राशिद को सोमवार को गिरफ्तार किया था। उस पर आरोप है कि आत्मघाती हमलावर डॉक्टर उमर उन नबी के साथ मिलकर आतंकी हमले की साजिश रची।

इसके पहले जांच एजेंसी एनआईए ने आत्मघाती हमलावर उमर उन नबी के करीबी आमिर राशिद अली को गिरफ्तार कर लिया है, जो कश्मीरी निवासी है। हमले में इस्तेमाल कार आमिर के नाम पर ही रजिस्टर्ड है। ऐसा बताया जा रहा है कि आमिर ने उमर के साथ मिलकर ही आतंकी साजिश को अंजाम दिया था। वह जम्मू-कश्मीर के संबूरा, पंपोर का रहने वाला है। सबसे खास बात यह है कि जिस कार में आईईडी लगाकर धमाका किया गया था, वह कार आमिर के नाम पर रजिस्टर्ड थी। एनआईए ने दिल्ली में छापा मारकर आमिर को पकड़ा।

आमिर के परिवार ने बताया कि वह प्लंबर का काम करता है और उसके भाई को भी गिरफ्तार किया है, जिसका नाम उमर है। उमर इलेक्ट्रीशियन का काम करता है। परिवार का कहना है कि आमिर कभी दिल्ली गया ही नहीं। सिर्फ कार इनकी है और उसका भी रजिस्ट्रेशन जम्मू-कश्मीर का है। इनके पिता की मौत कुछ साल पहले ही हुई थी। एनआईए ने बताया कि इस पूरी साजिश को आमिर राशिद अली ने कथित आत्मघाती हमलावर उमर उन नबी के साथ मिलकर अंजाम दिया।